राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

उज्ज्वल दुनिया

रांची, दिल्ली और यूपी से एक साथ प्रकाशित

अज का दिन

इतिहास में 09 मई के नाम पर कई ऐतिहासिक घटनाएं दर्ज हैं, उनमें एक अहम खड़ी है महात्मा गांधी के राजनीतिक गुरु और भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के प्रमुख नेताओं में शामिल गोपाल कृष्ण गोखले का जन्म। 09 मई 1866 को तत्कालीन बंबई प्रेसिडेंसी के महाराष्ट्र के रत्नागिरि जिले में गोखले जी का जन्म हुआ था।

वर्ष, 12 | पृष्ठ 12 | अंक 65 | रांची, शनिवार, 09 मई, 2026 | मूल्य 3 रुपये | RNI No.- JHAHIN/ 2014/59794 | ujjwalduniyapress@ gmail.com

शुभेंदु अधिकारी होंगे बंगाल के नए मुख्यमंत्री

अमित शाह की मौजूदगी में चुने गए भाजपा विधायक दल के नेता

एजेन्सी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस प्रमुख व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को शिकस्त देने वाले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता शुभेंदु अधिकारी को विधायक दल का नेता चुना गया है। शुक्रवार को आयोजित विधायक दल की बैठक में यह फैसला सहमति से लिया गया। भाजपा के विजयी 207 उम्मीदवारों के साथ बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह मुख्य पर्यवेक्षक के रूप में उपस्थित रहे। उनके साथ ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी सहायक पर्यवेक्षक के तौर पर उपस्थित थे। नई सरकार का शपथ ग्रहण शनिवार को कोलकाता के ब्रिगेड परेड ग्राउंड में होगा। कोलकाता के न्यू टाउन स्थित विश्वा बांग्ला कन्वेंशन सेंटर में हुई बैठक में मुख्यमंत्री माझी ने भाजपा के विजयी विधायक के साथ बैठक की। वहां सर्वसम्मति से संसदीय दल के नेता के साथ-साथ मुख्यमंत्री के तौर पर शुभेंदु अधिकारी का नाम तय किया गया। शुभेंदु शुक्रवार को ही लोकभवन जाकर सरकार बनाने का दावा पेश करेंगे। बंगाल के राजनीतिक गलियारों में पिछले कई दिनों से शुभेंदु अधिकारी के मुख्यमंत्री बनने की चर्चा तेज थी। विधानसभा चुनाव में उनके प्रदर्शन को देखते हुए उन्हें मुख्यमंत्री पद का सबसे प्रबल दावेदार माना जा रहा था। 2021 के विधानसभा चुनाव में उन्होंने ममता बनर्जी को नंदीग्राम में शिकस्त दी थी। वहीं, इस बार के चुनाव में शुभेंदु ने ममता के गढ़ भवानीपुर में उन्हें चुनौती दी और कामयाबी हासिल की। नंदीग्राम और भवानीपुर दोनों सीटों पर मिली कामयाबी ने मुख्यमंत्री पद के लिए शुभेंदु की दावेदारी को और मजबूत कर दिया था। अब सभी की नजरें शनिवार को ब्रिगेड परेड ग्राउंड में होने वाले शपथ ग्रहण समारोह पर टिकी हैं, जहां नए मंत्रिमंडल की तस्वीर साफ होने की उम्मीद है।

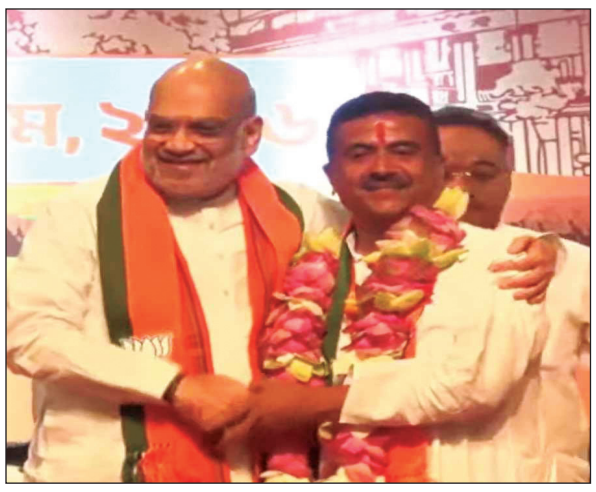

तमिलनाडु में सरकार गठन के लिए सीपीएम ने तमिलगा वेत्री कड़गम को समर्थन दिया

चेननई। तमिलनाडु में सरकार गठन के लिए भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) ने जोसेफ विजय के नेतृत्व वाली तमिलगा वेत्री कड़गम को समर्थन देने की घोषणा की है। माकपा के तमिलनाडु विधानसभा दल के नेता आर. चेल्लासामी ने तमिलनाडु के राज्यपाल को लिखे पत्र में कहा है कि पार्टी के राज्य सचिव पी. शण्मुगम के निर्देश पर यह समर्थन दिया जा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि 23 अप्रैल को हुए तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के परिणामों को ध्यान में रखते हुए तथा राज्य में स्थिर और लोकतांत्रिक सरकार के हित में यह समर्थन

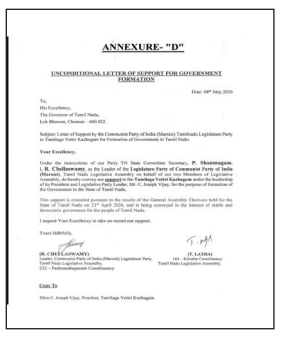

ANNEXURE- "D"

UNCONDITIONAL LETTER OF SUPPORT FOR GOVERNMENT FORMATION

प्रदान किया जा रहा है। जोसेफ विजय के नेतृत्व वाली तमिलगा वेत्री कड़गम फिलहाल सरकार बनाने के लिए आवश्यक समर्थन जुटाने की कोशिश में लगी हुई है। ऐसे समय में माकपा की यह घोषणा तमिलनाडु की राजनीति में महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

राज्य में घुसपैठ और मवेशियों की तस्करी 'नामुमकिन'

एजेन्सी

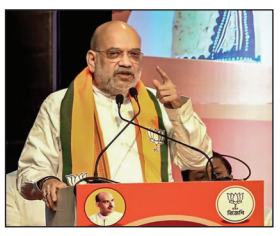

कोलकाता : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को शुभेंदु अधिकारी को पश्चिम बंगाल में भाजपा विधायक दल का नेता और मुख्यमंत्री पद का चेहरा चुने जाने की घोषणा करने के बाद कहा कि राज्य में घुसपैठ और मवेशियों की तस्करी 'नामुमकिन' हो जाएगी. यहां भाजपा विधायक दल की बैठक को संबोधित करते हुए, शाह ने कहा कि बंगाल में भारी जीत सिर्फ संगठन का विस्तार या विचारधारा की पुष्टि नहीं है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और लोकतांत्रिक बहाली से जुड़ा जनादेश है. उन्होंने कहा, ''यह जीत हमारे संगठन के विस्तार या विचारधारा की पुष्टि के बारे में नहीं है, बल्कि देश की राष्ट्रीय सुरक्षा में सबसे बड़ी कमी को ठीक करने के बारे में है... अब पश्चिम बंगाल में घुसपैठ और गो-तस्करी नामुमकिन हो जाएगी.' पूर्ववर्ती तृणमूल कांग्रेस शासन पर तीखा हमला करते हुए, शाह ने आरोप लगाया कि ममता बनर्जी के 15 साल के शासन के दौरान राज्य में 'प्रशासन का राजनीतिकरण और राजनीति का अपराधीकरण' हुआ था. उन्होंने कहा, ह्यह्यभाजपा के शासन के दौरान, न तो प्रशासन का राजनीतिकरण होगा, न ही राजनीति का अपराधीकरण होगा. शाह ने पश्चिम बंगाल में नव निर्वाचित विधायकों की एकमत से मंजूरी का हवाला देते हुए अधिकारी को भाजपा विधायक दल का नेता घोषित किया.

ब्लैक कार्बन उत्सर्जन से ग्लेशियर के तेजी से पिघलने से खतरे में हिमालय

नई दिल्लीः हिमालयी क्षेत्रों में तेजी से बढ़ते अनियंत्रित पर्यटन पर दिल्ली विश्वविद्यालय के हिमालय अध्ययन केंद्र के निदेशक प्रोफेसर विंध्यवासिनी पांडेय ने गंभीर चिंता जताई है. उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर के ग्लेशियर क्षेत्रों तक बढ़ती पर्यटकों और वाहनों की आवाजाही ने हिमालय के संवेदनशील क्रायोस्फियर (हिमावरण क्षेत्र) को खतरे में डाल दिया है. ब्लैक कार्बन उत्सर्जन के कारण ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं, जो आने वाले समय में पर्यावरण और मानव जीवन के लिए बड़ा संकट बन सकते है. अनियंत्रित पर्यटन से बढ़ रहा दबावः प्रो. विंध्यवासिनी पांडेय ने बताया कि पश्चिमी हिमालय खासतौर पर हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर में बड़े पैमाने पर पर्यटन बढ़ा है. लेकिन यह विकास बिना नियंत्रण के हो रहा है. उन्होंने बताया कि अब केवल पर्यटकों की संख्या ही नहीं बढ़ रही, बल्कि उन्हें लाने-ले जाने वाली गाड़ियों की संख्या भी लाखों में पहुंच चुकी है. यह वाहन अब उन ऊंचाई वाले क्षेत्रों तक पहुंच रहे हैं, जिन्हें वैज्ञानिक भाषा में 'क्रायोस्फियर' कहा जाता है.

ब्लैक कार्बन (ग्लेशियर का सबसे बड़ा दुश्मन) : प्रो. विंध्यवासिनी पांडेय ने बताया कि इन वाहनों से निकलने वाला ब्लैक कार्बन ग्लेशियरों के लिए बेहद खतरनाक है. ब्लैक कार्बन में सूर्य की गर्मी को अवशोषित करने की क्षमता अधिक होती है, जिससे बर्फ तेजी से पिघलने लगती है. उन्होंने बताया कि कम ऊंचाई वाले ग्लेशियर इसके प्रभाव में हैं और बिना अत्यधिक तापमान बढ़े भी तेजी से खत्म हो रहे हैं. यह स्थिति हिमालय के पर्यावरणीय संतुलन के लिए गंभीर खतरा है.

क्रायोस्फियर क्या है: क्रायोस्फियर पृथ्वी का वह भाग है जहां पानी ठोस रूप (बर्फ) में मौजूद रहता है. इसमें ग्लेशियर, हिमनद, समुद्री बर्फ, पर्माफ्रॉस्ट और हिमावरण शामिल हैं. यह मुख्य रूप से ध्रुवीय क्षेत्रों और ऊंचे पर्वतीय इलाकों जैसे हिमालय में पाया जाता है. क्रायोस्फियर पृथ्वी के तापमान को संतुलित रखता है और मीठे पानी का बड़ा स्रोत है. इसके पिघलने से समुद्र स्तर बढ़ता है, जल संकट और प्राकृतिक आपदाओं का खतरा बढ़ जाता है.

होर्मुज स्ट्रेट में अमेरिकी और ईरानी नेवी फोर्स के बीच फायरिंग

वॉशिंगटनः अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार (लोकल टाइम) को कन्फर्म किया कि दोनों पक्षों के बीच सीजफायर एग्रीमेंट के बीच होर्मुज स्ट्रेट में अमेरिकी और ईरानी नेवी फोर्स के बीच फायरिंग हुई. उन्होंने कहा कि हमले के बावजूद तीन अमेरिकी डिस्ट्रॉयर रणनीतिक समुद्री मार्ग से सफलतापूर्वक निकल गए. ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी नौसेना के तीन डिस्ट्रॉयर होर्मुज स्ट्रेट से बहुत सफलतापूर्वक निकल गए. उन्होंने बताया कि रास्ते में ईरानी सेना ने उन पर गोलियां चलाई. तीन डिस्ट्रॉयर को कोई नुकसान नहीं हुआ, लेकिन ईरानी हमलावरों को बहुत नुकसान हुआ है.' यह ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स नेवी कमांड के एक्स पर कई पोस्ट में यह दावा करने के बाद हुआ है कि अमेरिकी नौसेना ने दक्षिणी ईरान में जस्क पोर्ट के पास एक ईरानी तेल टैंकर को निशाना बनाया था, जिसके बाद ईरानी नौसेना ने अमेरिकी नौसेना के जहाजों को निशाना बनाया. आईआरजीसी ने आरोप लगाया कि अमेरिकी डिस्ट्रॉयर के खिलाफ एंटी-शिप बैलिस्टिक मिसाइलों, क्रूज मिसाइलों और सुसाइड ड्रोन से मिलकर एक ऑपरेशन किया गया, जिसमें उसे काफी नुकसान होने का दावा किया गया और कहा गया कि अमेरिकी जहाज स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से पीछे हट गए. कमांड ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'इंटेलिजेंस सर्विलांस से पता चलता है कि अमेरिका को इस हमले में काफी नुकसान हुआ है, और उसके तीन हमलावर जहाज स्ट्रेट ऑफ होर्मुज इलाके से जल्दी से भाग गए.'

भाषा विवाद को शांत करने के लिए हेमंत सरकार ने उठाया बड़ा कदम

एजेन्सी

रांचीः झारखंड शिक्षक पात्रता परीक्षा से भोजपुरी, मगही और अंगिका को हटाए जाने से उठे विवाद को शांत करने के लिए हेमंत सरकार ने बड़ा कदम उठाया है. इसके तहत राज्य सरकार ने झारखंड शिक्षक पात्रता परीक्षा नियमावली में विभिन्न जिलों के लिए निर्धारित भाषा संबंधी मामलों पर विचार/अध्ययन करने के पश्चात नियमावली में जनजातीय/क्षेत्रीय भाषा को सम्मिलित या विलोपित करने के बिंदु पर अनुशंसा करने के लिए एक उच्च स्तरीय समिति वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर के नेतृत्व में बनाने का फैसला किया है. कार्मिक प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग के द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार इस कमेटी में श्रम मंत्री संजय प्रसाद यादव, ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडे सिंह, पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री योगेंद्र प्रसाद और नगर विकास एवं आवास विभाग के मंत्री सुदिव्य कुमार को शामिल किया गया है. इस अधिसूचना के अनुसार समिति की बैठकों के लिए स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग को नोडल की जिम्मेदारी दी गई है. सरकार के उप सचिव ब्रज माधव के हस्ताक्षर से जारी अधिसूचना के अनुसार समिति यथाशीघ्र अपना प्रतिवेदन राज्य सरकार को समर्पित करेगी.

झारखंड मैथिली भाषा संघर्ष समिति ने किया स्वागत

झारखंड मैथिली भाषा संघर्ष समिति ने इसका स्वागत किया है. मैथिली भाषा संघर्ष समिति के प्रदेश संयोजक अमरनाथ झा ने कहा कि सरकार द्वारा गठित समिति के समक्ष हमलोग मांग रखेंगे. संघर्ष समिति का स्पष्ट रुप से मानना है कि झारखंड में द्वितीय राजभाषा में मान्य सभी भाषाओं को शिक्षक पात्रता परीक्षा में मान्यता मिलनी चाहिए, इससे किसी भी भाषा के साथ अन्याय नहीं होगा. उन्होंने कहा कि मैथिली भाषा-भाषी झारखंड के प्रत्येक जिले में रहते हैं जिनकी संख्या लाखों में है ऐसे में हम सरकार के समक्ष समिति के माध्यम से जोरदार ढंग से तथ्यों के साथ बातों को रखेंगे.

सुप्रीम कोर्टः एनआईए मामलों में तेजी से सुनवाई के लिए स्पेशल कोर्ट बनाए जाएं

नई दिल्ली : सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को निर्देश दिया कि राष्ट्रीय जांच एजेंसी \द्वारा जांचे जा रहे मामलों में 10 से 15 पेंडिंग ट्रायल से निपटने के लिए कम से कम एक स्पेशल कोर्ट बनाया जाए. यह मामला चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच के सामने आया. बेंच इन रीः क्रिएशन ऑफ स्पेशल एक्सक्लूसिव कोर्ट्स नाम के एक स्वतः संज्ञान केस की सुनवाई कर रही थी. बेंच ने केंद्र को निर्देश दिया कि वह अधिकार क्षेत्र वाले हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश से संपर्क करे और एनआईए एक्ट, 2008 के सेक्शन 11 के तहत एक्सक्लूसिव कोर्ट बनाने पर सलाह करे. बेंच ने उन मामलों में ट्रायल में तेजी लाने के लिए कई निर्देश दिए, जहां केंद्र, एनआईए

के जरिए अभियोक्ता है. बेंच ने कहा कि स्पेशल कोर्ट एक महीने के अंदर बनाए जाने चाहिए. एक्ट का सेक्शन 11 केंद्र सरकार की स्पेशल कोर्ट बनाने की पावर से जुड़ा है. बेंच ने कहा, 'हम हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश से अनुरोध करते हैं कि वे स्पेशल कोर्ट बनाने के लिए जरूरी और काफी जगह देने के लिए राज्य सरकारों से सलाह लें, जहां पीठासीन अधिकारी को केस की सुनवाई का काम सौंपा जाएगा.' सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया कि कोई दूसरा केस स्पेशल कोर्ट को नहीं सौंपा जाएगा और ट्रायल रोजाना किया जाएगा. बेंच ने कहा कि स्पेशल कोर्ट के जज अपनी मर्जी से मामलों को लिस्ट करने के लिए आजाद होंगे, साथ ही यह भी पक्का करेंगे कि कम से कम एक ट्रायल एक महीने के अंदर पूरा हो जाए. बेंच ने कहा कि 10 से 15 पेंडिंग ट्रायल के लिए कम से कम एक स्पेशल कोर्ट होगा और अगर लंबित परीक्षण की संख्या 15 से ज्यादा हुई तो दो स्पेशल कोर्ट बनाए जाएंगे. बेंच ने राज्यों से कहा कि वे अपने पहले के आदेश का पालन करें, जिसमें उन्हें एक्सक्लूसिव विशेष कोर्ट बनाने के लिए जरूरी कोर्ट रूम और दूसरा इंफ्रास्ट्रक्चर देने की जरूरत थी. बेंच ने एक्ट के सेक्शन 22 के तहत उन मामलों में ट्रायल के मुद्दे पर भी बात की, जहां राज्य अभियोक्ता है. बेंच ने राज्य के महाधिवक्ता से कहा कि वे हाई कोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल से सलाह करके अपने-अपने अधिकार क्षेत्र में पेंडिंग ट्रायल की विवरण दें. बेंच ने मामले की सुनवाई जुलाई में तय की है.

सुजलम झारखंड 2026

जल सुरक्षा के लिए किसान कॉपोर्रेट सरकार के त्रिकोणीय संगम का आयोजन

उज्जवल दुनिया संवाददाता

रांचीः झारखंड में जल सुरक्षा की चुनौतियों को दूर करने और विभिन्न क्षेत्रों के बीच सामंजस्य बिठाने के उद्देश्य से एक दिवसीय सम्मेलन 'सुजलाम झारखंड 2026' का भव्य आयोजन सस्टेनेबल कॉमर्स फोरम (रउफ़) द्वारा रांची में किया गया। इस सम्मेलन के संयोजक श्री ओम प्रकाश और श्री संकेत कुमार थे। कार्यक्रम की शुरूआत पारंपरिक दीप प्रज्वलन समारोह के साथ हुई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड सरकार के माननीय जल संसाधन और अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री, श्री हफीजुल हसन उपस्थित थे। विशिष्ट अतिथियों में पद्म श्री उमाशंकर पांडे और बिरसा कृषि विश्वविद्यालय (इअव), रांची के कुलपति प्रो. एस. सी. दुबे शामिल हुए। माननीय मंत्री श्री हफीजुल हसन ने सभा को संबोधित करते हुए कहा, 'जल राज्य के प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में से एक है और झारखंड सरकार विभिन्न संरक्षण माध्यमों के जरिए जल सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।' पद्म श्री उमाशंकर पांडे ने जल के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि जल ही समस्त जीवों और विकास का आधार है। उन्होंने रेखांकित किया कि पानी का सम्मान किया जाना चाहिए और इसकी एक-एक बूंद को सहेजा जाना चाहिए। प्रो. एस.सी. दुबे ने जल प्रबंधन में शैक्षणिक संस्थानों की भूमिका और जल संचयन (वॉटर रिचार्ज) में जनभागीदारी की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने सुझाव दिया कि झारखंड में जल प्रबंधन के लिए सीएसआर (उरफ) परियोजनाओं को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। सम्मेलन को तीन तकनीकी सत्रों में विभाजित किया गया थाः

1. **पठारी जल विज्ञान और स्पंज सिटी डिजाइनः** प्रो. स्मृति मिश्रा द्वारा संचालित इस सत्र में टिकाऊ शहरी नियोजन और 'स्पंज सिटी' की अवधारणा पर चर्चा हुई।
2. **सटीक जल-तकनीक और 10T ब्रिजः** आईआईटी दिल्ली (CRDT) के श्री पिनाकी दासगुप्ता द्वारा संचालित इन सत्रों में कृषि विश्वविद्यालयों से निकले तकनीकी हस्तक्षेपों और नाबार्ड व झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी जैसी एजेंसियों के माध्यम से उनके क्रियान्वयन पर चर्चा की गई। टेक्सटाइल सेक्टर स्किल काउंसिल की सीईओ डॉ. स्वप्ना मिश्रा ने टेक्सटाइल और जल क्षेत्र में कौशल विकास के महत्व को साझा किया, जो ग्रामीण युवाओं को रोजगार प्रदान कर सकता है। इस सम्मेलन को कोल इंडिया, सीएमपीडीआई , किर्लोस्कर और भारतीय आर्किटेक्चरल फर्म 'द क्रिएटर' द्वारा सहयोग प्रदान किया गया। सम्मेलन का समापन 'जल शपथ' के साथ हुआ, जिसमें जल बहाली, तालाबों के कायाकल्प, वर्षा जल संचयन, जल उपचार (वाटर ट्रीटमेंट), अपशिष्ट जल प्रबंधन, ग्रीन और ग्रे इंफ्रास्ट्रक्चर, स्पंज सिटी की अवधारणा, जल उपयोग दक्षता और सिंचाई में 10T जैसी आधुनिक तकनीक के उपयोग की आवश्यकता पर आम सहमति बनी।

एक नजर

सरकारी विद्यालयों को बचाने के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी : रामेश्वर गोप

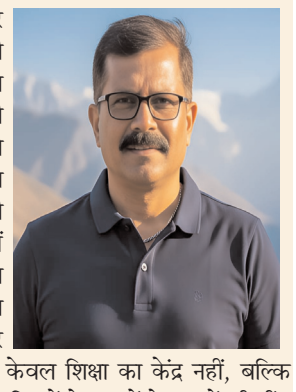

देश में सरकारी विद्यालयों की लगातार गिरती स्थिति चिंता का विषय बनती जा रही है। नीति आयोग की हालिया रिपोर्ट में यह सामने आया है कि बड़ी संख्या में बच्चे सरकारी स्कूलों को छोड़ निजी विद्यालयों की ओर रुख कर रहे हैं। शिक्षा व्यवस्था में बढ़ती असमानता और सरकारी स्कूलों में घटते नामांकन को लेकर शिक्षा जागरण मंच के सचिव रामेश्वर गोप ने गहरी चिंता व्यक्त की है। रामेश्वर गोप ने कहा कि सरकारी विद्यालय केवल शिक्षा का केंद्र नहीं, बल्कि गरीब, मजदूर, किसान और ग्रामीण परिवारों के बच्चों के सपनों की नींव हैं। यदि सरकारी स्कूल कमजोर होंगे तो समाज का बड़ा वर्ग गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से वंचित हो जाएगा। इसलिए सरकारी विद्यालयों को बचाना और मजबूत बनाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि आज कई सरकारी विद्यालय शिक्षक की कमी, जर्जर भवन, पेयजल, शौचालय, खेल मैदान और आधुनिक संसाधनों के अभाव से जूझ रहे हैं। यही कारण है कि अभिभावक मजबूरी में निजी विद्यालयों की ओर जा रहे हैं। जबकि शिक्षा का अधिकार हर बच्चे का मौलिक अधिकार है और इसे मजबूत सरकारी शिक्षा व्यवस्था के माध्यम से ही सुनिश्चित किया जा सकता है। रामेश्वर गोप ने कहा कि सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चे किसी भी मायने में कम प्रतिभाशाली नहीं हैं। जरूरत केवल उन्हें बेहतर माहौल, नियमित शिक्षक, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और प्रोत्साहन देने की है। उन्होंने कहा कि सरकार को विद्यालयों में शिक्षकों की नियुक्ति तेज करनी चाहिए, बंद हो रहे स्कूलों को बचाना चाहिए तथा शिक्षा के बजट में वृद्धि करनी चाहिए। उन्होंने समाज, जनप्रतिनिधियों, अभिभावकों और शिक्षकों से भी अपील करते हुए कहा कि सरकारी विद्यालयों को बचाने के लिए आगे आना होगा। अधिक से अधिक बच्चों का नामांकन सरकारी स्कूलों में कराया जाए और विद्यालयों की समस्याओं को मिलकर दूर किया जाए। तभी समान और सशक्त शिक्षा व्यवस्था का सपना साकार हो सकेगा।

विश्व रेड क्रॉस दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन

विश्व रेड क्रॉस दिवस के मौके पर शुक्रवार को कैंब्रिज इंस्टीट्यूट ऑफ टीचर्स एजुकेशन, बहाया रांची के प्रशिक्षु विद्यार्थियों ने संस्थान से कमार्डीपा गांव तक जागरूकता रैली निकाली. इस दौरान गांव में नुक्कड़ नाटक का आयोजन भी किया गया. मौके पर प्राचार्य डॉ रविंद्र कुमार ने ग्रामीणों को रेड क्रॉस दिवस के उद्देश्य के बारे में बताते हुए कहा कि आम लोगों में उदारता, सहानुभूति और निस्वार्थ भावना को जगाना ही दिवस को मनाने का मुख्य उद्देश्य है. वहीं डीएलएड की प्राचार्या डॉ रेणु ने कहा कि किसी भी घटना में घायल, बीमार, लाचार लोगों की निस्वार्थ भाव से सेवा करें. यह जनहित में अत्यंत लाभकारी है. रैली के दौरान विद्यार्थियों ने स्लोगन के साथ नारे भी लगाए. मौके पर संस्थान के कॉर्डिनेटर संजीव कुमार तिवारी, संस्थान के शिक्षक आनंद नारायण, श्यामू बड़ाइक, प्रदीप कुमार, रजनीश महतो, श्वेता कुमारी,आशा मेहता, अनीता,सरिता ,रश्मी, सूरज नारायण आदि मुख्य रूप से मौजूद रहे.

दो दिवसीय इंडस्ट्रियल विजिट का आयोजन

कैम्ब्रिज इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के मेकेनिकल इंजीनियरिंग ब्रांच के सेमेस्टर 4 एवं 6 के विद्यार्थियों ने शुक्रवार को दो दिवसीय इंडस्ट्रियल विजिट के तहत रांची के रातू स्थित वेयरिंग निर्माण कंपनी एसएनएल वेयरिंग लिमिटेड का भ्रमण किया. भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने कंपनी के प्रोडक्शन इंजीनियर आशीष चोपड़ा व एच आर हेड संदीप कुशवाहा की अगुआई में कंपनी की कार्यविधि यथा डिजाइन से लेकर वितरण, वेयरिंग के शेल व केज के निर्माण आदि प्रक्रिया के बारे में जानकारी ली. मालुम हो कि इंडस्ट्रियल विजिट का आयोजन संस्थान के मेकेनिकल इंजीनियरिंग ब्रांच एवं ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट विभाग के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित किया गया था. इंडस्ट्रियल विजिट के दौरान इवेंट कॉर्डिनेटर प्रो विनीत कुमार व प्रो पी आर टुडू मुख्य रूप से मौजूद रहे. बताते चलें कि यह कंपनी टीवीएस, बजाज, रॉयल इनफील्ड जैसी मोटर कंपनियों को बेयरिंग की आपूर्ति करता है.

भाजपा के पास मुद्दे नहीं, इसलिए भावनात्मक उन्माद फैलाने की कोशिश

रांचीः झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव आलोक कुमार दुबे ने नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी के पश्चिम बंगाल को लेकर दिए गए बयान पर तीखा पलटवार करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी अब विचारधारा की नहीं बल्कि ह्वोट चोरी, लोकतांत्रिक संस्थाओं के दुरुपयोग और दलाल राजनीतिह्व की पार्टी बन चुकी है। ऐसे में भाजपा को लोकतंत्र और बलिदान पर ज्ञान देने का कोई नैतिक अधिकार नहीं बचा है। उन्होंने कहा कि पूरा देश ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया देख रही है कि किस तरह भाजपा चुनावी एजेंसियों, संवैधानिक संस्थाओं और धनबल का इस्तेमाल कर लोकतंत्र को कमजोर करने में लगी हुई है। भाजपा हर हार के बाद ईवीएम और साजिश की बात करने वालों पर हमला करती है, लेकिन जहां खुद सत्ता हासिल करती है वहां लोकतंत्र का सबसे बड़ा रक्षक बनने का नाटक करती है।

यांत्रिक कारखाना, गोरखपुर में ह्यकम्प्यूटरीकृत ब्रेक परीक्षण फैसिलिटीह्य का उद्घाटन

गोरखपुरः यांत्रिक कारखाना, गोरखपुर कार्यशाला के आधुनिकीकरण एवं गुणवत्ता सुधार की दिशा में निरंतर कार्य कर रहा है। महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे श्री उदय बोरवणकर के मार्गदर्शन में कारखाना नई तकनीकों को अपना कर अपने कर्मचारियों को आधुनिक प्रणालियों एवं उन्नत अनुरक्षण तकनीकों में निरंतर प्रशिक्षित भी कर रहा है। इसी क्रम में, मुख्य कारखाना प्रबन्धक/यांत्रिक कारखाना डॉ० सुनील कुमार शर्मा की गरिमामयी उपस्थिति में वरिष्ठ पर्यवेक्षक श्री विजय कुमार ने 08 मई, 2026 को कारखाना स्थित एयर ब्रेक शॉप में सभी एल.एच.बी. एवं आई.सी.एफ. कोचों के अंतिम एयर ब्रेक परीक्षण हेतु अत्याधुनिक 'कम्प्यूटरीकृत ब्रेक परीक्षण फैसिलिटी' (सिंगल कार टेस्ट रिग-एस.सी.टी.आर.) का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर/कार्य श्री अनुज कुमार मिश्र, उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर/रिपेयर श्री सत्येंद्र कुमार वर्मा, पर्यवेक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित थे।इस अवसर पर मुख्य कारखाना प्रबन्धक डॉ० सुनील कुमार शर्मा ने कहा कि कार्यशाला में आधुनिक तकनीकों का निरंतर समावेश गुणवत्ता एवं अनुरक्षण दक्षता को और सुदृढ़ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

डॉ. अत्री गंगोपाध्याय को मिला 'रूरल इंडिया में रेस्पिरेटरी मेडिसिन में ट्रांसफॉर्मेटिव कंट्रीब्यूशन' अवार्ड

रांची : चेस्ट काउंसिल ऑफ इंडिया (सीसीआई) के पहले वेस्ट जोन कॉन्फ्रेंस 'सीसीआई वेस्ट 2026' का भव्य उद्घाटन होटल वेस्टिन, पवई मुंबई में हुआ। इस सम्मेलन में देशभर के नामी चेस्ट फिजिशियन और रेस्पिरेटरी विशेषज्ञ शामिल हो रहे हैं। उद्घाटन समारोह में डॉ. अत्री गंगोपाध्याय को 'ग्रामीण भारत में श्वसन चिकित्सा में परिवर्तनकारी योगदान के लिए सीसीआई पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार उन्हें ग्रामीण भारत में श्वसन रोगों की रोकथाम और इलाज के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए दिया गया। मुख्य अतिथि डॉ. मिलिंद नाडकर ने डॉ. गंगोपाध्याय को यह सम्मान प्रदान किया। इस दौरान गेस्ट ऑफ ऑनर डॉ. एन एच कृष्णा भी मंच पर उपस्थित थे। डॉ. अत्री गंगोपाध्याय ने सम्मान प्राप्त करने के बाद कहा, ₹ग्रामीण इलाकों में रेस्पिरेटरी केयर पहुंचाना सबसे बड़ी चुनौती है। यह अवार्ड उन सभी स्वास्थ्य कर्मियों का है जो दूरदराज के क्षेत्रों में मरीजों की सेवा कर रहे हैं। हमें टेक्नोलॉजी और कम्युनिटी अवेयरनेस के जरिए फेफड़ों की बीमारियों से लड़ाई को और मजबूत करना होगा।₹ सीसीआई वेस्ट 2026 का विषय रेस्पिरेटरी मेडिसिन में नए शोध, टीबी उन्मूलन और वायु प्रदूषण से जुड़ी बीमारियों पर केंद्रित है। दो दिवसीय कॉन्फ्रेंस में वर्कशॉप, पैनल डिस्कशन और रिसर्च पेपर प्रेजेंटेशन होंगे। चेस्ट काउंसिल ऑफ इंडिया (आर) द्वारा आयोजित यह पहला वेस्ट जोन कॉन्फ्रेंस महाराष्ट्र, गुजरात, गोवा और मध्य प्रदेश के चेस्ट विशेषज्ञों को एक मंच पर ला रहा है।

रोटरी क्लब ऑफ रांची ने नन्हे तैराक इशांक को किया सम्मानित

रांचीः अपनी अद्भुत प्रतिभा और साहस से कम उम्र में बड़ी उपलब्धि हासिल करने वाले नन्हे तैराक ईशांत सिंह को रोटरी क्लब ऑफ रांची ने सम्मानित किया गया। रोटरी क्लब में आयोजित सम्मान समारोह में क्लब की ओर से गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने वाले सात वर्षीय ईशांत को उनकी ऐतिहासिक उपलब्धि और खेल के प्रति समर्पण के लिए स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर क्लब के अध्यक्ष अमित अग्रवाल ने इशांक को उनके पसंदीदा गेम्स भेंट किए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि इशांक ने अपनी मेहनत, लगन और आत्मविश्वास से न सिर्फ झारखंड बल्कि पूरे देश का नाम रोशन किया है। इतनी कम उम्र में उनकी उपलब्धि अन्य बच्चों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। सचिव भावना तनेजा ने कहा कि कम उम्र में इशांक ने एक बड़ी उपलब्धि प्राप्त कर ली है। इस उपलब्धि पर झारखंड समेत पूरे देश को गर्व है। भविष्य में भी इशांक ऐसे ही राज्य और देश का परचम लहराता रहे। कार्यक्रम में उपस्थित बच्चों ने इशांक से समुद्र में तैराकी के दौरान आने वाली कठिनाइयों एवं चुनौतियों के बारे में प्रश्न पूछे, जिनका इशांक ने उत्साहपूर्वक उत्तर दिया। उनकी प्रेरणादायक यात्रा से सभी बच्चे बेहद प्रभावित हुए। ज्ञात हो कि ईशांक ने मात्र सात वर्ष की आयु में 29 किलोमीटर की तैराकी 9 घंटे 50 मिनट में पूरी कर विश्व रिकॉर्ड स्थापित किया है। क्लब के सदस्यों ने इशांक एवं उनके परिवार को भविष्य में किसी भी प्रकार की आवश्यकता होने पर हरसंभव सहायता का भरोसा दिलाया। सम्मानित करने वालों में अध्यक्ष अमित अग्रवाल, सचिव डॉ. भावना तनेजा, रमेश धनीधारका, गौरव बागरॉय समेत क्लब के अन्य गणमान्य सदस्य एवं बच्चे उपस्थित थे।

विश्व रेड क्रॉस दिवस पर समाज सेवी सम्मानित

रांचीः छात्र क्लब ग्रुप,क्राउंड लायंस एवं विश्वकर्मा युवा सुरक्षा मंच के संयुक्त तत्वावधान मे आज विश्व रेडक्रॉस दिवस समारोह हातमा एदलहातू स्थित यू.पी.एच.सी. सभागार में मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता क्राउंड लायंस के अध्यक्ष शुभम चौधरी ने किया। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि के रूप में छात्र क्लब ग्रुप के राष्ट्रीय मुख्य संयोजक संतोष कुमार श्रेयांश, संरक्षक बहुरन लोहरा, लीगल एडवाइजर सोनाली भट्टचार्जी एवं विश्वकर्मा युवा सुरक्षा मंच के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजेश कुमार शर्मा उर्फ राजू जी उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान शिक्षा, पर्यावरण, स्वास्थ्य चिकित्सा, समाजसेवा आदि आदि विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले डॉक्टर स्मृति कुमारी(जनरल फिजिशियन), मनीषा तिग्गा(स्टॉफ नर्स,मिशन नाजरथ ट्रस्ट(स्वयंसेवी संस्था) के अध्यक्ष अनिता लकड़ा,सचिव ऑस्कर शनि लकड़ा एवं अंकित कुमार को अंगवस्त्र एवं उपहार भेंटकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में मुख्यरूप से रुपेश कुमार गुप्ता, गौरी शंकर शर्मा, अनमोल अभिषेक, ललिता तिर्की, मधु सिन्हा, नुरेशा खातून आदि आदि ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। छात्र क्लब ग्रुप के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव किशोर शर्मा ने कहा विश्व रेड क्रॉस दिवस समाजसेवियों के लिए समर्पित दिवस है आज के दिन समाजसेवियों को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन करना चाहिए।

स्मार्ट ऊर्जा प्रौद्योगिकी विषय पर आयोजित पांच दिवसीय एफडीपी का समापन

रांचीः बिरला प्रौद्योगिकी संस्थान , मेसरा के विद्युत एवं इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग द्वारा आयोजित पांच दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम ह्लएडवांसेज इन स्मार्ट एनर्जी टेक्नोलॉजीज, इंटेलिजेंट कंट्रोल एंड ड्राइव्सह्व का शुक्रवार को वैलिडिक्टरी सत्र के साथ सफलतापूर्वक समापन हुआ। इस कार्यक्रम का समन्वयन विद्युत एवं इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग के डॉ. प्रतीम पान, डॉ. संजीव कुमार एवं डॉ. सौरभ पैतांडी द्वारा किया गया। 4 मई से 8 मई तक हाइब्रिड मोड में आयोजित इस एफडीपी में देश के विभिन्न हिस्सों से फैकल्टी सदस्य, शोधार्थी, विद्यार्थी एवं उद्योग विशेषज्ञ ऑनलाइन एवं ऑफलाइन माध्यम से शामिल हुए। कार्यक्रम में स्मार्ट ग्रिड, नवीकरणीय ऊर्जा एकीकरण, इंटेलिजेंट कंट्रोल सिस्टम, माइक्रोग्रिड, इलेक्ट्रिक ड्राइव्स, पावर इलेक्ट्रॉनिक्स तथा सतत ऊर्जा प्रौद्योगिकी जैसे उभरते क्षेत्रों पर विशेष चर्चा की गई। वैलिडिक्टरी सत्र में इक्ळ मेसरा के डीन (पीजीएस) प्रो. संदीप सोलंकी मुख्य रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर ईआरएलडीसी, ग्रिड कंट्रोलर ऑफ इंडिया, कोलकाता के चीफ मैनेजर श्री चंदन कुमार तथा एनआईटी राउरकेला के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. मनीष ओखाड़े विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम में विद्युत एवं इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभागाध्यक्ष डॉ. एस. के. मिश्रा एवं कार्यक्रम के संयोजक डॉ. चमन लाल देवांगन भी उपस्थित रहे। समापन सत्र में अतिथियों ने विभाग द्वारा आयोजित इस शैक्षणिक पहल की सराहना करते हुए तेजी से विकसित हो रहे ऊर्जा क्षेत्र में निरंतर सीखने एवं बहुविषयी अनुसंधान के महत्व पर बल दिया। पांच दिवसीय कार्यक्रम के दौरान विभिन्न क्ळ, ठक्ळ तथा उद्योग जगत से जुड़े विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान दिए गए। इन सत्रों के माध्यम से प्रतिभागियों को स्मार्ट ऊर्जा प्रणाली एवं इंटेलिजेंट कंट्रोल तकनीकों में नवीनतम प्रगतियों की जानकारी प्राप्त हुई। कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु आयोजकों ने सभी वक्ताओं, प्रतिभागियों, संकाय सदस्यों एवं सहयोगी कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

शिव महापुराण कथा में आज श्रद्धालुओं को भक्ति, संस्कार एवं जीवन मूल्यों से जुड़े अनेक प्रेरणादायक संदेश प्राप्त

उज्जवल दुनिया संवाददाता

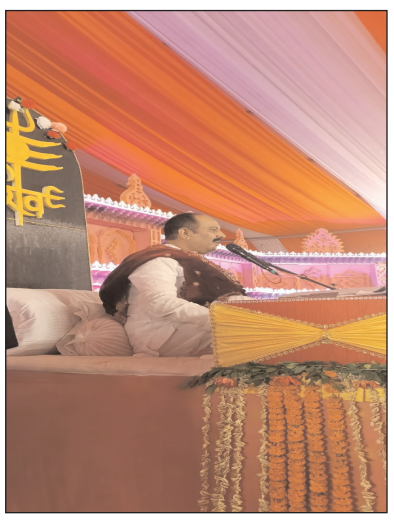

फुटबॉल मैदान, सुकुरहुटू में श्री शिवाला सेवा समिति के तत्वावधान में आयोजित श्री शिव महापुराण कथा में आज श्रद्धालुओं को भक्ति, संस्कार एवं जीवन मूल्यों से जुड़े अनेक प्रेरणादायक संदेश प्राप्त हुए। कथा के दौरान व्यासपीठ से कहा गया कि मंत्र बीज के समान होते हैं। यदि जप में थोड़ी त्रुटि भी हो जाए तो चिंता की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि श्रद्धा और भाव से किया गया मंत्र जाप अपना प्रभाव अवश्य दिखाता है। जैसे भूमि पर गिरा बीज अपने स्वभाव से अंकुरित होता है, वैसे ही मंत्र भी समय आने पर फल प्रदान करता है। कथा में यह भी बताया गया कि भगवान शिव को अर्पित शिवलिंग पर चढ़ाए गए जल से किसी भी प्रकार की नजर दोष एवं नकारात्मक प्रभाव को दूर किया जा सकता है। साथ ही श्रद्धालुओं को अपने पूर्वजों का सम्मान करने एवं घर में पूर्वजों की तस्वीर लगाने की प्रेरणा दी गई। व्यासपीठ से माता-पिता की सेवा को सबसे बड़ा धर्म बताते हुए कहा गया कि माता-पिता के चरणों में ही सच्चा तीर्थ निवास करता है। जो संतान अपने माता-पिता का सम्मान और सेवा करती है, उसके जीवन में सुख, शांति एवं समृद्धि का आगमन होता है। इस अवसर पर शिव महापुराण में वर्णित चंचुला की कथा का भी विस्तार से वर्णन किया गया। कथा में बताया गया कि किस प्रकार पापमय जीवन जीने वाली चंचुला ने शिव महापुराण का श्रवण कर अपने जीवन को परिवर्तित किया और शिवभक्ति के माध्यम से मोक्ष प्राप्त किया। कथा के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि सच्चे पश्चाताप, सत्संग एवं शिवभक्ति से सबसे बड़े पापी का भी उद्धार संभव है। कथा स्थल पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी और पूरा वातावरण शिवमय बना रहा। श्रद्धालुओं ने पूरे भक्तिभाव के साथ कथा श्रवण किया तथा भगवान शिव के जयकारों से पूरा परिसर गूंज उठा। कथा के उपरांत श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरण भी किया गया।

पीएनबी के द्वारा कृषि आउटरिच कैंप का आयोजन

पंजाब नैशनल बैंक मंडल कार्यालय राँची द्वारा दिनांक 08.05.2026 को प्रखंड सह अंचल कार्यालय, चान्हों के किसान भवन में कृषि आउटरिच कैंप का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस कैंप में पर्वेक्षक के रूप में प्रधान कार्यालय से महाप्रबंधक श्री संजीव कुमार दुबे उपस्थित रहें साथ ही अंचल अधिकारी श्री संजीव कुमार, प्रखंड विकास पदाधिकारी श्री वरुण कुमार भी मौजूद रहें । इस कार्यक्रम के आयोजक के रूप में मंडल कार्यालय के मंडल प्रमुख श्री राकेश कुमार, उप-मंडल प्रमुख श्री राकेश कुमार श्रीवास्तव एवं श्री प्रियल कुमार दत्ता उपस्थित थें। इस अवसर पर उक्त शिविर में मौजूद स्वयं सहायता समूह के महिलाओं एवं अन्य ग्राहकों को बैंक के विभिन्न कृषि उत्पादों एवं योजनाओं की जानकारी प्रदान की तथा 17 महिला समूहों को 93 लाख के ऋण स्वीकृति पत्र का वितरण किया गया ।

इटकी के गांवों में कानूनी जागरूकता अभियान, नशा-मुक्ति और बाल संरक्षण के प्रति किया जागरूक

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

रांची। झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार (झालसा) के तत्वावधान में रांची जिले के ईटकी प्रखंड में 90 दिवसीय विधिक जागरूकता अभियान के तहत विभिन्न गांवों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। अभियान का उद्देश्य ग्रामीणों को कानूनी अधिकारों, सरकारी योजनाओं, नशा मुक्ति और बाल संरक्षण संबंधी कानूनों के प्रति जागरूक करना है।

यह अभियान झालसा के न्यायमूर्ति-सह-कार्यपालक अध्यक्ष सुजीत नारायण प्रसाद के निर्देश पर तथा सदस्य सचिव कुमारी रंजना अस्थाना और न्यायायुक्त अनिल कुमार मिश्रा-1 के मार्गदर्शन में संचालित किया जा रहा है। इस संबंध में जानकारी जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डालसा) के सचिव राकेश रौशन ने दी।

उन्होंने बताया कि शुक्रवार को मल्टी पंचायत अंतर्गत पोखरटोली, मोरो और मकुन्दा गांव में विधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पीएलवी अजय गोप, संतोष कुमार समेत कई सामाजिक कार्यकर्ता और ग्रामीण उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान पीएलवी सतीश कुमार ने नालसा की 10 प्रमुख योजनाओं के अंतर्गत संचालित साथी, जागृति, आशा और डॉन स्कीम की जानकारी ग्रामीणों को दी। उन्होंने बताया कि साथी अभियान के माध्यम से 18 वर्ष से कम आयु के बेसहारा, निराश्रित और जरूरतमंद बच्चों की पहचान कर उन्हें जिला विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के जरिए सहायता, संरक्षण और कानूनी सहयोग उपलब्ध कराया जा रहा है। समाज के कमजोर और असहाय बच्चों को मुख्यधारा से जोड़ना इस अभियान का मुख्य उद्देश्य है।

पीएलवी सतीश कुशार ने डॉन अभियानह्व के तहत युवाओं और ग्रामीणों को नशे के दुष्परिणामों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि नशीले पदार्थों का व्यापार, भंडारण, परिवहन, बिक्री और सेवन कानूनन अपराध है और इसके लिए कठोर सजा का प्रावधान किया गया है।

उन्होंने कहा कि नशा सीधे मानव मस्तिष्क को प्रभावित करता है और इससे युवाओं का भविष्य बर्बाद हो सकता है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे स्वयं नशे से दूर रहें और अपने आसपास के युवाओं को भी इसके प्रति जागरूक करें।

सतीश कुशार ने बताया कि अभियान के तहत अब तक 1200 से अधिक निराश्रित बच्चों की पहचान की जा चुकी है, जिन्हें विभिन्न योजनाओं से जोड़ने की प्रक्रिया जारी है।

कार्यक्रम में पीएलवी सोनू कुमार ने जिला विधिक सेवा प्राधिकार, रांची द्वारा उपलब्ध कराई जाने वाली मुफ्त कानूनी सहायता और अन्य सुविधाओं की जानकारी दी। वहीं पायल कुमारी और राकेश मिश्रा ने वृद्धा पेंशन, विधवा पेंशन और मईयां सम्मान योजना के लाभ, पात्रता और आवेदन प्रक्रिया के बारे में विस्तार से बताया। अजय कुमार गोप और शंकर साहु ने ग्रामीणों को मध्यस्थता और लोक अदालत की प्रक्रिया समझाते हुए बताया कि लोक अदालत के माध्यम से लोग कम समय और कम खर्च में अपने विवादों का समाधान करा सकते हैं। कार्यक्रम के दौरान 09 मई को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत की जानकारी भी ग्रामीणों को दी गई। इसके साथ ही गांवों में डोर-टू-डोर विधिक जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को उनके अधिकारों और कानूनी सहायता सेवाओं के प्रति जागरूक किया गया।

एक नजर

श्रम कानूनों को लागू करने की मांग को लेकर 14 मई को श्रम कार्यालय का घेराव : भवन सिंह

रांची। रांची नगर निगम के दैनिक कर्मियों और स्वच्छता निगम लिमिटेड के मजदूर 14 मई को डोरंडा स्थित श्रम कार्यालय का घेराव करेंगे। झारखंड नगर निकाय मजदूर यूनियन की ओर से यह प्रदर्शन श्रम कानूनों को लागू कराने और लंबित मांगों के समर्थन में आयोजित किया जा रहा है। यह जानकारी यूनियन के अध्यक्ष भवन सिंह ने शुक्रवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में दी। उन्होंने बताया कि 24 सितंबर 2025 को यूनियन और प्रशासन के बीच हुई वार्ता में अपर आयुक्त संजय कुमार ने मजदूरों की विभिन्न मांगों पर सहमति जताई थी, लेकिन अब तक उन पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। यूनियन की प्रमुख मांगों में मातृत्व अवकाश, वार्षिक अवकाश, आकस्मिक अवकाश सहित अन्य वैधानिक छुट्टियों का लाभ देने के साथ-साथ न्यूनतम वेतन 18 हजार रुपये निर्धारित करना शामिल है। भवन सिंह ने आरोप लगाया कि श्रम विभाग टालमटोल की नीति अपना रहा है और वार्ताओं में विभाग की ओर से प्रतिनिधि भी उपस्थित नहीं हो रहे हैं। इसी के विरोध में श्रम कार्यालय के घेराव का निर्णय लिया गया है। उन्होंने सभी मजदूरों से 14 मई को दोपहर दो बजे तक मेकन गेट, डोरंडा पहुंचने की अपील की है। वहां से तीन बजे जुलूस के रूप में श्रम कार्यालय के लिए रवाना हुआ जाएगा। यूनियन ने एमटीएस और नगर निगम के सभी मजदूरों से बड़ी संख्या में प्रदर्शन में शामिल होने का आह्वान किया है।

विश्व रिकॉर्ड बनाने वाले बाल तैराक इशांक सिंह को रिलेशंस ने किया सम्मानित

रांची। भारत और श्रीलंका के बीच स्थित दुर्गम पाल्क स्ट्रेट को पार कर विश्व रिकॉर्ड स्थापित करने वाले सात वर्षीय प्रतिभाशाली तैराक इशांक सिंह को शुक्रवार को सामाजिक संस्था रिलेशंस की ओर से सम्मानित किया गया। संस्था के निदेशक आशुतोष द्विवेदी ने हवाई नगर स्थित इशांक के आवास पहुंचकर उन्हें सम्मानित किया और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। सम्मान समारोह के दौरान आशुतोष द्विवेदी ने इशांक की ऐतिहासिक उपलब्धि की सराहना करते हुए कहा कि इतनी कम उम्र में समुद्र जैसी कठिन चुनौती को पार करना अद्भुत साहस, अनुशासन और कठिन परिश्रम का परिणाम है। उन्होंने कहा कि इशांक ने अपनी प्रतिभा के बल पर न केवल रांची बल्कि पूरे झारखंड और देश का नाम गौरवान्वित किया है। उन्होंने कहा कि आज के दौर में जहां अधिकांश बच्चे मोबाइल और टीवी की दुनिया में अधिक व्यस्त रहते हैं, वहां इशांक का समर्पण और खेल के प्रति जुनून अन्य बच्चों के लिए बड़ी प्रेरणा है। उनका यह विश्व रिकॉर्ड आने वाली पीढ़ियों को खेल और साहसिक गतिविधियों में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगा। आशुतोष द्विवेदी ने इशांक के माता-पिता की भी प्रशंसा की और कहा कि किसी भी बच्चे की सफलता के पीछे उसके अभिभावकों का त्याग, सहयोग और सही मार्गदर्शन महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि भविष्य में भी इशांक को हरसंभव सहयोग और प्रोत्साहन दिया जाएगा, ताकि वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी भारत का नाम रोशन करते रहें। उल्लेखनीय है कि इशांक सिंह ने 30 अप्रैल 2026 को लगभग 9 घंटे 50 मिनट तक लगातार समुद्र की तेज लहरों से संघर्ष करते हुए भारत और श्रीलंका के बीच स्थित पाल्क स्ट्रेट को सफलतापूर्वक पार कर विश्व रिकॉर्ड बनाया था। उनकी इस उपलब्धि के बाद उन्हें देशभर से लगातार शुभकामनाएं और सम्मान मिल रहे हैं। इस अवसर पर इशांक की माता मनीषा सिन्हा, पिता सुनील कुमार सहित संस्था के कई सदस्य और पदाधिकारी मौजूद रहे।

माता-पिता की सेवा करने वाली संतान को मिलती है जीवन में सुख और समृद्धि : प्रदीप मिश्रा

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

रांची। रांची के सुकुरहुटू फुटबॉल मैदान में श्री शिवाला सेवा समिति के तत्वावधान में आयोजित श्री शिव महापुराण कथा के चौथे दिन शुक्रवार को श्रद्धालुओं को भक्ति, संस्कार एवं जीवन मूल्यों से जुड़े अनेक प्रेरणादायक संदेश प्राप्त हुए। कथा के दौरान व्यासपीठ से पंडित प्रदीप मिश्रा ने कहा कि मंत्र बीज के समान होते हैं। यदि जप में थोड़ी त्रुटि भी हो जाए तो चिंता की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि श्रद्धा और भाव से किया गया मंत्र जाप अपना प्रभाव अवश्य दिखाता है। जैसे भूमि पर गिरा बीज अपने स्वभाव से अंकुरित होता है, वैसे ही मंत्र भी समय आने पर फल प्रदान करता है। व्यासपीठ से माता-पिता की सेवा को सबसे बड़ा धर्म बताते हुए कहा गया कि माता-पिता के चरणों में ही सच्चा तीर्थ निवास करता है जो संतान अपने माता-पिता का सम्मान और सेवा करती है, उसके जीवन में सुख, शांति एवं समृद्धि का आगमन होता है। कथा में यह भी बताया गया कि भगवान शिव को अर्पित शिवलिंग पर चढ़ाए गए जल से किसी भी प्रकार की नजर दोष और नकारात्मक प्रभाव को दूर किया जा सकता है। साथ ही श्रद्धालुओं को अपने पूर्वजों का सम्मान करने एवं घर में पूर्वजों की तस्वीर लगाने की प्रेरणा दी गई। इस अवसर पर शिव महापुराण में वर्णित चंचुला की कथा का भी विस्तार से वर्णन किया गया। कथा में बताया गया कि किस प्रकार पापमय जीवन जीने वाली चंचुला ने शिव महापुराण का श्रवण कर अपने जीवन को परिवर्तित किया और शिवभक्ति के माध्यम से मोक्ष प्राप्त किया। कथा के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि सच्चे पश्चाताप, सत्संग एवं शिवभक्ति से सबसे बड़े पापी का भी उद्धार संभव है। कथा स्थल पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी और पूरा वातावरण शिवमय बना रहा। श्रद्धालुओं ने पूरे भक्तिभाव के साथ कथा श्रवण किया और भगवान शिव के जयकारों से पूरा परिसर गूंज उठा। कथा के बाद श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरण भी किया गया।

भाजपा कार्यकर्ताओं के 'लहू' से सींचा गया है बंगाल का कमल : बाबूलाल

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

रांची। झारखंड विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की राजनीतिक सफलता को लेकर विपक्षी दलों पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि बंगाल में भाजपा की जीत किसी चुनाव आयोग की मेहरबानी या ईवीएम की वजह से नहीं, बल्कि पार्टी कार्यकताओं के संघर्ष, खून-पसीने और बलिदान का परिणाम है। मरांडी ने शुक्रवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक विस्तृत पोस्ट साझा करते हुए कहा कि कुछ लोग अब भी यह मानते हैं कि बंगाल में भाजपा को मिली सफलता चुनाव आयोग का ह्लगिफ्टह्व है। उन्होंने कहा कि जो लोग ईवीएम, केंद्रीय बल या दिल्ली के हस्तक्षेप को भाजपा की सफलता का कारण बताते हैं, वे बंगाल की राजनीतिक परिस्थितियों और वहां कार्यकताओं द्वारा झेले गए संघर्ष को नहीं समझते। उन्होंने लिखा कि बंगाल में कमल, बैलेट बॉक्स से पहले कार्यकर्ताओं के खून से खिला है। मरांडी ने अपने पोस्ट को चार शीर्षकों में विभाजित करते हुए भाजपा के राजनीतिक संघर्ष और कार्यकताओं पर हुए कथित अत्याचारों का विस्तार से उल्लेख किया। अपने पहले शीर्षक में मरांडी ने कहा कि वर्ष 2011 से 2025 तक का भाजपा का सफर किसी सामान्य राजनीतिक यात्रा जैसा नहीं रहा, बल्कि यह एक महायज्ञ था जिसमें कार्यकर्ताओं ने अपने प्राणों की आहुति दी। उन्होंने आरोप लगाया कि बंगाल में लोकतंत्र की बात करने वालों को पेड़ों से लटकाया गया, बम से उड़ाया गया और कई कार्यकताओं के शव क्षत-विक्षत हालत में मिले। उन्होंने नंदीग्राम, बीरभूम, कूचबिहार और बशीरहाट का उल्लेख करते हुए कहा कि केवल भाजपा को वोट देने के कारण गांवों को जलाया गया और लोगों को प्रताड़ित किया गया। मरांडी ने यह भी कहा कि महिलाओं की अस्मिता को राजनीतिक हथियार बनाकर भय का माहौल बनाया गया। उन्होंने दावा किया कि उच्च न्यायालय की फटकार और सीबीआई जांचों के दस्तावेज तृणमूल कांग्रेस के कथित खूनी खेल की गवाही देते हैं। मरांडी ने अपने दूसरे शीर्षक में भाजपा कार्यकताओं के साहस और मनोबल का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि जिन परिवारों ने अपने प्रियजनों को खोया, वे भी संघर्ष से पीछे नहीं हटे। उन्होंने उदाहरण देते हुए लिखा कि जिस बूथ अध्यक्ष का शव सुबह पेड़ पर लटका मिलता है, उसका बेटा उसी दिन पोलिंग एजेंट बनकर बूथ पर खड़ा हो जाता है। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि यह साहस ईवीएम या चुनाव आयोग नहीं देता, बल्कि स्वाभिमान और विचारधारा से पैदा होता है। उन्होंने आरोप लगाया कि वामपंथी शासन के 34 वर्षों और तृणमूल कांग्रेस सरकार के 15 वर्षों में भाजपा कार्यकताओं ने दमन, हिंसा, फर्जी मुकदमे, जेल और सामाजिक बहिष्कार जैसी परिस्थितियों का सामना किया। तीसरे हिस्से में मरांडी ने बंगाल में भाजपा के राजनीतिक विस्तार का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि यह केवल आंकड़ों का खेल नहीं, बल्कि हजारों परिवारों के संघर्ष और माताओं के आंसुओं का इतिहास है। उन्होंने बताया कि 2011 में भाजपा के केवल एक विधायक थे। 2016 में तीन विधायक चुने गए। 2019 के लोकसभा चुनाव में पार्टी ने 18 सीटें जीतीं और 2021 के विधानसभा चुनाव में 77 विधायक जीतकर मुख्य विपक्षी दल बनी। मरांडी ने दावा किया कि 2024 में भारी दमन के बावजूद पार्टी मजबूत बनी रही और 2026 में पूर्ण बहुमत की प्रचंड जीत हासिल की। उन्होंने इसे उन परिवारों और कार्यकताओं की जीत बताया जिन्होंने लगातार संघर्ष किया। अपने अंतिम शीर्षक में मरांडी ने कहा कि जो लोग भाजपा की सफलता को ह्लचुनाव आयोग की सेटिंगह्व बताते हैं, वे उन कार्यकताओं और परिवारों का अपमान कर रहे हैं जिन्होंने राजनीतिक संघर्ष में अपने प्रियजनों को खोया है। उन्होंने कहा कि बंगाल में भाजपा की राजनीतिक सफलता के पीछे वर्षों का संघर्ष, खून-पसीना और कार्यकताओं की शहादत जुड़ी हुई है। मरांडी ने लिखा कि बंगाल में सत्ता किसी मशीन ने नहीं दी है। यहां हर वोट के पीछे एक शहादत छिपी है। उन्होंने इसे बंगाल के आत्मसम्मान, लोकतंत्र और भाजपा कार्यकताओं के बलिदान की जीत बताया।

झारखंड के पांच जिलों में बारिश, ओलावृष्टि और वज्रपात का ऑरेंज अलर्ट जारी

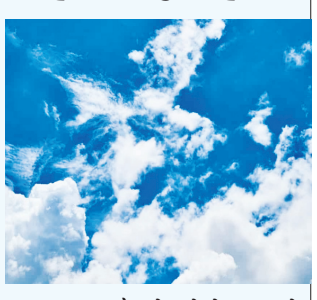

रांची। झारखंड के पांच जिलों में शनिवार को तेज बारिश, ओलावृष्टि और वज्रपात की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग ने इसे लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। विभाग के अनुसार कई क्षेत्रों में 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं भी चल सकती हैं। राज्य के मध्यवर्ती जिलों रांची, खूंटी, रामगढ़, हजारीबाग और बोकारो में बारिश के साथ ओलावृष्टि और वज्रपात होने की संभावना है। विभाग ने शुक्रवार को भी राज्य के उत्तर-पूर्वी और मध्यवर्ती जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया था। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में सबसे अधिक 43.8 मिलीमीटर बारिश हजारीबाग जिले के कोनार डीवीसी क्षेत्र में रिकॉर्ड की गई। इसके अलावा राज्य के कई अन्य इलाकों में भी मध्यम दर्जे की वर्षा दर्ज की गई। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार, इस दौरान राज्य में सबसे अधिक तापमान डाल्टनगंज में 37.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान रांची के काके क्षेत्र में 15.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ। शुक्रवार को रांची और आसपास के इलाकों में सुबह से मौसम साफ रहा, हालांकि बीच-बीच में आंशिक बादल छाए रहे। मौसम साफ होने के कारण दोपहर के समय लोगों को गर्मी और उमस का सामना करना पड़ा। तापमान की बात करें तो शुक्रवार को रांची में अधिकतम तापमान 32.6 डिग्री और न्यूनतम 19.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं जमशेदपुर में अधिकतम 35.1 डिग्री और न्यूनतम 21.8 डिग्री, डाल्टनगंज में अधिकतम 37.7 डिग्री और न्यूनतम 23 डिग्री, बोकारो में अधिकतम 30.1 डिग्री और न्यूनतम 19.5 डिग्री तथा चाईबासा में अधिकतम तापमान 36.2 डिग्री और न्यूनतम 20.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

झारखंड को मत्स्य उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाना लक्ष्य : शिल्पी तिर्की

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

रांची। कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने शुक्रवार को रातू स्थित अत्याधुनिक मत्स्य परियोजना का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि झारखंड को मत्स्य उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाना ही एकमात्र लक्ष्य है। इसके लिए सरकार धरातल पर काम कर रही है। मंत्री ने कहा कि झारखंड में मत्स्य उद्योग के विकास की अपार संभावनाएं हैं। राज्य सरकार का लक्ष्य मत्स्य उत्पादन में आत्मनिर्भरता हासिल करना है। सरकार किसानों और युवाओं के लिए ऐसा इकोसिस्टम विकसित कर रही है, जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार और स्वरोजगार के अवसर बढ़ें। शिल्पी तिर्की ने कहा कि तकनीक आधारित मत्स्य परियोजनाएं उत्पादन क्षमता बढ़ाने के साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूत करेंगी। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने इस वर्ष के बजट में बायोफ्लॉक तालाब योजना और फिश मार्केट शेड योजना को शामिल किया है, ताकि उत्पादन के साथ विपणन व्यवस्था भी सशक्त हो सके। मंत्री ने बताया कि वर्ष 2025-26 में राज्य का मत्स्य उत्पादन लगभग 3.81 लाख मीट्रिक टन तक पहुंच चुका है। वहीं मत्स्य बीज उत्पादन में भी उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। उन्होंने कहा कि चांडिल, मैथन, तेनुघाट, कोनार, मसानजोर और तिलैया जलाशयों में केज कल्चर के माध्यम से उत्पादन बढ़ रहा है। इस मौके पर मंत्री ने युवा उद्यमियों की ओर से संचालित किंग फिशरीज के एकीकृत मत्स्य मॉडल, बायोफ्लॉक टैंक, हैचरी, फीड प्लांट एवं आधुनिक तकनीकों का अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान निदेशक मत्स्य अमरेंद्र कुमार सहित विभाग के कई अधिकारी मौजूद थे।

ऑक्सब्रिज स्कूल में छात्र परिषद शपथ ग्रहण समारोह

मांडर। प्रखंड स्थित शुक्रवार को ऑक्सब्रिज स्कूल मांडर में सत्र 2026-27 के लिए नव निर्वाचित छात्र परिषद का शपथ ग्रहण समारोह अत्यंत उत्साह और गरिमा के साथ आयोजित किया गया। चुनावी प्रक्रिया में विद्यालय के सभी विद्यार्थी एवं शिक्षकवृंद ने भाग लिया। सभी ने अपना मतदान कर विद्यालय के हेड बाय, हेड गर्ल, वाइस हेड बाय, वाइस हेड गर्ल, हाउस कैप्टन और प्रीफेक्टस का चयन किया। समारोह की शुरूआत नव-निर्वाचित छात्र प्रतिनिधियों की परेड से हुई जिसके बाद विद्यालय की प्राचार्या इवोन ई एक्का द्वारा उन्हें बैच और सैश पहनाकर सम्मानित किया गया। तत्पश्चात सभी छात्र प्रतिनिधियों ने ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा और विद्यालय के मूल्यों का पालन करने की शपथ ली तथा जिम्मेदारी को एक अवसर के रूप में स्वीकार करते हुए विद्यालय की गरिमा बनाए रखने और सकारात्मक बदलाव लाने का संकल्प लिया। इस विशेष अवसर पर विद्यालय के समस्त विद्यार्थी एवं शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

झारखंड उत्पाद सिपाही भर्ती परीक्षा पेपर लीक मामले में 168 आरोपितों को जमानत

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

रांची। झारखंड में हुए उत्पाद सिपाही भर्ती परीक्षा पेपर लीक मामले में गिरफ्तार 168 आरोपितों को शुक्रवार को राहत मिल गई। रांची स्थित अपर न्यायायुक्त योगेश की अदालत ने सभी आरोपितों को 20-20 हजार रुपये के दो-दो निजी मुचलकों पर जमानत दे दी। इससे पहले बुधवार को सुनवाई पूरी होने के बाद अदालत ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

दरएसल, इसी वर्ष 11 अप्रैल को उत्पाद सिपाही भर्ती परीक्षा में पेपर लीक के आरोप में 168 लोगों को गिरफ्तार किया गया था। इनमें अधिकांश परीक्षार्थी शामिल थे। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने सभी आरोपितों को अदालत में पेश कर जेल भेज दिया था।

पुलिस को सूचना मिली थी कि तमाड़ थाना क्षेत्र के रड़गांव में एक अर्धनिर्मित भवन में बड़ी संख्या में लोग जमा हैं। सूचना के आधार पर विशेष छापेमारी दल ने 11 अप्रैल की देर रात वहां छापा मारा। पुलिस टीम को देखते ही मौके पर मौजूद लोग भागने लगे, लेकिन कार्रवाई के दौरान पुलिस ने 168 लोगों को गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार आरोपितों में अंतरराज्यीय पेपर लीक और पेपर सॉल्व कराने वाले गिरोह के पांच कथित सरगना अतुल वत्स, विकास कुमार, शेर सिंह, आशीष कुमार और योगेश प्रसाद भी शामिल हैं। इसके अलावा सात महिला आरोपितों को भी गिरफ्तार किया गया था।

पुलिस जांच में सामने आया कि गिरोह के एजेंटों ने अभ्यर्थियों को तमाड़ के रड़गांव में ठहराया था, जहां उन्हें प्रश्नों के उत्तर रटाए जा रहे थे। गिरोह ने अभ्यर्थियों के मोबाइल फोन और एडमिट कार्ड अपने कब्जे में रख लिए थे। बताया गया कि अभ्यर्थियों से नौकरी दिलाने के नाम पर 10-10 लाख रुपये में सौदा किया गया था। कुछ अभ्यर्थियों ने गिरोह के सदस्यों के नाम पर बैंक चेक भी दिए थे। इस मामले में तमाड़ थाना में कांड संख्या 21/2026 दर्ज की गई थी। प्राथमिकी में 152 पुरुष अभ्यर्थी, सात महिला अभ्यर्थी, पांच गैंग सरगना समेत अन्य लोगों को आरोपित बनाया गया है। सभी गिरफ्तार आरोपितों को 13 अप्रैल को अदालत में पेश किया गया था, जिसके बाद उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया था।

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
BUILDING CONSTRUCTION DEPARTMENT
BUILDING DIVISION NO. -02. RANCHI

NOTICE INVITING QUOTATION NO-3/2026-27

Sealed quotations are invited for the work -

S.No.	Name of Work	Cost of BOQ	Time of Completion
1	Construction of half dome on both side of the terrace of the Court No.-1 (Hon'ble Chief Justice Court) at High Court of Jharkhand, Dhurwa, Ranchi	10000.00	2 Months

by the Executive Engineer, Building Construction Department, Building Division No.-02, Ranchi sell of quotation paper will be on 22-05-2026 upto 1.00 pm, quotation paper received on dated-23-05-2026 at 3.00 p.m and will be opened on 23-05-2026 at 3.30 pm at B.C.D. Division No.-02, Ranchi by Executive Engineer or his authorized representative in the presence of Quotationers or their authorized representative, whosoever desire may remain present at the time of opening. Cost of Bid for work in shape of Demand draft (non refundable) on any State Bank Payable at SBI Main Branch, Ranchi (Code-0167) /any Schedule Bank, Payable at Ranchi in favour of The Executive Engineer, Building Construction Department, Building Division No.-02, Ranchi.

The quotation should be accompanied with (1) Initial security deposit which will be *2%* of the quoted amount in shape of Bank Guarantee or 5 Years/3 Years Post Office Term Deposit or N.S.C. (8th issue) /fixed deposits of a scheduled Bank duly pledged in favour of Executive Engineer, Building Division No.-02, Ranchi. (2) Updated Income Tax Return and GST Return (3) PAN Card.

In the case of Gazetted holiday the quotation will be received/opened on the next working day. Duration of this work is One Year.

Executive Engineer
Building Construction Department
Building Division No-02, Ranchi.

PR.NO.379283 Building(26-27):D

उपायुक्त की अध्यक्षता में नीलाम पत्र वादों की समीक्षा बैठक आयोजित

उज्जवल दुनिया संवाददाता

हजारीबाग। उपायुक्त हेमन्त सती की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में नीलाम पत्र वादों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान जिले के विभिन्न विभागों में लंबित नीलाम पत्र वादों की अद्यतन स्थिति की विस्तृत समीक्षा की गई। उपायुक्त ने सभी संबंधित विभागों से लंबित मामलों की जानकारी प्राप्त करते हुए निर्देश दिया कि पुराने लंबित नीलाम पत्र वादों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र समाप्त किया जाए। उन्होंने कहा कि लंबित मामलों के निष्पादन कार्य में तेजी लाएं। वर्तमान में संचालित नीलाम पत्र वादों के संदर्भ में उपायुक्त ने संबंधित पक्षों पर विधिवत नोटिस का तामिला सुनिश्चित करने का निर्देश दिया, ताकि वादों का निष्पादन समयबद्ध तरीके से किया जा सके। साथ ही उन्होंने रजिस्टर 9 एवं रजिस्टर 10 का मिलान कर सभी वादों के निष्पादन में पारदर्शिता एवं सटीकता बनाए रखने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने नीलाम पत्र पदाधिकारी को निर्देशित किया कि नोटिस तामिला की प्रक्रिया को तेज करते हुए आवश्यकतानुसार चौकीदारों के माध्यम से नोटिस भेजने की कार्रवाई तत्काल प्रारंभ की जाए। बैठक में संबंधित विभागों के पदाधिकारी उपस्थित थे।

केरेडारी प्रखण्ड सभागार में तीन दिवसीय जनगणना प्रशिक्षण सम्पन्न

उज्जवल दुनिया संवाददाता

केरेडारी। केरेडारी प्रखण्ड सभागार में शुक्रवार को तीन दिवसीय जनगणना प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलता पूर्वक सम्पन्न हो गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रखण्ड क्षेत्र के विभिन्न विभागों से जुड़े कर्मियों एवं जनगणना कार्य में प्रतिनियुक्त कर्मचारियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण का उद्देश्य जनगणना कार्य को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं त्रुटिरहित तरीके से सम्पन्न कराना था। प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षक के रूप में शिवचरण साहू एवं अजय कुमार गुप्ता ने उपस्थित कर्मियों को जनगणना से संबंधित विभिन्न बिंदुओं की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जनगणना देश की महत्वपूर्ण प्रशासनिक प्रक्रिया

है, जिसके आधार पर सरकार विभिन्न योजनाओं का निर्माण करती है। इसलिए प्रत्येक कर्मी को पूरी जिम्मेदारी एवं गंभीरता के साथ अपने कार्यों का निर्वहन करना होगा। प्रशिक्षकों ने जनगणना प्रपत्र भरने की प्रक्रिया, परिवारों का विवरण संकलन, मोबाइल एप एवं डिजिटल माध्यमों के उपयोग, आंकड़ों की शुद्धता बनाए रखने तथा घर-घर जाकर जानकारी एकत्र करने के तरीकों पर विस्तार से प्रकाश डाला। प्रशिक्षण के दौरान कर्मियों को व्यावहारिक जानकारी भी दी गई ताकि फील्ड में किसी प्रकार की परेशानी न हो।इस दौरान अधिकारियों ने कहा कि जनगणना कार्य में छोटी सी गलती भी भविष्य की योजनाओं को प्रभावित कर सकती है। इसलिए सभी कर्मियों को सावधानीपूर्वक कार्य करने का निर्देश दिया गया। प्रशिक्षण में उपस्थित कर्मियों ने भी अपनी जिज्ञासाएं रखीं, जिनका समाधान प्रशिक्षकों द्वारा किया गया।कार्यक्रम के समापन अवसर पर जनगणना कार्य को सफल बनाने के लिए सभी कर्मियों से सहयोग की अपील की गई। मौके पर प्रखण्ड कार्यालय के अधिकारी, कर्मचारी एवं जनगणना कार्य से जुड़े कई कर्मी उपस्थित थे।

हजारीबाग डेंटल कॉलेज के छात्रों ने आगरा में आयोजित 'एंडो-रेस्टो कॉन्क्लेव में लहराया परचम

हजारीबाग। हजारीबाग कॉलेज ऑफ डेंटल साइंसेज एंड हॉस्पिटल के डिपार्टमेंट ऑफ कंजर्वेटिव डेंटिस्ट्री एंड एंडोडॉन्टिक्स की पीजी छात्रा डॉ. तारा एलिजाबेथ जास ने आगरा में आयोजित 'एंडो-रेस्टो कॉन्क्लेव 2026' में पेपर प्रेजेंटेशन प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार प्राप्त कर संस्थान एवं हजारीबाग का नाम गौरवान्वित किया। कार्यक्रम आगरा स्थित होटल हॉलिडे इन में एंडोडॉन्टिक एक्सीलेंस फाउंडेशन द्वारा आयोजित किया गया। जिसमें देशभर के दंत चिकित्सकों एवं पीजी विद्यार्थियों ने भाग लिया। इसके साथ ही हजारीबाग डेंटल कॉलेज के डिपार्टमेंट ऑफ कंजर्वेटिव डेंटिस्ट्री एंड एंडोडॉन्टिक्स की पीजी छात्रा डॉ. त्रिशा मंडल को पोस्टर प्रेजेंटेशन प्रतियोगिता में तृतीय पुरस्कार प्राप्त हुआ। दोनों प्रतिभागियों की इस उपलब्धि पर कॉलेज प्रबंधन, शिक्षकों एवं सहपाठियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी। मौके पर हजारीबाग डेंटल कॉलेज के सचिव डॉ. प्रवीण श्रीनिवास ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि यह उपलब्धि संस्थान के लिए अत्यंत गर्व का विषय है। हमारे छात्र-छात्राएं अपनी प्रतिभा और ज्ञान का उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। कॉलेज की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं बेहतर अकादमिक वातावरण को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि डॉ. तारा

हजारीबाग पुलिस को अपराध नियंत्रण के लिए मिली 42 नई मोटरसाइकिलें

हजारीबाग। जिले में अपराध नियंत्रण, विधि व्यवस्था बनाए रखने और नशा माफियाओं के विरुद्ध कार्रवाई को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए हजारीबाग पुलिस के बेड़े में नई मोटरसाइकिलें शामिल की गई हैं। झारखंड सरकार द्वारा पुलिस मुख्यालय के माध्यम से हजारीबाग जिले को कुल 42 नई मोटरसाइकिलें उपलब्ध कराई गई हैं। पुलिस अधीक्षक अमन कुमार ने इन मोटरसाइकिलों को हरी झंडी दिखाकर विभिन्न थानों के लिए रवाना किया। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि इससे पूर्व भी पुलिस मुख्यालय द्वारा 50 नई मोटरसाइकिलें हजारीबाग जिले को प्राप्त हुई थीं। इन सभी वाहनों को शहर के साथ-साथ ग्रामीण थानों में भी तैनात किया जा रहा है।

बराय में जमीन घोटाले की बू:, गैरमजरुआ खास भूमि को बना दिया रैयती, मामला जांच के घेरे में

भास्कर दुबे/उज्जवल दुनिया संवाददाता

विष्णुगढ़। विष्णुगढ़ अंचल क्षेत्र के बराय मौजा में भूमि हेराफेरी का एक बेहद गंभीर मामला सामने आया है, जिसने राजस्व व्यवस्था और भू-अभिलेखों की विश्वसनीयता पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं। आरोप है कि गैरमजरूआ खास श्रेणी की भूमि को संदिग्ध तरीके से रैयती में परिवर्तित कर उसकी रजिस्ट्री कर दी गई। मामला उजागर होने के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया है और अब पूरे प्रकरण की जांच शुरू कर दी गई है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार बराय मौजा के प्लॉट संख्या 2086 की लगभग एक एकड़ भूमि हाल ही में बेची गई है। झार भूमि अभिलेख और मौजा नक्शे में यह भूमि ह्लगैरमजरूआ खास (किस्म जंगल)ह्व दर्ज बताई जाती है, जबकि वर्तमान में पंजी-क्कमें यह भूमि खाता संख्या 142 के तहत एक व्यक्ति के नाम रैयती के रूप में दर्ज दिखाई दे रही है। यही विरोधाभास अब पूरे मामले

को संदेह के घेरे में ला रहा है। सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि यदि भूमि मूल रूप से सरकारी प्रकृति की गैरमजरूआ खास थी, तो आखिर उसे रैयती भूमि में किस आधार पर बदला गया? क्या अभिलेखों में छेड़छाड़ की गई? यदि हाँ, तो इसमें किन लोगों की भूमिका रही? इन सवालों ने राजस्व विभाग की कार्यप्रणाली पर भी गंभीर प्रश्नचिह्न लगा दिए हैं।बताया जा रहा है कि बराय मौजा में एनएच-19 सिक्स लेन बाईपास निर्माण के बाद सड़क किनारे की जमीनों की कीमतों में अचानक भारी उछाल आया। इसके बाद से इलाके में भूमि खरीद-बिक्री और कागजातों में हेराफेरी की गतिविधियां तेज हो गईं। आरोप है कि इसी बढ़ती कीमत का फायदा उठाकर सरकारी प्रकृति की जमीनों को फर्जी तरीके से निजी संपत्ति में बदलने का खेल खेला गया। चौंकाने वाली बात यह भी सामने आ रही है कि जिस व्यक्ति के नाम पर उक्त भूमि दर्ज है, उसके नाम पर बराय मौजा में बड़े पैमाने पर जमाबंदी कायम है। ऐसे में आशंका जताई जा रही है कि यह मामला केवल एक प्लॉट तक सीमित नहीं हो सकता, बल्कि इसके तार व्यापक भूमि घोटाले से भी जुड़ सकते हैं। मामला विष्णुगढ़ अंचल अधिकारी नित्यानंद दास के संज्ञान में आने के बाद प्रशासन हरकत में आया है। अंचल अधिकारी द्वारा संबंधित भूमि का रिकॉर्ड खोलकर जांच प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

एनडीए गठबंधन क्रिकेट टूनार्मेंट का विजेता बना टंडवा उपविजेता केरेडारी

उज्जवल दुनिया संवाददाता

केरेडारी। भाजपा-आजसू पार्टी प्रखंड कमेटी द्वारा केरेडारी कृषि फार्म मैदान में आयोजित एनडीए कप क्रिकेट टूनार्मेंट का फाइनल मैच गुरुवार को खेला गया! फाइनल मैच फाइटर किंग इलेवन केरेडारी बनाम टंडवा टाइगर के बीच हुआ। जिसमें पहले बल्लेबाजी करते हुए टंडवा टाइगर ग्रुप ने 6 विकेट पर 95 रन बनाएं। लक्ष्य का पीछा करने उतरी फाइटर किंग इलेवन केरेडारी ने 12 ओवर में 8 विकेट पर मात्र 80 रन बना पाया! इस तरह टंडवा टीम ने 15 रनों से केरेडारी टीम को मैच में शिकस्त दे दिया। कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य अतिथि बड़कागांव विधायक रौशन लाल चौधरी, मांडू विधायक तिवारी महतो, प्रमुख सुनीता देवी, जिप सदस्य अनीता सिंह ने मैच में विजेता और उपविजेता टीम को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया! ट्रॉफी में टंडवा टाइगर ग्रुप को 21 हजार रुपया,

उप विजेता टीम फाइटर किंग इलेवन केरेडारी को 11 हजार व तृतीय स्थान में रहे टिम को 5 हजार रुपए का नगद पुरस्कार, ट्रॉफी व मेडल दे कर सम्मानित किया गया।ज्ञात हो कि इस क्रिकेट टूनार्मेंट में कुल 24 टीम भाग लिए थे। कार्यक्रम के दौरान विधायक रौशन लाल चौधरी व मांडू विधायक तिवारी महतो ने खिलाड़ियों के साथ परिचय प्राप्त किया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बड़कागांव विधायक रौशन लाल चौधरी, मांडू विधायक तिवारी महतो ने खिलाड़ियों को हौसला बढ़ाया। जिप सदस्य अनीता सिंह, प्रमुख सुनीता देवी ने खिलाड़ियों के प्रतिभा का सराहना किया। मौके पर जिला परिषद सदस्य अनीता सिंह, भाजपा जिला उपाध्यक्ष उपेंद्र सिंह, जिला अध्यक्ष परमेश्वर महतो,बाल गोबिंद सोनी,सुनील सिंह,आजसु प्रखण्ड पंकज साहा, कंचन यादव,तापेश्वर साहू,कासिम मियां, कर्मचारी साव,लीलाधन साव,मोहन कुमार,प्रीतम साव समेत अन्य लोग मौजूद थे।

सांसद तीर्थ दर्शन महाअभियान का 60वां जत्था रवाना

बरसोत पंचायत से 65 श्रद्धालु तीर्थ यात्रा पर निकले, सांसद मनीष जायसवाल ने पांव पखार कर लिया आशीर्वाद

उज्जवल दुनिया संवाददाता

हजारीबाग। हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के बुजुर्ग श्रद्धालुओं के लिए चलाए जा रहे सांसद तीर्थ दर्शन महाअभियान के तहत 60वां जत्था गुरुवार की देर शाम को बरही विधानसभा क्षेत्र के बरही पूर्वी मंडल अंतर्गत बरसोत पंचायत से रवाना किया गया। हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल ने श्रद्धालुओं को हरी झंडी दिखाकर यात्रा के लिए विदा किया। इस अवसर पर कुल 65 श्रद्धालु भक्ति और उत्साह के साथ तीर्थ यात्रा पर निकले।विदाई के दौरान पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा। श्रद्धालुओं के चेहरों पर आस्था, उत्साह और भावनाओं की झलक साफ दिखाई दे रही थी। सांसद मनीष जायसवाल ने वृद्ध महिला एवं पुरुष श्रद्धालुओं का पांव पखार कर उनका आशीर्वाद लिया और उनके सुखद एवं मंगलमय यात्रा की कामना की। इस भावुक पल ने उपस्थित लोगों को

भावविभोर कर दिया। इस मौके पर सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि सांसद तीर्थ दर्शन महाअभियान का उद्देश्य समाज के उन बुजुर्गों को तीर्थ स्थलों के दर्शन कराना है, जो आर्थिक या अन्य कारणों से अपने जीवन में धार्मिक यात्रा नहीं कर पाते हैं। उन्होंने कहा कि बुजुर्गों की सेवा और उनके चेहरे पर खुशी लाना सबसे बड़ा सौभाग्य है। यह अभियान लगातार जनआस्था और सेवा का माध्यम बनता जा रहा है। उन्होंने कहा कि अब तक 59 जत्थे सफलतापूर्वक विभिन्न पवित्र स्थलों का दर्शन कर चुके हैं और यह अभियान निरंतर जारी रहेगा। सांसद ने श्रद्धालुओं से यात्रा के दौरान स्वास्थ्य और सुरक्षा का विशेष ध्यान रखने की अपील भी की। इस अवसर पर जिला परिषद उपाध्यक्ष किशुन यादव, हजारीबाग लोकसभा सांसद प्रतिनिधि अजय साव, बरही विधानसभा सांसद प्रतिनिधि मुकुंद साव, विधायक प्रतिनिधि रमेश ठाकुर, सांसद प्रतिनिधि रंजीत चंद्रवंशी, जिला परिषद प्रतिनिधि गुरुदेव गुप्ता, मुखिया संघ अध्यक्ष सह मंडल अध्यक्ष विजय यादव, स्थानीय मुखिया सह मंडल सांसद प्रतिनिधि मोतीलाल चौधरी, भगवान केशरी, मंडल अध्यक्ष नागेश्वर रजक, आकाश जायसवाल, सुजीत कुमार, दामोदर महतो, रामचन्द्र टुडू, रामचन्द्र कुशवाहा, महादेव महतो, इंद्रदेव रजवार, अजय रामराज, संगीता देवी, सुमित्रा देवी, प्रदीप कुशवाहा सहित पार्टी पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं समाजसेवी उपस्थित थे। सभी ने श्रद्धालुओं को शुभकामनाएँ देते हुए उनकी सफल और मंगलमय यात्रा की कामना की।

एक नजर

धनवार में फरार आरोपी के घर पुलिस ने चिपकाया इश्तिहार

बरही। बरही थाना कांड संख्या 446/25 के प्राथमिकी आरोपी इरफान अंसारी के घर पुलिस द्वारा न्यायालय के आदेश पर इश्तिहार चिपकाया गया। आरोपी इरफान अंसारी पिता हारून मियां, ग्राम धनवार, थाना बरही, जिला हजारीबाग का निवासी बताया गया है। इस संबंध में पुलिस अवर निरीक्षक कपुल दीपक नाग के नेतृत्व में पुलिस टीम ने अभियुक्त के घर पहुंचकर विधि सम्मत तरीके से इश्तिहार चिपकाने की कार्रवाई की। इस दौरान आसपास के लोगों को भी न्यायालय के आदेश एवं अभियुक्त की उपस्थिति सुनिश्चित कराने को लेकर जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि न्यायालय के निर्देश के आलोक में यह कार्रवाई की गई है। यदि अभियुक्त निर्धारित समय के भीतर न्यायालय अथवा पुलिस के समक्ष उपस्थित नहीं होता है तो आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

भाई-बहन के रिश्ते को शर्मसार करने वाला मामला, आरोपी भाई 4 घंटे में गिरफ्तार

बड़कागांव। बड़कागांव थाना क्षेत्र से भाई-बहन के पवित्र रिश्ते को शर्मसार करने वाला एक बेहद सनसनीखेज मामला सामने आया है। अपने ही सगे भाई पर बड़ी बहन के साथ दुष्कर्म करने का गंभीर आरोप लगा है। मामले की जानकारी मिलते ही बड़कागांव पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को महज चार घंटे के भीतर गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।प्राप्त जानकारी के अनुसार बड़कागांव थाना क्षेत्र के चंदौल गांव निवासी 23 वर्षीय विवाहिता रेशमी कुमारी ने बड़कागांव थाना में आवेदन देकर अपने सगे छोटे भाई अर्जुन कुमार पर दुष्कर्म करने का आरोप लगाया। पीड़िता ने बताया कि 7 मई 2026 की रात करीब 11 बजे वह अपने बच्चे के साथ घर में सो रही थी। इसी दौरान उसका भाई अर्जुन कुमार मौके का फायदा उठाकर उसके साथ गलत काम करने लगा। विरोध करने के बावजूद आरोपी अपनी हरकत से बाज नहीं आया।घटना की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल कार्रवाई में जुट गए। पीड़िता के आवेदन के आधार पर बड़कागांव थाना कांड संख्या 77/26 के तहत बीएनएस की धारा 64 में मामला दर्ज किया गया। इसके बाद पुलिस ने त्वरित छापेमारी करते हुए हजारीबाग की ओर भाग रहे आरोपी अर्जुन कुमार को टीपी-5 के समीप से गिरफ्तार कर लिया।पुलिस ने आवश्यक कागजी प्रक्रिया पूरी करने के बाद आरोपी को न्यायिक हिरासत में हजारीबाग जेल भेज दिया। वहीं पीड़िता का मेडिकल परीक्षण कराने के बाद उसे उसके निवास स्थान चंदौल भेज दिया गया।इस संबंध में थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह ने बताया कि पीड़िता ने कुछ वर्ष पूर्व प्रेम विवाह किया था। माता-पिता के निधन के बाद वह अपने छोटे भाई अर्जुन कुमार को अपने ससुराल चंदौल में ही रख रही थी। आरोपी अर्जुन कुमार बड़कागांव थाना क्षेत्र के कांडतरी गांव का निवासी है। घटना के बाद पूरे इलाके में चर्चा का माहौल है। लोगों ने पुलिस की त्वरित कार्रवाई की सराहना करते हुए कहा कि संवेदनशील मामलों में इस तरह की तत्परता समाज में कानून के प्रति विश्वास को मजबूत करती है।

एनडीए गठबंधन क्रिकेट टूनार्मेंट का विजेता बना टंडवा उपविजेता केरेडारी

केरेडारी। भाजपा-आजसू पार्टी प्रखंड कमेटी द्वारा केरेडारी कृषि फार्म मैदान में आयोजित एनडीए कप क्रिकेट टूनार्मेंट का फाइनल मैच गुरुवार को खेला गया! फाइनल मैच फाइटर किंग इलेवन केरेडारी बनाम टंडवा टाइगर के बीच हुआ। जिसमें पहले बल्लेबाजी करते हुए टंडवा टाइगर ग्रुप ने 6 विकेट पर 95 रन बनाएं। लक्ष्य का पीछा करने उतरी फाइटर किंग इलेवन केरेडारी ने 12 ओवर में 8 विकेट पर मात्र 80 रन बना पाया! इस तरह टंडवा टीम ने 15 रनों से केरेडारी टीम को मैच में शिकस्त दे दिया। कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य अतिथि बड़कागांव विधायक रौशन लाल चौधरी, मांडू विधायक तिवारी महतो, प्रमुख सुनीता देवी, जिप सदस्य अनीता सिंह ने मैच में विजेता और उपविजेता टीम को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया! ट्रॉफी में टंडवा टाइगर ग्रुप को 21 हजार रुपया, उप विजेता टीम फाइटर किंग इलेवन केरेडारी को 11 हजार व तृतीय स्थान में रहे टिम को 5 हजार रुपए का नगद पुरस्कार, ट्रॉफी व मेडल दे कर सम्मानित किया गया।ज्ञात हो कि इस क्रिकेट टूनार्मेंट में कुल 24 टीम भाग लिए थे। कार्यक्रम के दौरान विधायक रौशन लाल चौधरी व मांडू विधायक तिवारी महतो ने खिलाड़ियों के साथ परिचय प्राप्त किया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बड़कागांव विधायक रौशन लाल चौधरी, मांडू विधायक तिवारी महतो ने खिलाड़ियों को हौसला बढ़ाया। जिप सदस्य अनीता सिंह, प्रमुख सुनीता देवी ने खिलाड़ियों के प्रतिभा का सराहना किया। मौके पर जिला परिषद सदस्य अनीता सिंह, भाजपा जिला उपाध्यक्ष उपेंद्र सिंह, जिला अध्यक्ष परमेश्वर महतो,बाल गोबिंद सोनी,सुनील सिंह,आजसु प्रखण्ड पंकज साहा, कंचन यादव,तापेश्वर साहू,कासिम मियां, कर्मचारी साव,लीलाधन साव,मोहन कुमार,प्रीतम साव समेत अन्य लोग मौजूद थे।

बुढ़वा महादेव मंदिर का जल संकट दूर, उपप्रमुख की त्वरित पहल रंग लाई

बड़कागांव। बड़कागांव प्रखंड अंतर्गत महुदी पहाड़ स्थित प्रसिद्ध बुढ़वा महादेव मंदिर में पिछले एक माह से चल रहे जल संकट का समाधान आखिरकार हो गया। प्रखंड उपप्रमुख बचनदेव कुमार की त्वरित पहल और लगातार मॉनिटरिंग के कारण महज 8 घंटे के भीतर मंदिर परिसर में पेयजल व्यवस्था बहाल कर दी गई।प्राकृतिक सौंदर्य और धार्मिक आस्था के केंद्र बुढ़वा महादेव मंदिर में दूर-दराज से श्रद्धालु पूजा-अर्चना एवं शांति की तलाश में पहुंचते हैं। लेकिन जल स्रोत सूख जाने और तकनीकी खराबी के कारण मंदिर परिसर में भीषण जल संकट उत्पन्न हो गया था। गर्मी के मौसम में श्रद्धालुओं, पुजारियों तथा आसपास के पशु-पक्षियों को भी पानी के लिए परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था।समस्या की जानकारी मिलते ही उपप्रमुख बचनदेव कुमार सक्रिय हुए और ढलएऊ विभाग के पदाधिकारियों व तकनीकी टीम से समन्वय स्थापित कर तत्काल समाधान का निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि धार्मिक स्थल पर श्रद्धालुओं को पानी की समस्या नहीं होनी चाहिए। विभाग को 24 घंटे के भीतर समस्या समाधान का निर्देश दिया गया, जिसे महज 8 घंटे में पूरा कर लिया गया। जलापूर्ति शुरू होते ही मंदिर परिसर में खुशी का माहौल बन गया। मंदिर के पुजारी एवं स्थानीय ग्रामीणों ने उपप्रमुख की कार्यशैली की सराहना करते हुए कहा कि सोशल मीडिया के माध्यम से उठाई गई समस्या का इतनी तेजी से समाधान होना जनप्रतिनिधियों की संवेदनशीलता को दर्शाता है।

गिट्टी लदे ट्रैक्टर ने बाइक को लिया चपेट में, महिला समेत तीन गंभीर रूप से घायल

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता बरही। बरही के बैजलाडीह में अवैध गिट्टी लदे ट्रैक्टर की चपेट में आने से एक ही परिवार के तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद ट्रैक्टर चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया।

कृषि, भूमि संरक्षण, पशुपालन, गव्य, उद्यान एवं मत्स्य विभाग की समीक्षा बैठक

हजारीबाग। उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में गुरुवार 7 मई को समाहरणालय सभागार में कृषि, भूमि संरक्षण, पशुपालन, गव्य, उद्यान एवं मत्स्य विभाग से संबंधित योजनाओं की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपायुक्त ने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने का निर्देश देते हुए वित्तीय वर्ष 2025-26 के तहत संचालित योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की।

कृषि विभाग की समीक्षा

कृषि विभाग की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने बिरसा फसल विस्तार योजना के तहत गेहूं एवं सरसों बीज वितरण की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने ब्लॉकचेन तकनीक के माध्यम से किसानों के पंजीकरण की स्थिति की समीक्षा करते हुए निर्देश दिया कि जिन क्षेत्रों में बीज वितरण नहीं हुआ है, वहां किसानों को शीघ्र जोड़ते हुए शत-प्रतिशत वितरण सुनिश्चित किया जाए। इस कार्य में एटीएम एवं बीटीएम को सक्रिय रूप से संलग्न करने का निर्देश दिया गया। साथ ही, बिरसा बीज विनिमय योजना 2025-26 के अंतर्गत पंजीकृत पैक्स की जानकारी लेते हुए सभी संबंधित पैक्स को क्रियाशील बनाए रखने एवं बीज वितरण सुनिश्चित करने को कहा। मृदा जांच एवं सॉयल हेल्थ कार्ड वितरण में तेजी लाने, डीएलसीसी बैठक आयोजित करने, एग्री क्लिनिक एवं कृषक पाठशाला के संचालन की भी समीक्षा की गई।

भूमि संरक्षण विभाग की समीक्षा

उपायुक्त ने वर्ष 2025-26 में निर्मित तालाबों की संख्या की जानकारी लेते हुए सभी तालाबों की सूची मत्स्य विभाग को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया, ताकि लाभुक समितियों का गठन कर मछली स्पान वितरण कराया जा सके। सभी तालाबों के जीर्णोद्धार पर बल देते हुए जल निधि, पकोलेशन टैंक एवं डीप बोरिंग निर्माण योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। साथ ही, चेक डैम निर्माण की तैयारी शीघ्र प्रारंभ करने का निर्देश दिया गया।

लघु सिंचाई विभाग की समीक्षा

उपायुक्त ने 2025-26 में निर्मित 13 चेक डैम का उपयोग सुनिश्चित करते हुए पीएम कुसुम योजना अथवा भूमि संरक्षण विभाग के माध्यम से पंपसेट उपलब्ध कराकर किसानों को सिंचाई से आच्छादित करने का निर्देश दिया, ताकि डैम के जल का उपयोग टपक सिंचाई प्रणाली के माध्यम से किया जा सके।

पशुपालन विभाग की समीक्षा

मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना के अंतर्गत ब्रायलर कुकुट पालन, सूकर विकास, बैकयार्ड कुकुट पालन, बकरा विकास, बत्तख चूजा वितरण एवं जोड़ा बैल वितरण सहित अन्य योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। उपायुक्त ने सभी योजनाओं में शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्ति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने निर्देश दिया कि इस वित्तीय वर्ष में पीएमकेएसवाई एवं जलछाजन योजनाओं के अंतर्गत लाभार्थियों को कृषि, उद्यान एवं पशुपालन विभाग के समन्वय से शत-प्रतिशत आच्छादित किया जाए।

एक नजर

भाजपा की संगठनात्मक बैठक संपन्न, आगामी कार्यक्रमों की बनी रणनीति

बड़कागांव। बड़कागांव भाजपा उरीमारी मंडल की मासिक संगठनात्मक बैठक मंडल अध्यक्ष विजय यादव की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक का संचालन बड़कागांव विधानसभा सांसद मीडिया प्रतिनिधि उमेश दांगी ने किया कार्यक्रम में मंडल प्रभारी एवं केरेडारी के पूर्व मंडल अध्यक्ष बद्रीनारायण सिंह मुख्य रूप से उपस्थित रहे।बैठक की शुरूआत पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर की गई। इस दौरान संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने, आगामी कार्यक्रमों की रणनीति तय करने तथा शक्ति केंद्रों को सक्रिय बनाने पर विस्तार से चर्चा हुई।बैठक में संगठन विस्तार के तहत विभिन्न शक्ति केंद्रों के लिए नए प्रभारियों की घोषणा की गई। नवनियुक्त प्रभारियों को केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को गांव-गांव तक पहुंचाने की जिम्मेदारी सौंपी गई।जिला महामंत्री बद्रीनारायण सिंह ने कहा कि भाजपा का लक्ष्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास और सुरक्षा पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि शक्ति केंद्र प्रभारी संगठन और जनता के बीच मजबूत कड़ी का कार्य करेंगे।बैठक में बेचन साव, भागीरथ ठाकुर, ज्ञानचंद महतो, त्रिवेणी महतो, नागेश्वर महतो, सुमन गिरी, विनोद महतो, कृष्णा गुप्ता, विष्णु गुप्ता, किशोर राणा, चंदन गंझु, विक्रम साव, सुदामा रजक सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित थे।

फोवा द्वारा सामाजिक पहल

फॉरेस्ट ऑफीसर्स वाइफ एसोसिएशन फोवा, रांची झारखंड द्वारा सामाजिक सरोकार के तहत शहर में भीषण गर्मी से बचाव के लिए कई जगह शुद्ध पेयजल की व्यवस्था की गई है। फोवा झारखंड पूरे राज्य में सामाजिक सरोकार के कई विषयों पर कार्य करता है जिसमें गरीब बच्चों की पढ़ाई में सहायता, निःशुल्क चिकित्सा कैंप लगवाना, वृक्षारोपण कार्य करना। वर्तमान में फोवा झारखंड की अध्यक्ष श्रीमती भारती कुमार हैं जो प्रधान मुख्य वन संरक्षक हॉफ झारखंड श्री संजीव कुमार की धर्मपत्नी हैं।

खादगड़ा जमीन विवाद: हाई कोर्ट ने याचिकाकर्ता पर जताई नाराजगी, अवमानना नोटिस जारी

रांची। रांची के खादगड़ा शिव दुर्गा मंदिर रोड स्थित मुंडारी प्रकृति की जमीन पर बने 12 घरों को तोड़े जाने के मामले में झारखंड उच्च न्यायालय में शुक्रवार को सुनवाई हुई। मामले में महादेव उरांव द्वारा दायर अवमानना याचिका पर अदालत ने कड़ी टिप्पणी करते हुए प्रार्थी को अवमानना नोटिस जारी किया है। मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति राजेश शंकर की अदालत में हुई। अदालत के आदेश के आलोक में प्रतिवादियों (पीड़ितों) की ओर से दायर हस्तक्षेप याचिका पर प्रार्थी महादेव उरांव की ओर से जवाब दाखिल किया गया। प्रार्थी के जवाब से असंतुष्ट अदालत ने कहा कि शपथ पत्र में झूठे तथ्य प्रस्तुत किए गए हैं और न्यायालय को गुमराह करने का प्रयास किया गया है। अदालत ने यह भी कहा कि हस्तक्षेपकताओं से कथित पैसे के लेन-देन की जानकारी छिपाई गई है। इस पर अदालत ने महादेव उरांव से पूछा है कि उनके खिलाफ अवमानना और अन्य फौजदारी कानूनों के तहत कार्रवाई क्यों नहीं की जाए। अदालत ने इस संबंध में उनसे जवाब मांगा है। सुनवाई के दौरान अदालत ने हस्तक्षेपकताओं यानी पीड़ित परिवारों को पूर्व में दी गई अंतरिम राहत को अगले आदेश तक जारी रखने का निर्देश दिया। इसके तहत उनके खिलाफ किसी प्रकार की पीड़क कार्रवाई पर रोक बरकरार रहेगी। मामले की अगली सुनवाई 19 जून को होगी। हस्तक्षेपकताओं की ओर से अधिवक्ता गौरव राज ने पक्ष रखा। पूर्व की सुनवाई में हेहल अंचल कार्यालय की ओर से अदालत में जवाब दाखिल किया गया था। इसमें बताया गया था कि हस्तक्षेपकताओं को तीन बार नोटिस जारी किया गया, लेकिन उन्होंने आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए। इसके बाद संरचनाओं को तोड़ने की कार्रवाई शुरू की गई थी। इस पर अदालत ने नाराजगी जताते हुए पूछा था कि केवल कब्जा हटाने के बजाय मकानों को ध्वस्त करने की कार्रवाई क्यों की गई। अदालत ने यह भी सवाल उठाया था कि रिट याचिका दायर करते समय हस्तक्षेपकताओं से एग्रीमेंट और पैसे लेने की बात क्यों छिपाई गई। यह मामला सुखदेवनगर क्षेत्र में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई से जुड़ा हुआ है। उल्लेखनीय है कि जिला प्रशासन ने खादगड़ा शिव दुर्गा मंदिर रोड स्थित मुंडारी प्रकृति की जमीन पर बने 12 मकानों को तोड़ने का आदेश दिया था। इसके बाद बुलडोजर कार्रवाई शुरू की गई, जिसका स्थानीय निवासियों ने विरोध किया। स्थानीय लोगों का कहना है कि उन्होंने प्रति कट्ठा 5.25 लाख रुपये की दर से जमीन खरीदी थी और वर्षों से वहां घर बनाकर रह रहे हैं। लोगों के अनुसार, 38.25 डिसमिल जमीन के लिए उन्होंने कुल लगभग 1 करोड़ 8 लाख 93 हजार 750 रुपये का भुगतान किया था, लेकिन अब उन्हें बेदखल किया जा रहा है।

अंबाजीत में बंद पड़े डीप बोरिंग में आग लगने से क्षेत्र में अफरा तफरी का माहौल, फिलहाल आग पर काबू

बड़कागांव। बड़कागांव प्रखंड के अंबाजीत गांव स्थित बरवाटोला शिव शंकर भुइयां के घर के सामने बुधवार की शाम अचानक उसे समय अफरा तफरी का माहौल हो गया जब बंद पड़े एक डिप बोरिंग में आग की लपेट निकलने शुरू हो गई। आग की लपट देख आसपास के लोगों में अफरा तफरी का माहौल बन गया।ग्रामीणों द्वारा हर संभव बुझाने का प्रयास किया जाने लगा। लेकिन आग नहीं बुझा पाए।तत्पश्चात ग्रामीणों द्वारा इसकी सूचना पंचायत जनप्रतिनिधि को दिया गया। जनप्रतिनिधियों ने इसकी सूचना बड़कागांव प्रखंड विकास पदाधिकारी जितेंद्र कुमार मंडल को दिया। प्रखंड विकास पदाधिकारी श्री मंडल ने ग्रामीणों को सचेत करते हुए कहा कि अब आज तो शाम हो गई है। लेकिन आसपास के लोग सावधानी से रहे, कल तकनीकी बुलाकर उसे बुझाया जाएगा। इसी आलोक में आज गुरुवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी श्री मंडल के नेतृत्व में ओएनजीसी कोयलंग कैंप से तीन सदस्यीय टेक्नीशियन बुलाकर डीप बोरिंग से निकलने वाले आग की लपटों को ढकने का कार्य किया गया।बताया जाता है कि एक वर्ष पूर्व एनटीपीसी द्वारा अंबाजीत गांव के बरवाटोला के ग्रामीणों के लिए पेयजल के उद्देश्य डीप बोरिंग कराया गया था। लेकिन कई उपकरण खराब हो जाने के कारण फिलहाल यह बोरिंग मृत था। बुधवार को अचानक अपने आप आग की लपेट निकलने से लोगों में हड़कंप मच गई। इस अवसर पर प्रखंड विकास पदाधिकारी श्री मंडल के अलावा प्रखंड कल्याण पदाधिकारी पंकज गुप्ता, पूर्व मुखिया बगल चौधरी, मुखिया प्रतिनिधि किशोर शुक्ला, पैक्स अध्यक्ष योगा सिंह, भोला सिंह भास्कर सिंह सहित कई ग्रामीण उपस्थित थे।

जेवर दुकान में डकैती करने वाले क्रिमिनल ने रामगढ़ पुलिस को दी चुनौती, हाई अलर्ट जारी

रामगढ़। रामगढ़ जिले के रजरप्पा थाना क्षेत्र में एक जेवर दुकान में डकैती करने वाले अपराधी ने रामगढ़ पुलिस को खुली चुनौती दी है। रामगढ़ जिले के कुछ जेवर दुकान का नाम लेकर विभाष पासवान नामक अपराधी ने अपना फरमान जारी किया है। उसने कहा कि रामगढ़ जिले के कुछ जेवर दुकानों को उसने अपनी सूची में शामिल किया है। जिसमें जल्द ही वह डकैती करने वाला है। रजरप्पा थाना क्षेत्र के चितरपुर बाजार में एक जेवर दुकान से लगभग डेढ़ करोड़ रुपये के जेवर लूटने वाले गैंग का मुख्य सरगना विभाष पासवान अभी भी पुलिस के गिरफ्त से बाहर है।

एसपी ने जारी किया हाई अलर्ट

रामगढ़ एसपी मुकेश कुमार लुनायत ने चितरपुर में हुई लूट कांड को लेकर एसआईटी गठित की थी। पुलिस ने विभाष की बहन और उसके बहनोई के साथ गैंग में शामिल कई लोगों को गिरफ्तार किया था। पुलिस की इस कार्रवाई से बौखलाए विभाष पासवान ने रामगढ़ पुलिस को ही चुनौती दे डाली है। उसकी इस चुनौती के बाद रामगढ़ एसपी मुकेश कुमार लुनायत में जिले के सभी जेवर दुकानों के मालिकों को हाई अलर्ट पर रहने का निर्देश दिया है। रामगढ़ थाना प्रभारी नवीन प्रकाश पांडे शुक्रवार को शहर के उन इलाकों में पहुंचे जहां जेवर दुकान मौजूद है। उन्होंने लोहार टोला, चट्टी बाजार, मेन रोड, झंडा चौक और अन्य स्थानों का दौरा किया।

बालिका शिक्षा और स्वरोजगार को बढ़ावा देने में जुटा प्लान इंडिया

उज्जवल दुनिया संवाददाता

कटकमसांडी। प्रखंड के क्षेत्र के कण्डसार पंचायत स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय, बेलरगढ़ा में गुरुवार को प्लान इंडिया, हजारीबाग की ओर से फेलिसिटेशन मीट का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बालिका शिक्षा, महिला सशक्तिकरण एवं स्वरोजगार से जुड़ी योजनाओं की उपलब्धियों और भविष्य की रणनीतियों पर विस्तार से चर्चा की गई।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए क्लस्टर कॉर्डिनेटर विनोद कुमार राणा ने कहा कि प्लान इंडिया की बालिका शिविर परियोजना के माध्यम से 14 से 19 वर्ष आयु वर्ग की शिक्षा से वंचित अथवा पढ़ाई से पीछे छूट चुकी बच्चियों को पुनः शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ा जा रहा है। उन्होंने बताया कि परियोजना के तहत बच्चियों को निःशुल्क शिक्षण सामग्री एवं पाठ्यक्रम की पुस्तकें उपलब्ध कराई जाती हैं। साथ ही उन्हें एनआइओएस बोर्ड के माध्यम से परीक्षा दिलाकर आगे बढ़ने का अवसर प्रदान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा के बाद रोजगार एक बड़ी चुनौती है। इसी को ध्यान में रखते हुए प्लान इंडिया द्वारा 19 से 24 वर्ष आयु वर्ग की युवतियों को स्वरोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण पूरा होने के बाद महिलाओं को स्वरोजगार शुरू करने के लिए स्टार्टअप किट भी उपलब्ध कराई जाती है।विनोद कुमार राणा ने बताया कि संस्था द्वारा छह प्रखंडों में अब तक लगभग 1200 महिलाओं को मशरूम उत्पादन एवं पोल्ट्री फार्मिंग से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाने का कार्य किया गया है। वहीं करीब 1800 शिक्षा से वंचित बच्चियों को एनआइओएस के माध्यम से आठवीं, दसवीं एवं बारहवीं की पढ़ाई कराकर परीक्षा दिलाई गई है। कार्यक्रम में उन अभिभावकों को सम्मानित किया गया जिन्होंने अपनी बच्चियों को पुनः शिक्षा प्राप्त करने का अवसर दिया।

विश्व रेडक्रॉस दिवस एवं विश्व थैलेसीमिया दिवस पर रक्तदान शिविर का आयोजन

उज्जवल दुनिया संवाददाता

हजारीबाग। रेड क्रॉस सोसाइटी हजारीबाग शाखा द्वारा विश्व रेड क्रॉस दिवस एवं विश्व थैलेसीमिया दिवस के अवसर पर शुक्रवार को शहर के इंद्रपुरी चौक स्थित रेड क्रॉस भवन में एकदिवसीय रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में शहर के युवाओं, समाजसेवियों, विभिन्न संगठनों से जुड़े लोगों एवं आम नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए रक्तदान कर मानवता और सामाजिक सेवा के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाई। रक्तदान शिविर में कुल 15 रक्तदाताओं ने रक्तदान कर मानवता के प्रति मिसाल पेश किया। रक्तदान शिविर का शुभारंभ रेड क्रॉस सोसाइटी हजारीबाग शाखा के सचिव तनवीर सिंह द्वारा स्वयं रक्तदान कर किया गया। इसके बाद एक-एक कर उपस्थित लोगों ने रक्तदान किया। शिविर में सुबह से ही रक्तदाताओं का पहुंचना शुरू हो गया था और 3 बजे तक लोगों का उत्साह लगातार बना रहा। रक्तदान करने पहुंचे युवाओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। रक्तदान करने वालों में रेड क्रॉस सोसाइटी के सचिव तनवीर सिंह, हरगुन,मनीष सिन्हा,रचित ग्रोवर,माजिद,रोहित कुमार,संजय मंडल, चंदन कुमार,अमित देव,विकास देव, नारायण साहू,रौनक ग्रोवर,नीरज कुमार, राम लखन प्रजापति एवं रौनक कुमार शामिल है। शिविर के दौरान रेड क्रॉस सोसाइटी के सदस्यों द्वारा रक्तदान के महत्व एवं थैलेसीमिया जैसी गंभीर बीमारी से पीड़ित मरीजों को नियमित रक्त की आवश्यकता के संबंध में लोगों को जागरूक भी किया गया।

चक्रधरपुर रेलवे स्टेशन पर मानव तस्करी की आशंका नाकाम

नौ बच्चों को बचाया गया नाबालिग

उज्जवल दुनिया संवाददाता

पश्चिमी सिंहभूम। पश्चिमी सिंहभूम जिले के चक्रधरपुर में नाबालिग बच्चों के पलायन और संभावित मानव तस्करी से जुड़ा एक गंभीर मामला सामने आया है। रेलवे स्टेशन परिसर में चलाए गए संयुक्त रेस्क्यू अभियान के दौरान 9 नाबालिग बच्चों को दूसरे राज्यों में ले जाए जाने से पहले सुरक्षित बचा लिया गया। इनमें 4 लड़के और 5 लड़कियां शामिल हैं। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि लड़कों को गुजरात तथा लड़कियों को तमिलनाडु भेजे जाने की तैयारी थी। गुरुवार देर रात यह कार्रवाई चक्रधरपुर थाना प्रभारी अवधेश कुमार के नेतृत्व में की गई। अभियान में जिला बाल संरक्षण इकाई, चाइल्ड हेल्पलाइन, रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ), रेलवे राजकीय पुलिस (जीआरपी), महिला थाना, बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी), जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डीएलएसए) तथा कर्रा सोसाइटी फॉर रूरल एक्शन, रांची की टीम शामिल रही। संयुक्त टीम स्टेशन परिसर में संदिग्ध परिस्थितियों में घूम रहे बच्चों की पहचान कर पूछताछ कर रही थी। इसी दौरान बच्चों के बारे में जानकारी मिलने पर टीम सक्रिय हुई और सभी को अपने संरक्षण में ले लिया। पूछताछ में बच्चों ने बताया कि उन्हें बाहर राज्यों में काम दिलाने और बेहतर कमाई का सपना दिखाकर ले जाया जा रहा था। अधिकारियों को आशंका है कि बच्चों को घरेलू काम, फैक्ट्री या अन्य श्रम कार्यों में लगाने की योजना हो सकती थी। समय रहते कार्रवाई होने से बच्चों को संभावित शोषण, बंधुआ मजदूरी और तस्करी के खतरे से बचा लिया गया। रेस्क्यू के बाद बाल कल्याण समिति के निर्देश पर सभी बच्चों को सुरक्षित आश्रय गृह भेजा गया। चारों लड़कों को 'बाल कुंज' और पांचों बच्चियों को 'छाया बालिका गृह' में रखा गया है। वहां उनकी काउंसलिंग कराई जा रही है। साथ ही बच्चों के परिवारों से संपर्क कर पूरी जानकारी जुटाई जा रही है। प्रशासन यह भी पता लगाने में जुटा है कि बच्चों को स्टेशन तक कौन लेकर आया था और इसके पीछे कौन लोग सक्रिय हैं।

बैंकों की सुरक्षा को लेकर पुलिस ने चलाया ऑपरेशन सतर्क

खूंटी। हजारीबाग जिले में दिनदहाड़े हुई बैंक लूट की घटना को देखते हुए खूंटी पुलिस ने जिले के सभी बैंकों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विशेष अभियान चलाया। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर बीते सप्ताह ह्लऑपरेशन सतर्कह्व के तहत जिले के कुल 55 बैंकों का व्यापक सुरक्षा ऑडिट किया गया। पुलिस की ओर से शुक्रवार को जारी विज्ञप्ति में बताया गया कि ऑडिट के दौरान पुलिस टीम ने बैंकों में लगे सीसीटीवी कैमरे, सुरक्षा गार्ड, अलार्म सिस्टम तथा अन्य सुरक्षा व्यवस्थाओं की गहन जांच की। साथ ही संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने और सुरक्षा मानकों के पालन की भी समीक्षा की। जांच के क्रम में जिन बैंकों में सुरक्षा व्यवस्था में कमी पाई गई, वहां संबंधित शाखा प्रबंधकों को आवश्यक सुधार जल्द से जल्द सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि बैंक ग्राहकों एवं कर्मचारियों की सुरक्षा को लेकर पुलिस पूरी तरह सतर्क है तथा आगे भी इस तरह का जांच अभियान जारी रहेगा। उल्लेखनीय है कि झारखंड के हजारीबाग जिले के बरही स्थित बैंक ऑफ महाराष्ट्र शाखा में गत 24 अप्रैल को करोड़ों रुपये की सोना और कैश की लूट हुई थी। इस मामले में झारखंड पुलिस ने यूपी एसटीएफ के साथ मिलकर अंतरराज्यीय बैंक लुटेरा गैंग के तीनआरोपितों को वाराणसी से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों के पास से करीब एक किलो सोना, 20 लाख रुपये नकद, एक कार और मोबाइल फोन बरामद किए गए थे।

गुड शेड में हो रहा है मजदूरों का श्रम शोषण, नहीं मिल रही सरकारी दर से मजदूरी

एफसीआई गोदाम में पसीना बहा रहे मजदूरों को

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

बोकारो। देश में मजदूरों के अधिकार, न्यूनतम मजदूरी और श्रमिक सम्मान की बड़ी-बड़ी बातें होती हैं, लेकिन बोकारो के रेलवे गुड शेड स्थित एफसीआई लोडिंग-अनलोडिंग केंद्र की जमीनी हकीकत इन दावों की पोल खोल रही है। यहां एफसीआई के अनाज की लोडिंग-अनलोडिंग में लगे मजदूर वर्षों से शोषण का शिकार हो रहे हैं। हालत यह है कि उन्हें ना केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम मजदूरी मिल रही है और ना ही झारखंड सरकार के तय मानकों के अनुसार भुगतान हो रहा है।

रेलवे रैक से आता है हजारों बोरी अनाज

एफसीआई का चावल रेलवे रैक के माध्यम से बोकारो पहुंचता है। जिले में एफसीआई के तीन प्रमुख गोदाम- काशीझरिया, कृषि बाजार समिति और बहादुरपुर में अनाज भेजा जाता है। रेलवे स्टेशन के समीप स्थित गुड शेड माल गोदाम में ट्रेन की बोगियों से अनाज उतारकर ट्रकों में लोड किया जाता है। जानकारी के अनुसार कभी 28 रैक, कभी 29, कभी 42 तो कभी 56 रैक तक चावल बोकारो पहुंचता है। एक बोगी में लगभग 1300 बोरी अनाज रहता है, जिसे खाली करने के लिए 8 से 10 मजदूर लगाए जाते हैं।

दिनभर मेहनत, लेकिन मजदूरी सिर्फ 3.30 रुपए प्रति बोरी

सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि भारी वजन की बोरियां ढोने वाले मजदूरों को प्रति बोरी सिर्फ 3 रुपए 30 पैसे दिए जाते हैं। मजदूर सुबह से देर रात तक लगातार काम करते हैं, लेकिन मेहनताना इतना कम मिलता है कि परिवार का गुजारा मुश्किल हो जाता है। मजदूरों का कहना है कि बोरियों का वजन 40 किलो से अधिक होता है, फिर भी उन्हें सरकारी दर के अनुसार भुगतान नहीं किया जाता।

केंद्र सरकार ने तय कर रखी है न्यूनतम मजदूरी

केंद्र सरकार की संशोधित न्यूनतम मजदूरी दर के अनुसार रेलवे माल गोदाम, वेयरहाउस, बंदरगाह और हवाई अड्डों में काम करने वाले अकुशल श्रमिकों के लिए अलग-अलग श्रेणियां निर्धारित हैं। केंद्र सरकार की निर्धारित मजदूरी दर के अनुसार क्षेत्र 'ए' (मेट्रो शहर) लगभग रु827 प्रतिदिन, क्षेत्र 'बी' (अन्य शहर) लगभग रु693 प्रतिदिन व क्षेत्र 'सी' (ग्रामीण/कस्बा क्षेत्र) लगभग रु556 प्रतिदिन है। बोकारो क्षेत्र बी की श्रेणी में आता है, ऐसे में मजदूरों को कम से कम रु693 प्रतिदिन मजदूरी मिलनी चाहिए।

झारखंड सरकार की दर भी हो रही नजरअंदाज

झारखंड सरकार के श्रम नियोजन विभाग द्वारा लोडिंग-अनलोडिंग मजदूरों के लिए अलग दर तय की गई है।झारखंड सरकार की निर्धारित दर के अनुसार 20 किलो तक रु4.30 प्रति बोरी, 20 से 40 किलो रु6.20 प्रति बोरी, 41 से 65 किलो रु 9.10 प्रति बोरी, 66 से 85 किलो रु12.40 प्रति बोरी व 86 से 100 किलो रु15.10 प्रति बोरी तय है। लेकिन गुड शेड में मजदूरों को इन सरकारी दरों का लाभ नहीं मिल रहा।

सरकारी नियम लागू हों तो मजदूरों की बदलेगी जिंदगी

अगर केंद्र सरकार की दर के अनुसार मजदूरी दी जाए तो मजदूरों की मासिक आय करीब 21 हजार रुपए तक पहुंच सकती है। वहीं झारखंड सरकार की दर के हिसाब से 40 किलो से अधिक वजन वाली बोरी पर मजदूरों को कम से कम रु9.10 मिलना चाहिए। लेकिन हकीकत यह है कि मजदूरों को सिर्फ रु3.30 देकर उनका आर्थिक शोषण किया जा रहा है।

ऊपर से नीचे तक सेटिंग, मजदूरों का बड़ा आरोप

मजदूरों का आरोप है कि उनके हक की राशि बीच में ही दबा दी जाती है। उनका कहना है कि ऊपर से नीचे तक हिस्सेदारी और कमीशनखोरी के खेल में गरीब मजदूरों का पसीना सस्ता कर दिया गया है। मजदूरों ने सवाल उठाया कि मजदूर दिवस पर भाषण और सम्मान की बातें तो होती हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर उनकी स्थिति बेहद खराब बनी हुई है।

--- एफसीआई अधिकारी बोले - मिलनी चाहिए न्यूनतम मजदूरीः एफसीआई अधिकारियों का कहना है कि लोडिंग-अनलोडिंग में लगे श्रमिकों को न्यूनतम मजदूरी मिलनी चाहिए। वहीं लेबर कमिश्नर ने भी मामले को गंभीर बताते हुए कहा कि मामला उनके संज्ञान में आया है और जांच कर मजदूरों को उचित मजदूरी दिलाने की कार्रवाई की जाएगी।

सबसे बड़ा सवाल- मजदूरों के हक का पैसा आखिर जा कहां रहा है?:

सरकारों की नियमावली अलग कहानी कहती है, लेकिन गुड शेड की हकीकत कुछ और बयां कर रही है। सवाल यह है कि आखिर मजदूरों के हिस्से की मजदूरी कौन निगल रहा है? और क्या वर्षों से शोषण झेल रहे इन मजदूरों को कभी उनका पूरा हक मिल पाएगा?

डॉन बॉस्को स्कूल रामकनाली में धूमधाम से मनाया गया मदर्स डे

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

खेलकूद,संगीत,वाद-विवाद व डांस प्रतियोगिता में बच्चों एवं माताओं ने लिया बढ़-चढ़कर हिस्सा

एग्यारकुंड। डॉन बॉस्को स्कूल रामकनाली में शुक्रवार को मदर्स डे हर्षोल्लास एवं धूमधाम के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में बच्चों के साथ उनकी माताओं ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में खेलकूद, संगीत,वाद-विवाद एवं डांस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया,जिसमें बच्चों एवं उनकी माताओं ने मिलकर शानदार प्रस्तुति दी।विद्यालय के प्रबंधक हरप्रीत सिंह सोनू ने कहा कि आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में महिलाएं अपने दैनिक कार्यों में काफी व्यस्त रहती हैं। मदर्स डे के अवसर पर विद्यालय द्वारा ऐसा कार्यक्रम आयोजित किया गया, ताकि माताएं अपने बच्चों के साथ कुछ विशेष और यादगार पल बिता सकें। उन्होंने कहा कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए पढ़ाई के साथ-साथ फिजिकल एक्टिविटी भी बेहद जरूरी है। विद्यालय हमेशा इस बात का प्रयास करता है कि बच्चे बिना तनाव के बेहतर शिक्षा प्राप्त करें और अच्छे अंक लाकर अपने उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करें। कार्यक्रम के दौरान बच्चों और माताओं के बीच विशेष उत्साह देखने को मिला। पूरे विद्यालय परिसर में खुशी और उल्लास का माहौल बना रहा।

एसडीपीओ ने थाना प्रभारियों व इंस्पेक्टरों के साथ की क्राइम मीटिंग

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

गोमिया। बेरमो अनुमंडल में कानून-व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने तथा आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बशिष्ट नारायण सिंह ने अपने कार्यालय में सभी थाना प्रभारियों एवं इंस्पेक्टरों के साथ क्राइम मीटिंग की। बैठक में पिछले माह में हुई आपराधिक घटनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई तथा आगामी रणनीति पर चर्चा की गई। एसडीपीओ बशिष्ट नारायण सिंह ने कहा कि पुलिस अधीक्षक एवं वरीय अधिकारियों के निर्देश के आलोक में सभी थाना प्रभारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस की प्राथमिकता महिला सुरक्षा, लापता व्यक्तियों की खोज तथा आम जनता के साथ बेहतर व्यवहार सुनिश्चित करना है। थाना प्रभारियों को गांवों में जाकर लोगों से सीधा संवाद स्थापित करने और उनकी समस्याओं को संवेदनशीलता के साथ सुनने का निर्देश दिया गया। क्षेत्र में बढ़ रही चैन छिनैती की घटनाओं पर एसडीपीओ ने कहा कि पुलिस अपराधियों के काफी करीब पहुंच चुकी है। गोमिया एवं आईईएल क्षेत्र में हाल के दिनों में हुई छिनैती की घटनाओं को लेकर प्राथमिकी दर्ज कर जांच तेज कर दी गई है। पुलिस टीम संदिग्धों की गतिविधियों पर नजर रख रही है। बंद घरों में चोरी की घटनाओं को लेकर उन्होंने बताया कि तेनुघाट एवं बीटीपीएस क्षेत्र में कुछ मामले लंबित हैं, जिनका जल्द खुलासा किया जाएगा। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि हाल के दिनों में चोरी की घटनाओं में शामिल कुछ गिरोहों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। बैठक में लंबित कांडों के निष्पादन और अपराध नियंत्रण को लेकर भी विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में गोमिया पुलिस निरीक्षक जितेंद्र कुमार, आईईएल श्यामल मंडल बेरमो सर्किल इंस्पेक्टर नवल किशोर सिंह, बीटीपीएस थाना प्रभारी सह पुलिस निरीक्षक पिंकू कुमार यादव, जरीडीह इंस्पेक्टर शैलेन्द्र सिंह, बेरमो थाना प्रभारी रोहित कुमार सिंह, चंद्रपुरा थाना प्रभारी विक्रम कुमार समेत अनुमंडल क्षेत्र के विभिन्न थाना एवं ओपी प्रभारी उपस्थित थे।

विश्व भारतीय रेड क्रॉस दिवस पर दो स्थानों में ब्लड डोनेशन कप का आयोजन

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

19 यूनिट रक्त मरीजों के लिए एकत्र किया गया

धनबाद। शुक्रवार को विश्व भारतीय रेडक्रास दिवस पर दो ब्लड डोनेशन कैंप का आयोजन किया गया । प्रथम कैंप व्यवहार न्यायालय स्थित मध्यस्ता केंद्र में हुई जिसमें 19 रक्त दाता ने रक्तदान किया और उसके उपरांत द्वितीय कैंप भारतीय रेडक्रास सोसायटी धनबाद में विश्व रेडक्रास दिवस के आलोक में केक काट कर पदेन उपाध्यक्ष सह एसडीएम धनबाद ने शुभारंभ किया। उस दरम्यान ब्लड डोनेशन कैंप का भी आयोजन किया गया उसमें कुमार मधुरेन्द्र सिंह कार्यकारिणी सदस्य एवं संयुक्त सचिव आशीष अग्रवाल ने रक्त दान शिविर में रक्तदान किया।दोनों कैंप को सफल बनाने में लोकेश बारंगे अनुमंडल पदाधिकारी सह उपाध्यक्ष, कौशलेंद्र कुमार सिंह चेयरमैन, धनेश्वर महतो वाईस चेयरमैन, रवींद्रनाथ ठाकुर कार्यपालक दंडाधिकारी, सहसचिव कुमार मधुरेन्द्र सिंह, कार्यकारिणी सदस्य सह चेयरमैन सलाहकार देवेंद्र कुमार नोडल पदाधिकारी वाहन,संयुक्त सचिव दिलीप सिंह , नोडल पदाधिकारी ब्लड बेनजीर परवीन कोषाध्यक्ष महोदया श्वेतांबरा पाठक संयुक्त सचिव आशीष अग्रवाल, नोडल पदाधिकारी स्वास्थ्य डाक्टर जिम्मी अभिषेक,आजीवन सदस्य रणजीत सिंह ,सौरभ सिंह, ललिता चौहान, लीला माजी , वाईस पैटरान बिजेंद्र कुमार सिंह, वाइस पैटरान रवि श्रीवास्तव एवं अन्य भारतीय रेडक्रास सोसायटी धनबाद के सदस्य एवं डॉक्टर उपेंद्र कुमार शाखा प्रमुख युको बैंक कोर्ट मोड़ मधु कुमारी उपस्थित रहीं। साथ ही भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी धनबाद की कार्यकारिणी समिति की बैठक भी पदेन उपाध्यक्ष सह एसडीएम लोकेश बारंगे की अध्यक्षता में की गई।

लोयाबाद वार्ड संख्या-08 की जनसमस्याओं को लेकर रत्नेश कुमार ने महापौर संजीव सिंह को सौंपा पत्र

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

धनबाद। लोयाबाद वार्ड संख्या-08 की विभिन्न जनसमस्याओं के समाधान को लेकर अखिल भारतीय पिछड़ा वर्ग संघ के जिला अध्यक्ष रत्नेश कुमार ने धनबाद महापौर संजीव सिंह से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से क्षेत्र की मूलभूत समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग की गई। सौंपे गए आवेदन में लोयाबाद नंबर-09 स्थित बीजीएस हाई स्कूल के पीछे सड़क काफी खराब हो चुकी है और बारिश के दिनों में वहां जलजमाव एवं कीचड़ की समस्या उत्पन्न हो जाती है, जिससे स्थानीय लोगों को आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। रत्नेश कुमार ने उक्त सड़क के जल्द निर्माण की मांग करते हुए कहा कि सड़क बनने से क्षेत्रवासियों को काफी राहत मिलेगी। इसके साथ ही लोयाबाद क्षेत्र में सामुदायिक विवाह भवन निर्माण की मांग भी की गई। आवेदन में कहा गया कि क्षेत्र में अब तक किसी विवाह भवन की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण गरीब एवं मध्यम वर्गीय परिवारों को शादी-विवाह जैसे सामाजिक कार्यक्रम आयोजित करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में विवाह भवन का निर्माण होने से क्षेत्र के लोगों को बड़ी सुविधा मिलेगी। वहीं वार्ड संख्या-08 में लंबे समय से खराब पड़ी स्ट्रीट लाइटों की मरम्मत एवं नई स्ट्रीट लाइट लगाने की मांग भी महापौर के समक्ष रखी गई। आवेदन में कहा गया कि रात के समय अंधेरा रहने के कारण दुर्घटना एवं असामाजिक गतिविधियों की आशंका बनी रहती है।

आईआईटी (आईएसएम) धनबाद के एक्जीक्यूटिव एमबीए के लिए 50 से अधिक आवेदन प्राप्त

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

धनबाद। आईआईटी (आईएसएम) धनबाद के प्रबंधन अध्ययन एवं औद्योगिक अभियंत्रण विभाग के कॉन्फ्रेंस हॉल में गुरुवार, 8 मई 2026 को आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान संस्थान के अधिकारियों ने बताया कि एक्जीक्यूटिव एमबीए कार्यक्रम (सत्र 2026झ28) के लिए अब तक 50 से अधिक आवेदन प्राप्त हो चुके हैं। अधिकारियों ने कहा कि कार्यक्रम को विभिन्न सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के पेशेवरों से अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है।

प्रेस वार्ता में प्रबंधन अध्ययन एवं औद्योगिक अभियंत्रण विभाग के अध्यक्ष प्रो. संदीप मंडल, एक्जीक्यूटिव एमबीए कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. नीलाद्रि दास, सह-समन्वयक प्रो. रश्मि सिंह तथा प्रो. शशांक बंसल मौजूद थे।

अधिकारियों ने बताया कि संस्थान की वेबसाइट पर 15 मार्च 2026 से ऑनलाइन आवेदन पोर्टल शुरू किया गया है। यह कार्यक्रम विशेष रूप से कार्यरत पेशेवरों, अधिकारियों और उद्यमियों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है, ताकि वे नौकरी जारी रखते हुए प्रबंधन शिक्षा प्राप्त कर सकें।

प्रो. संदीप मंडल ने कहा कि एक्जीक्यूटिव एमबीए कार्यक्रम की शुरूआत वर्ष 2012 में हुई थी और अब इसे दो वर्षीय कार्यक्रम (चार सेमेस्टर) के रूप में संचालित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य पेशेवरों को आधुनिक प्रबंधन ज्ञान, नेतृत्व क्षमता और रणनीतिक निर्णय लेने की समझ विकसित करने का अवसर प्रदान करना है। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम की कक्षाएं मुख्य रूप से ऑनलाइन मोड में संचालित होंगी। बुधवार से शनिवार तक शाम 7 बजे से 9:50 बजे तक तथा रविवार को सुबह 10 बजे से शाम 5:50 बजे तक कक्षाएं आयोजित की जाएंगी। वहीं, मिड-सेमेस्टर और एंड-सेमेस्टर परीक्षाएं ऑफलाइन मोड में आईआईटी (आईएसएम) धनबाद और संस्थान के कोलकाता एवं दिल्ली केंद्रों में आयोजित होंगी।

अधिकारियों ने बताया कि कार्यक्रम में पहले भी कोल इंडिया और उसकी सहायक कंपनियां, एसबीआई, एचडीएफसी बैंक, सेल, टीसीएस, टाटा स्टील, टाटा पावर, टाटा मोटर्स, एनटीपीसी, भारतीय रेल, इन्फोसिस, पीडब्ल्यूसी, ओएनजीसी और आईओसीएल जैसी प्रतिष्ठित संस्थाओं के अधिकारी हिस्सा ले चुके हैं।

प्रो. नीलाद्रि दास ने बताया कि प्रवेश प्रक्रिया के तहत अभ्यर्थियों को आईआईटी (आईएसएम) धनबाद में आयोजित लिखित परीक्षा देनी होगी, जिसमें अभ्यर्थियों की प्रबंधकीय क्षमता और सामान्य जागरूकता का मूल्यांकन किया जाएगा। लिखित परीक्षा में सफल उम्मीदवारों को ऑनलाइन साक्षात्कार के लिए बुलाया जाएगा और अंतिम चयन लिखित परीक्षा तथा साक्षात्कार के संयुक्त अंकों के आधार पर किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के लिए कुल शुल्क दो वर्षों हेतु 6 लाख रुपये निर्धारित किया गया है, जिसे सेमेस्टर के आधार पर जमा करना होगा। कार्यक्रम में 100 सीटें उपलब्ध हैं तथा प्रवेश में भारत सरकार के आरक्षण नियमों का पालन किया जाएगा।

प्रो. रश्मि सिंह ने बताया कि पात्रता के तहत अभ्यर्थियों के पास किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से स्नातक डिग्री (10+2+3) में न्यूनतम 50 प्रतिशत अंक होना अनिवार्य है, जबकि एससी, एसटी और दिव्यांग वर्ग के लिए 45 प्रतिशत अंक निर्धारित किए गए हैं। साथ ही अभ्यर्थियों के पास कम से कम एक वर्ष का कार्य अनुभव होना चाहिए। उद्यमियों के लिए पंजीकृत फर्म और न्यूनतम 200 लाख रुपये वार्षिक टर्नओवर की शर्त रखी गई है।

एक नजर

मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना के तहत लाभुकों के बीच छह यूनिट सुकर का वितरण

गोमिया। गोमिया प्रखंड मुख्यालय स्थित पशुपालन विभाग परिसर में शुक्रवार को मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना के तहत लाभुकों के बीच छह यूनिट सुकर का वितरण किया गया। प्रत्येक यूनिट में चार सुकरी एवं एक सुकर साथमे एक बेरा भोजन,खाने हेतु बर्तन प्रदान किया गया। इस योजना का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में पशुपालन को बढ़ावा देकर लोगों को आत्मनिर्भर बनाना एवं रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित प्रखंड विकास पदाधिकारी माधव कुमार महतो ने लाभुकों को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार की मुख्यमंत्री पशुधन योजना ग्रामीण परिवारों के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। उन्होंने कहा कि सुकर पालन कम लागत में अधिक लाभ देने वाला व्यवसाय है और इससे ग्रामीणों की आय में वृद्धि होगी। उन्होंने लाभुकों से योजना का सही तरीके से लाभ उठाने तथा पशुओं की समुचित देखभाल करने की अपील की। इस अवसर पर पशुपालन विभाग के चिकित्सक डॉ. अनिल कुमार ने कहा कि विभाग द्वारा लाभुकों को समय-समय पर तकनीकी मार्गदर्शन एवं पशुओं के स्वास्थ्य संबंधी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। उन्होंने बताया कि आधुनिक तरीके से पशुपालन कर ग्रामीण बेहतर आमदनी प्राप्त कर सकते हैं। साथ ही उन्होंने लाभुकों को पशुओं के टीकाकरण एवं साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने की सलाह दी। कार्यक्रम के दौरान लाभुकों में काफी उत्साह देखा गया। मौके पर पशुपालन विभाग के कर्मी, जनप्रतिनिधि एवं स्थानीय ग्रामीण उपस्थित थे।

स्वदेशी शिल्प महोत्सव शुरू, सूती वस्त्रों पर उमड़ी भीड़; 20% तक छूट का लाभ

बोकारो। सेक्टर-4 सिटी सेंटर स्थित एलआईसी मैदान के समीप स्वदेशी शिल्प महोत्सव का भव्य शुभारंभ हो गया है। भीषण गर्मी के बीच मेले में सूती और हल्के वस्त्रों की जबरदस्त मांग देखी जा रही है। खासकर लखनवी चिकन कुर्तियां, कश्मीरी सूती परिधान और कॉटन ड्रेस मटेरियल ग्राहकों को खूब आकर्षित कर रहे हैं। मेला प्रभारी सचिदानंद मिश्रा ने बताया कि इस प्रदर्शनी में देश के विभिन्न हिस्सों से आए कारीगरों द्वारा तैयार किए गए उत्पादों का विशाल संग्रह उपलब्ध है। मुख्य आकर्षणों में लखनवी चिकन कुर्तियां, सूती साड़ियां, कॉटन टॉप, खादी गमछे व रुमाल, मेरठ के खादी कुर्ते-शर्ट, कश्मीरी नक्काशीदार परिधान, मोजड़ी चप्पल, भागलपुरी ड्रेस मटेरियल और जयपुरी सूती टॉप शामिल हैं। हजारों हथकरघा और हस्तशिल्प उत्पाद एक ही स्थान पर उपलब्ध होने से लोगों की भीड़ उमड़ रही है। प्रदर्शनी प्रतिदिन सुबह 11 बजे से रात 10 बजे तक खुली रहेगी। मेले में प्रवेश और पार्किंग पूरी तरह निःशुल्क है, साथ ही डिजिटल भुगतान की सुविधा भी उपलब्ध है। ग्राहकों को हथकरघा वस्तुओं पर 10 प्रतिशत और हस्तशिल्प उत्पादों पर 20 प्रतिशत तक की छूट दी जा रही है। आयोजक समिति ने शहरवासियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने की अपील की है। इस अवसर पर सचिव रणबीर मिश्रा, संचालक वेद प्रकाश तिवारी सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

बोकारो में छात्र के अपहरण की खबर निकली अफवाह, केएफसी में दोस्तों संग पार्टी करने गया था छात्र

बोकारो। चास थाना क्षेत्र में स्कूली छात्र के कथित अपहरण प्रयास की सूचना ने पुलिस और परिजनों को घंटों परेशान रखा। मामला 28 अप्रैल 2026 की शाम करीब 7:30 बजे का है, जब सूचना मिली कि चास (मु.) थाना से महज 30-40 मीटर दूरी पर काले रंग की स्कॉर्पियो में सवार दो लोगों ने एक स्कूली छात्र के अपहरण का प्रयास किया है। सूचना मिलते ही इलाके में हड़कंप मच गया। घटना की संवेदनशीलता को देखते हुए छात्र के पिता संजीव सिन्हा के लिखित आवेदन पर पुलिस ने अज्ञात अपराधियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। पुलिस ने तकनीकी साक्ष्य, मानवीय सूचना और छात्र से गहन पूछताछ के आधार पर मामले की तह तक पहुंचने का प्रयास किया। जांच में जो सच सामने आया, उसने सभी को चौंका दिया। पता चला कि छात्र स्कूल की छुट्टी के बाद स्कूल बस से घर नहीं लौटा था। वह अपने दोस्तों के साथ सेक्टर-04 स्थित केएफसी में पार्टी करने चला गया था। इसी कारण वह करीब दो घंटे देर से घर पहुंचा। उधर छात्र के समय पर घर नहीं लौटने से परिजन परेशान होकर उसकी तलाश कर रहे थे। घर लौटने पर डांट और सवालों से बचने के लिए छात्र ने अपहरण प्रयास की झूठी कहानी बना दी। उसने परिजनों को बताया कि कुछ लोगों ने उसे जबरन उठाने की कोशिश की थी, ताकि उसकी बात पर विश्वास बना रहे। पुलिस जांच में स्पष्ट हो गया कि छात्र के साथ किसी प्रकार की अपहरण की घटना नहीं हुई थी। पूरा मामला छात्र द्वारा गढ़ी गई झूठी कहानी निकला। पुलिस ने लोगों से अपवाहों पर ध्यान नहीं देने और किसी भी सूचना की पुष्टि के बाद ही उसे आगे बढ़ाने की अपील की है।

रवीन्द्रनाथ टैगोर जयंती पर सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित

एग्यारकुंड। स्वामी विवेकानंद स्कूल में शुक्रवार को महान कवि एवं नोबेल पुरस्कार विजेता रवीन्द्रनाथ टैगोर की जयंती की पूर्व संध्या पर सांस्कृतिक कार्यक्रम धूमधाम से मनाया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ गुरुदेव एवं स्वामी विवेकानंद की तस्वीर पर दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के निदेशक विवेक कुमार सिंह, प्रधानाचार्य संजीव कुमार साव, उप प्रधानाचार्या स्वागता बनर्जी सहित शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। विद्यार्थियों ने भाषण, कविता-पाठ, गीत एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से गुरुदेव के जीवन एवं साहित्यिक योगदान को प्रस्तुत किया।विद्यालय निदेशक ने कहा कि टैगोर के विचार आज भी युवाओं को सृजनशीलता, मानवता एवं राष्ट्रप्रेम की प्रेरणा देते हैं। वहीं प्रधानाचार्य ने विद्यार्थियों को साहित्य एवं कला के माध्यम से अपनी प्रतिभा निखारने के लिए प्रेरित किया। अंत में उप प्रधानाचार्या ने धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यक्रम का संचालन कक्षा दसवीं की छात्रा तमन्ना परवीन ने किया।

स्वामी वी. आई. इंटरप्राइजेज के लिए प्रकाशक मानवेन्द्र कुमार सिंह एवं मुद्रक एस. एच. प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड, कांटीटांड, नियर टेंडर बगीचा, रातू, रांची -835222 द्वारा झारखंड से मुद्रित एवं एसटी-663/664, न्यू एसटी चौक, धुर्वा, रांची से प्रकाशित, संपादकः मानवेन्द्र कुमार सिंह (खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी) : फोन नं. 8709022665, PRGI N0. - JHAHIN/2014/59794

पिटकैर्न आइलैंड जहां कोई बसना नहीं चाहता

हर किसी का सपना होता है कि एक अच्छी जगह उसका अपना घर हो। घर ऐसी जगह हो, जहां पर शांति के साथ सभी सुख सुविधाएं मौजूद हों। घर बनाने के लिए एक आम आदमी अपने जीवन भर की कमाई का लगा देता है। अगर आपको कोई घर बनाने के लिए मुफ्त में जमीन दे, तो क्या इस ऑफर को छोड़ देंगे? लोगों को एक जगह मुफ्त में रहने के लिए जमीन मिल रही है, लेकिन कोई नहीं लेना चाहता है। जानते हैं कि आखिर इसकी वजह क्या है और जगह कहां पर है?

द्वीपों पर लोग शांति की तलाश में जरूर जाते हैं, लेकिन यहां बसना नहीं चाहते हैं। अगर आपको पता चले कि ऐसे स्थान पर मुफ्त में जमीन और घर मिल रहा है, तो आप क्या करेंगे? इसके साथ ही आपको पता चले कि ऐसी जगह पर फ्री में जमीन मिल रही है, लेकिन कोई नहीं चाहता है, तो आपको हैरानी होगी।

वर्तमान समय में कुछ देश बढ़ती जनसंख्या से परेशान हैं, तो ऐसे समय में एक जगह पर लोगों को बुलाकर बसाया जा रहा है, लेकिन क्या आप इस जगह पर जाना चाहेंगे? वह जगह पिटकैर्न आइलैंड है। यहां की सरकार जनसंख्या को लेकर

परेशान है। सरकार की तरफ से यहां पर आकर बसने वाले लोगों को मुफ्त में जमीन में दी जा रही है। हालांकि इसके बावजूद यहां पर साल 2015 से लेकर अभी तक सिर्फ एक ही आवेदन पत्र मिला है।

एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, यहां दुनिया का सबसे छोटा समुदाय है, जहां पर सिर्फ 50 लोग रहते हैं। यहां पर सिर्फ दो बच्चे हैं और यहां कोई स्कूल भी नहीं है। बच्चों को पढ़ने के लिए बाहर जाना पड़ता है। यहां शहरों की तरफ शोरगुल नहीं है और यहां पर लोग अपनी छोटी दुनिया में खुश रहते हैं।

यहां पर नहीं हैं ये सुविधाएं

इस द्वीप पर रहने वाली एक 21 वर्षीय टोरिका क्रिश्चियन का कहना है कि सिर्फ

मील लंबे और 1 मील चौड़ा यह आइलैंड दुनिया से अलग है। यहां पर कोई एयरपोर्ट नहीं है। यहां पर लोग सप्लाई वाले जहाजों से यात्रा करते हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि सप्लाई वाला जहां यहां पर हफ्ते में सिर्फ दो दिन आता है। यह जहाज पिटकैर्न आइलैंड से गैंबियर आइलैंड तक चलता है।

घूमने वाले लोग भी यहां इसी जहाज से आते हैं। साल 1978 में इस आइलैंड को बसाया गया था। यहां के लोगों की कमाई आइलैंड के स्टैंप, मॉडल शिप्स और फिश वॉल से कमाई करते हैं। यहां पर जनरल स्टोर, जिम, मेडिकल सेंटर, लाइब्रेरी, टूरिज्म ऑफिस और बेसिक सुविधाएं भी हैं। हालांकि यहां पर शांति होने की वजह से लोग यहां पर बसना नहीं चाहते हैं।

अंटार्कटिका में बर्फ के नीचे मिली ये हैरान करने वाली चीज, एलियन है या कुछ और...

दुनिया में एलियंस को लेकर अक्सर चर्चा होती रहती है। सोशल मीडिया पर एलियंस और इलुमिनाती को लेकर कई तरह थ्योरी वायरल हुई हैं। अब इस बीच एक हैरान करने वाली खोज ने लोगों का ध्यान अपनी तरफ खींचा है।

अंटार्कटिक में यह खोज हुई थी, जिसमें एक पिरामिड की तरह एक पहाड़ देखा गया था। कुछ लोगों ने इसे एलियंस से जोड़ था, तो कुछ लोगों का कहना था कि यह प्राचीन सभ्यता की निशानी है। लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि यह बर्फ का पिरामिड पूरी तरह से प्राकृतिक हैं। इसकी खोज अंटार्कटिक की एल्सवर्थ माउंटेन रेंज के दक्षिणी इलाके में सैटेलाइट की तस्वीरों से की गई थी। यह पिरामिड के अकारा है, लेकिन इसके आधार पर द्रव्यमान सिर्फ दो किलोमीटर की दूरी पर है। यह गीजा में मिस्र के पिरामिड से बिल्कुल विपरीत है। हालांकि, पिरामिड को लेकर सोशल मीडिया पर तरह-तरह के कयास लगाए गए।

कुछ लोगों ने यहां तक कह दिया कि प्राचीन सभ्यता और रहस्यमयी सोसाइटी इलुमिनाती से जुड़ा है। कई लोगों ने कहा कि प्रागैतिहासिक काल में अंटार्कटिक किसी समय वर्षावनों से भरा रहा होगा, जिसकी वजह से यहां ऐसी संरचनाएं अस्तित्व में आई होंगी। लेकिन, प्रोफेसर एरिक रिग्नॉट के नेतृत्व वाली टीम में शामिल भूविज्ञान विशेषज्ञों ने इस तरह की अटकलों की खारिज कर दिया था। बताया गया कि पिरामिड की तरह शेप के पहाड़ के पीछे की वजह ग्लेशियरों हैं। इसके साथ यह भी कहा गया है कि यह पूरी दुनिया के अलग-अलग स्थानों पर देखी जाने वाली एक प्राकृतिक घटना है। इन सभी के दावों के बाद भी अंटार्कटिक में मिले पिरामिड की शेप के पहाड़ को रोचक माना जाता है। इससे पता चलता है कि दुनिया में कितने आश्चर्य हैं। गौरतलब है कि इससे पहले भी कई कई चीजों को एलियन या फिर इलुमिनाती से जोड़कर देखा गया है। हालांकि कभी इन दोनों चीजों से जुड़े दावों की पुष्टि नहीं हो पाती है।

दक्षिण पूर्व एशिया में पाए जाने वाले टायसियर की एक आंख उसके दिमाग के बराबर है. वो आखों की पुतली को घुमा नहीं सकता; अगर उसे अपने आस-पास की किसी चीज़ को देखना है तो उसे अपना पूरा सिर उस तरफ़ घुमाना पड़ता है. लेकिन टारसियर की ये डरावनी आंखें ही उसकी ख़ासियत भी है, क्योंकि वह इनसे घोर अंधेरे में भी बड़ी आसानी से देख सकता है. चाहे कितना भी अंधेरा क्यों ना हो कीड़े-मकोड़े और छोटे परिंदें टारसियर की नज़र से बच नहीं सकते. उनकी आंखों की बनावट ऐसी है कि वो रोशनी के हर आखिरी फ़ोटोन को इकट्ठा कर सकता है. उनकी आंखें रात में देख सकने वाले किसी नाइट-विज़न चश्मे की तरह होती हैं.

नाइट-विज़न चश्मे की तरह होती हैं टारसियर की आंखें

टार्सियर अब फिलीपींस, मलेशिया, ब्रूनेई और इंडोनेशिया के दक्षिण पूर्व एशियाई द्वीपों तक सीमित हैं। वहाँ 10 टार्सियर प्रजातियाँ और चार उप-प्रजातियाँ हैं, जो बंदरों और वानरों के एक सहयोगी समूह से संबंधित हैं। विलुप्त होने से कुछ हद तक सभी टार्सियर प्रजातियों को खतरा है। किसी भी अन्य जानवर की तरह घूरने की क्षमता, अत्यधिक लंबी उंगलियां, मखमली मुलायम फर और झपट्टा मारकर कीड़े या यहां तक कि पक्षियों को पकड़ने की क्षमता के साथ, वे एक बार फिर देखने लायक हैं। यहां कुछ चीजें हैं जो टार्सियर को एक शानदार जानवर बनाती हैं।

टार्सियर्स की आंखें बहुत बड़ी होती हैं

किसी भी स्तनपायी के शरीर के आकार की तुलना में टार्सियर की आंखें सबसे बड़ी होती हैं। प्रत्येक नेत्रगोलक का व्यास लगभग 16 मिलीमीटर है, जो टार्सियर के पूरे मस्तिष्क जितना बड़ा है। आंखें इतनी बड़ी हैं कि उन्हें घुमाया नहीं जा सकता. इसके बजाय, टार्सियर उल्लू की तरह अपनी गर्दन को किसी भी दिशा में पूरे 180 डिग्री तक मोड़ सकते हैं। वे शिकार के लिए इधर-उधर घूमने के बजाय चुपचाप शिकार के आने का इंतजार करने की इस क्षमता का उपयोग करते हैं। उनकी आँखों का आकार संभवतः टेपेटम नामक परावर्तक परत की अनुपस्थिति से संबंधित है जो आम तौर पर अन्य रात्रिचर जानवरों की आँखों में पाई जाती है। 2 बच्चे खुली आँखों के साथ पैदा होते हैं, जन्म के एक घंटे के भीतर पेड़ों पर चढ़ने के लिए तैयार हो जाते हैं।

वे पूर्णतः मांसाहारी हैं

टार्सियर एकमात्र पूर्णतः मांसाहारी प्राइमेट हैं। जबकि विशिष्ट आहार प्रजातियों के साथ भिन्न होता है, उन सभी में एक चीज समान होती है- वे किसी भी प्रकार का पौधा नहीं खाते हैं। वे कीड़ों, छिपकलियों और सांपों जैसे सरीसृपों, मेंढकों, पक्षियों और यहां तक कि चमगादड़ों पर भी दावत देते हैं। वे गंभीर घात लगाकर हमला करने वाले शिकारी हैं, चुपचाप शिकार के पास आने का इंतजार करते हैं - और यहां तक कि हवा से पक्षियों और चमगादड़ों को भी झपट सकते हैं। क्षेत्रीय कथाओं पर आधारित पुराने ग्रंथों में बताया गया है कि टार्सियर चारकोल खाते हैं। यह रिपोर्ट असत्य है; इसके बजाय, टार्सियर कीड़ों तक पहुंचने के लिए लकड़ी का कोयला खोदते हैं।

उनके उपांग लम्बे हैं

टार्सियर्स को उनका नाम उनके पैरों में असाधारण रूप से लम्बी टारसस हड्डियों के कारण मिला है। जबकि टार्सियर का सिर और शरीर 4 से 6 इंच लंबा होता है, उनके पिछले पैर और पैर दोगुने लंबे होते हैं। उनके पास एक लंबी, आमतौर पर बाल रहित पूंछ होती है जो अतिरिक्त 8 या 9 इंच जोड़ती है। पेड़ की शाखाओं को पकड़ने में मदद करने के लिए उनकी उंगलियां अतिरिक्त लंबी होती हैं, और उनकी तीसरी उंगली उनकी पूरी ऊपरी भुजा जितनी लंबी होती है। उनके अंकों की युक्तियाँ डिस्क जैसे चिपकने वाले पैड में विस्तारित हो सकती हैं जो उन्हें पकड़ने में सहायता करती हैं। 2 यह अनूठी शारीरिक रचना टार्सियर को ऊर्ध्वाधर चिपकने वाला और चढ़ने वाला-और कूदने वाला बनने की अनुमति देती है। वे एक छलांग में अपने शरीर की लंबाई से 40 गुना अधिक छलांग लगा सकते हैं।

वे जमीन के करीब रहते हैं

टार्सियर आमतौर पर जमीन से 3 से 6.5 फीट की ऊंचाई पर रहते हैं। ये जानवर घने, अंधेरे वनस्पति वाले क्षेत्रों में रहना पसंद करते हैं। उन्हें विशेष रूप से सोने के लिए प्रचुर मात्रा में वृक्षों के आवरण की आवश्यकता होती है। वे दिन में किसी खड़ी पेड़ की शाखा या बांस से चिपक कर सोते हैं। वर्षावन की घनी वनस्पति और वन तल के करीब रहने से कीड़ों और अन्य शिकार तक अधिक पहुंच मिलती है। यह उनकी संवेदनशील आँखों को भी धूप से बचाता है। वे पुराने विकास और द्वितीयक वनों के साथ-साथ कम झाड़ीदार वनस्पतियों में भी पाए जा सकते हैं।

वे कैद में अच्छा प्रदर्शन नहीं करते

निवास स्थान और शिकार दोनों में टार्सियर की विशिष्ट ज़रूरतें बंदी प्रजनन कार्यक्रमों को लगभग असंभव बना देती हैं, और कैद में रखे गए लगभग 50% टार्सियर ही जीवित रहते हैं। जो टार्सियर तनावग्रस्त हैं या बहुत छोटे पिंजरों में हैं उनमें आत्महत्या की प्रवृत्ति होती है। विशेष तनाव के कारक हैं प्रकाश, शोर, अपने निवास स्थान में मनुष्य और छुआ जाना। वे अपनी पतली खोपड़ी को पेड़ों, फर्श या पिंजरे की दीवारों से टकराएंगे। पर्यावास संरक्षण ही उनकी एकमात्र आशा है। कैद में जीवन प्रत्याशा जंगली में 24 साल की तुलना में घटकर दो से 12 साल रह जाती है।

तीन प्रकार के होते हैं टार्सियर

टार्सियर तीन प्रकार के होते हैं- पूर्वी, पश्चिमी और फिलीपीन। पूर्वी टार्सियर सुलावेसी और आसपास के द्वीपों में निवास करते हैं, फिलीपीन टार्सियर फिलीपींस तक ही सीमित हैं और उनकी पूरी तरह से गंजी पूंछ और बाल रहित पैर हैं, जबकि ब्रुनेई, बोर्नियो, इंडोनेशिया और मलेशिया पश्चिमी टार्सियर की आबादी की मेजबानी करते हैं, जिनकी पूंछ अंत में गुच्छों के साथ होती है। फिलीपीन और पश्चिमी टार्सियर मुख्य रूप से तराई प्रजातियाँ हैं। पिग्मी प्रजाति को छोड़कर, पूर्वी टार्सियर कई आवासों और ऊंचाईयों में फैले हुए हैं, जो केवल 1,600 फीट से ऊपर पाई जाती है। ऐसा माना जाता था कि पिग्मी किस्म विलुप्त हो गई है जब इसे 1921 और 2008 के बीच नहीं देखा गया था।

टाइम ट्रेवल का रहस्य, क्या सच में समय से आगे जाना संभव है?

अक्सर हम सभी फिल्मों में टाइम ट्रेवल के बारे में देखते आ रहे हैं। कई बार ऐसी बहुत सी कहानी भी होती है, जब उसमें टाइम ट्रेवल के कांसेप्ट को सुनने का मौका मिलता है। इसका मतलब है कि समय से आगे जाकर या फिर समय से पीछे जाकर यात्रा करना। कई फिल्मों में चाहे वो हॉलीवुड हो या बॉलीवुड हो, ऐसा दिखाया गया है कि इसके लिए एक मशीन बनाई जाती है जो समय की गति को मोड़ देता है। वैसे तो इसे लेकर हर कोई एक्साइड रहता है, क्योंकि हर कोई अपने पास्ट में जाकर कुछ ना कुछ चीजों को बदलने का सोचता है, तो कई बार लोग अपने भविष्य में जाकर अपने साथ होने वाली चीजों को देखना चाहते हैं।

क्या है टाइम ट्रेवल?

बचपन से ही जब हम टाइम ट्रेवल के बारे में देखे या सुनते हैं, तो मन में ऐसी बात आती है कि काश हमें भी टाइम ट्रेवल से यात्रा करने का मौका मिलता। इसके लिए वह तरह-तरह के सपने भी देखने लगते हैं। खासकर नव युवकों में यह उत्सुकता होती है कि वह अपने भविष्य में जाकर आने वाले समय को जान सके। वहीं, कुछ ऐसे लोग भी होते हैं जो अपने अतीतकाल में जाकर अपनी चीजों को बदलना चाहते हैं, लेकिन बाद में वह ऐसा सोच लेते हैं कि यह सब बस कहने की बात होती है, क्योंकि समय अपनी गति से चलता ही रहता है। उसे कोई बदल नहीं सकता।

जानें कितनी है सच्चाई

एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, ऐसा एक ग्रुप है, जिसमें ऐसे ही फोटोस और वीडियो पोस्ट किए जाते हैं। इससे यह साबित होता है कि टाइम ट्रेवल असल में होता है, लेकिन इस बात में कितनी सच्चाई है इसके बारे में कोई नहीं जानता, लेकिन जानना हर कोई चाहता है। इसके लिए लोग तरह-तरह की न्यूज सोर्स भी तलाशते हैं, जब वह जानना चाहते हैं कि क्या यह सच है।

यात्रा करना संभव या नहीं?

आजकल सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अक्सर यह चीज देखने को मिलती है कि टाइम ट्रेवल को लेकर तरह-तरह के वीडियो शेयर किए जाते हैं और इसे लेकर रोचक तथ्य भी बताए जाते हैं, जिसे लोग बड़े रोमांचित होकर सुनते भी है, लेकिन वैज्ञानिकों द्वारा फिलहाल ऐसी कोई बात साबित नहीं हुई है कि समय के साथ यात्रा करना संभव है। यह केवल कहानियों में ही देखने को मिलती है कि लोग यात्रा करके समय से पहले या समय के बाद चले जा रहे हैं, लेकिन असल में ऐसा कुछ नहीं होता।

संपादकीय

लूट का कारोबार बनते प्राइवेट स्कूल

हर साल अप्रैल और मई का महीना आते ही देशभर के लाखों अभिभावकों के घरों में अदृश्य आर्थिक संकट शुरू हो जाता है। यह संकट किसी बीमारी, बेरोजगारी या प्राकृतिक आपदा का नहीं बल्कि बच्चों के नए शैक्षणिक सत्र का होता है। स्कूल खुलते ही फीस, किताबें, यूनिफॉर्म, कॉपियाँ, ट्रांसपोर्ट और अलग-अलग अनिवार्य खर्चों की लंबी सूची अभिभावकों के हाथ में थमा दी जाती है। सबसे बड़ा झटका किताबों के नाम पर लगता है। जिन किताबों की वास्तविक कीमत 50 या 100 रुपये होती है, वे स्कूल द्वारा तय दुकानों पर कई गुना ज्यादा दरों में बेची जाती है। छोटे बच्चों की किताबों का पूरा सेट 7 से 8 हजार रुपये तक पहुँच जाता है। मध्यमवर्गीय और गरीब परिवारों के लिए यह सीधी आर्थिक लूट से कम नहीं। विडंबना यह है कि शिक्षा को अधिकार और सेवा कहा जाता है लेकिन निजी स्कूलों ने इसे खुले बाजार का व्यापार बना दिया है। आज शिक्षा का उद्देश्य ज्ञान देना कम और मुनाफा कमाना ज्यादा दिखाई देता है। किताबों के नाम पर जो खेल चल रहा है, वह केवल अभिभावकों की जेब काटने का मामला नहीं बल्कि शिक्षा व्यवस्था की नैतिक गिरावट का भी बड़ा उदाहरण है। देश में एनसीईआरटी की किताबें उपलब्ध हैं, जो सस्ती भी हैं और राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त भी। सरकार स्वयं समय-समय पर एनसीईआरटी पाठ्यक्रम को लागू करने की बात करती है। फिर सवाल यह उठता है कि आखिर निजी स्कूल इन किताबों से परहेज क्यों करते हैं? इसका उत्तर सीधा है- कमीशन और मुनाफा। अनेक निजी स्कूल निजी प्रकाशकों के साथ समझौता कर लेते हैं। स्कूल अपने छात्रों पर उन्हीं प्रकाशकों की किताबें थोपते हैं और बदले में मोटा कमीशन प्राप्त करते हैं। यही कारण है कि हर साल नए संस्करण और नए पैटर्न के नाम पर किताबें बदली जाती हैं ताकि पुरानी किताबें किसी और बच्चे के काम न आ सकें। यह केवल आर्थिक शोषण नहीं बल्कि योजनाबद्ध व्यवसायिक मॉडल है। स्कूल, प्रकाशक और कुछ बुक डिपो मिलकर ऐसा नेटवर्क बना चुके हैं जिसमें अभिभावक केवल ग्राहक बनकर रह गया है। उसे मजबूर किया जाता है कि वह किताबें केवल स्कूल द्वारा निर्धारित दुकान से खरीदे। यदि कोई अभिभावक बाहर से वही किताबें लेने की कोशिश करे तो या तो किताबें उपलब्ध नहीं होतीं या फिर स्कूल के शिक्षक बच्चों पर दबाव बनाते हैं कि सही किताबें वही हैं जो स्कूल ने बताई हैं। स्थिति इतनी भयावह हो चुकी है कि कई परिवार बच्चों की पढ़ाई के लिए कर्ज लेने को मजबूर हैं। एक मजदूर, किसान, छोटा दुकानदार या नौकरीपेशा व्यक्ति जब दो या तीन बच्चों के स्कूल खर्च का हिसाब लगाता है तो उसकी आधी कमाई केवल शिक्षा पर चली जाती है। फीस अलग, किताबें अलग, यूनिफॉर्म अलग और गतिविधियों के नाम पर अलग वसूली।

आज का राशिफल

मेष : कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह बना रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होंगी।

वृष : अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे।

मिथुन : कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी।

कर्क : कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुखदायी समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी।

सिंह : रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। मनोविनोद बढ़ेगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा।

कन्या : धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे।

तुला : पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है।

वृश्चिक : अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा।

धनु : हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात दूर हो जाएगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। परिवारजन का सहयोग काम को बनाना आसान करेगा।

मकर : परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा।

कुंभ : विद्यार्थियों को लाभ। मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ।

मीन : शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

दैनिक पंचांग

9 मई 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

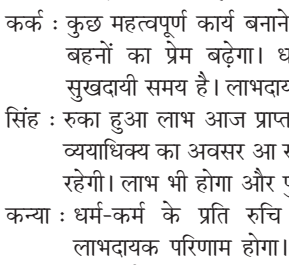

ग्रह	स्थिति
सूर्य	मेष में
चंद्र	मकर में
मंगल	मीन में
बुध	मेष में
गुरु	मिथुन में
शुक्र	वृष में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 9.00 से 10.30 बजे तक

लग्नारंभ समय	
वृष	05.47 बजे से
मिथुन	07.45 बजे से
कर्क	09.58 बजे से
सिंह	12.14 बजे से
कन्या	14.26 बजे से
तुला	16.37 बजे से
वृश्चिक	18.52 ब.से
धनु	21.08 बजे से
मकर	23.13 बजे से
कुंभ	00.59 बजे से
मीन	02.32 बजे से
मेष	04.02 बजे से

शनिवार 2026 वर्ष का 129 वा दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** ग्रीष्म। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** ज्येष्ठ (दक्षिण भारत में वैशाख) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** सप्तमी 14.03 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** श्रवण 23.25 बजे को समाप्त। **योग** शुक्ल(शुक्र) 02.36 बजे रात्र को समाप्त। **करण** बव 14.03 बजे तदनन्तर बालव 02.41 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 21.5 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 17° 18' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872704 **जूलियन दिन** 2461169.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** जिल्काद **तारीख** 21 **विशेष** कालाष्टमी, मासिक कृष्ण जन्माष्टमी।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
काल	05.55	से 07.23	बजे तक	लाभ	05.37	से 07.10	बजे तक
शुभ	07.23	से 08.51	बजे तक	उद्वेग	07.10	से 08.42	बजे तक
रोग	08.51	से 10.19	बजे तक	शुभ	08.42	से 10.14	बजे तक
उद्वेग	10.19	से 11.46	बजे तक	अमृत	10.14	से 11.47	बजे तक
चर	11.46	से 01.14	बजे तक	चर	11.47	से 01.19	बजे तक
लाभ	01.14	से 02.42	बजे तक	रोग	01.19	से 02.51	बजे तक
अमृत	02.42	से 04.10	बजे तक	काल	02.51	से 04.23	बजे तक
काल	04.10	से 05.37	बजे तक	लाभ	04.23	से 05.56	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

सत्ता की जिद और लोकतंत्र का संकट

नीरज कृष्ण

डॉ. आंबेडकर ने संविधान सभा में एक गहरी चेतावनी दी थी किसंविधान कितना भी श्रेष्ठ क्यों न हो, यदि उसे संचालित करने वाले लोग संवैधानिक मयार्दा और लोकतांत्रिक आचरण का पालन न करें, तो उसकी आत्मा धीरे-धीरे क्षीण हो जाती है। पश्चिम बंगाल के हालिया राजनीतिक संकट ने डॉ. आंबेडकर की इसी चेतावनी को असहज रूप से प्रासंगिक बना दिया। चुनावी पराजय के बाद ममता बनर्जी का इस्तीफा न देने और विधानसभा भंग न करने पर अड़े रहना केवल एक राजनीतिक निर्णय नहीं था; यह लोकतांत्रिक परंपराओं और संवैधानिक नैतिकता की परीक्षा बन गया। उनका तर्क था कि वे जनता से नहीं, बल्कि कथित प्रशासनिक हस्तक्षेप और ह्यएसआईआरह्ण प्रक्रिया के कारण हारी हैं। पर लोकतंत्र में जनादेश का अर्थ यही होता है कि अंतिम निर्णय मतदाता का माना जाए, न कि पराजित सत्ता की व्याख्या का। परिणामस्वरूप, एक ऐसा संवैधानिक गतिरोध उत्पन्न हुआ, जिसने भारतीय संघीय लोकतंत्र को असहज प्रश्नों के सामने ला खड़ा किया। भारतीय संसदीय लोकतंत्र की पूरी संरचना इसी सिद्धांत पर टिकी है कि सरकार बहुमत के नैतिक और संवैधानिक विश्वास से चलती है। यदि चुनाव परिणामों को स्वीकार करने के बजाय सत्ता को वैधता के संकट में धकेला जाए, तो लोकतंत्र संवाद से अधिक टकराव में बदलने लगता है। यही कारण है कि बंगाल का यह संकट केवल एक राज्य का राजनीतिक विवाद नहीं, बल्कि उस मूल प्रश्न का प्रतीक बन गया कि क्या सत्ता जनादेश से बड़ी हो सकती है?

लोकतंत्र केवल चुनाव जीतने या हारने की प्रक्रिया नहीं; उसकी वास्तविक आत्मा जनादेश को विनम्रता से स्वीकार करने की संवैधानिक नैतिकता में निहित होती है। भारत की संसदीय परंपरा में ह्लसांविधानिक नैतिकताह्व केवल एक कानूनी अवधारणा नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक आचरण की आधारशिला मानी गई है। यही कारण है किउच्चतम न्यायालयने अपने अनेक ऐतिहासिक निर्णयों में इसे लोकतंत्र का मूल तत्व बताया है। वर्ष 1994 में एसआर बोम्मई बनाम भारत संघ के ऐतिहासिक निर्णय ने भारतीय लोकतंत्र को एक गहरी संवैधानिक दिशा दी थी। शीर्ष न्यायालय ने स्पष्ट कहा कि लोकतंत्र केवल बहुमत की गणना भर नहीं है; वह संविधान की आत्मा, उत्तरदायित्व और संवैधानिक मयार्दाओं से संचालित व्यवस्था है। यदि सत्ता केवल संख्याओं के अहंकार में बदल जाए, तो लोकतंत्र की मूल भावना ही कमजोर पड़ जाती है।

इसी संवैधानिक दृष्टि को आगे बढ़ाते हुए वर्ष 2016 के नबाम रेबिया मामला में न्यायमूर्ति जे. एस. खेहर की अध्यक्षता वाली संविधान पीठ ने कहा कि संवैधानिक पदों पर बैठे व्यक्तियों का आचरण राजनीतिक सुविधा से नहीं, बल्कि संविधान की आत्मा से निर्देशित होना चाहिए। अधिकारों का प्रयोग यदि नैतिक उत्तरदायित्व से कट जाए, तो संवैधानिक संस्थाएँ केवल औपचारिक ढाँचे बनकर रह जाती हैं। दरअसल, संविधान केवल अनुच्छेदों का संग्रह नहीं; वह लोकतांत्रिक संयम और मयार्दा की जीवित परंपरा है। जब राजनीतिक जिद संवैधानिक नैतिकता पर हावी होने लगे, तब संकट केवल सरकार का नहीं, बल्कि लोकतंत्र की विश्वसनीयता का बन जाता है। भारतीय संविधान के अनुसार संसदीय लोकतंत्र का मूल सिद्धांत यह है कि सरकार वही चला सकती है, जिसके पास विधानसभा में बहुमत हो। यदि मुख्यमंत्री बहुमत खो देता है, तो परंपरा और संवैधानिक नैतिकता दोनों यही अपेक्षा करते हैं कि वह इस्तीफा दे या सदन में बहुमत सिद्ध करे। यदि किसी राज्य का मुख्यमंत्री त्यागपत्र देने से इन्कार करे या यह संदेश देने लगे कि उसके बिना व्यवस्था चल ही नहीं सकती, तो यह लोकतांत्रिक संस्थाओं की सामूहिक शक्ति को कम करके आंकने जैसा है। लोकतंत्र किसी एक व्यक्ति की इच्छा पर नहीं, बल्कि संस्थागत निरंतरता पर आधारित होता है। भारतीय संविधान ने सत्ता के शांतिपूर्ण हस्तांतरण के लिए स्पष्ट और संतुलित व्यवस्था दी है। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 163 और भारतीय संविधान का अनुच्छेद 164 राज्यपाल को यह सुनिश्चित करने की शक्ति देते हैं कि राज्य में ऐसी सरकार बने, जो विधानसभा के बहुमत का विश्वास रखती हो। जब यह स्पष्ट हो गया कि राजनीतिक अस्थिरता राज्य प्रशासन को पंगु बना रही है और सरकार बहुमत के प्रश्न पर स्पष्ट स्थिति नहीं दे पा रही, तबपश्चिम बंगाल के राज्यपालने अपने संवैधानिक अधिकारों का प्रयोग किया। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 174 राज्यपाल को विधानसभा को बुलाने, स्थगित करने और विशेष परिस्थितियों में भंग करने की शक्ति देता है। यद्यपि सामान्यतः राज्यपाल मंत्रिपरिषद की सलाह पर कार्य करते हैं, परंतु संवैधानिक संकट की स्थिति में उन्हें सीमित विवेकाधिकार भी प्राप्त होते हैं– विशेषकर तब, जब यह तय करना हो कि राज्य में स्थिर सरकार संभव है या नहीं।

लोकतंत्र की असली शक्ति सत्ता में बने रहने की जिद में नहीं, बल्कि जनादेश को स्वीकार करने की राजनीतिक मयार्दा में निहित होती है। क्योंकि व्यक्ति अस्थायी होते हैं, पर संस्थाएँ और संविधान स्थायी। भारतीय राजनीति में त्यागपत्र केवल संवैधानिक औपचारिकता नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक विनम्रता और नैतिक उत्तरदायित्व का प्रतीक माना गया है। सत्ता का वास्तविक अर्थ पद पर बने रहना नहीं, बल्कि जनादेश का सम्मान करना है। यही कारण है कि संसदीय लोकतंत्र में पराजय के बाद त्यागपत्र को हार नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक परिपक्वता का संकेत माना जाता है। चुनाव में करारी हार के बाद ममता बनर्जी द्वारा मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने से इनकार केवल एक राजनीतिक निर्णय नहीं, बल्कि लोकतंत्र की मूल भावना को चुनौती देने वाला कदम प्रतीत होता है। जनादेश लोकतंत्र की आत्मा है, और उसकी स्वीकृति ही लोकतांत्रिक परंपराओं की सबसे बड़ी कसौटी मानी जाती है। ऐसे में परिणामों को स्वीकार करने के बजाय सत्ता पर बने रहने की जिद पश्चिम बंगाल में पहले से व्याप्त तनाव और अराजकता को और अधिक भड़का सकती है यह स्थिति इसलिए भी अभूतपूर्व और दुर्भाग्यपूर्ण मानी जा रही है, क्योंकि भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में शायद यह पहला अवसर है, जब किसी मुख्यमंत्री ने स्पष्ट चुनावी पराजय के बाद भी पद छोड़ने से इनकार किया हो। लोकतंत्र में न तो कोई हार अंतिम होती है और न ही कोई जीत स्थायी; जनता समय-समय पर अपना निर्णय बदलती रहती है। लेकिन केवल संदेह, आरोप या राजनीतिक असहमति के आधार पर जनादेश की वैधता को अस्वीकार करना लोकतांत्रिक मयार्दाओं को कमजोर करता है। निस्संदेह, चुनाव आयोग की निष्पक्षता या प्रशासनिक प्रक्रिया पर सवाल उठाना किसी भी राजनीतिक दल का अधिकार है। यदि ममता बनर्जी को चुनाव प्रक्रिया पर संदेह है, तो वे अदालत का दरवाजा खटखा सकती हैं, कानूनी लड़ाई लड़ सकती हैं या लोकतांत्रिक आंदोलन चला सकती हैं। परंतु संवैधानिक व्यवस्था के भीतर संघर्ष और सत्ता से चिपके रहने की जिद इन दोनों में मूलभूत अंतर है। लोकतंत्र की शक्ति संस्थाओं पर विश्वास और जनादेश को स्वीकार करने की राजनीतिक विनम्रता में निहित होती है, न कि पराजय के बाद सत्ता को वैध ठहराने की जिद में। ममता बनर्जी निस्संदेह भारतीय राजनीति की उन विरल नेताओं में हैं, जिन्होंने संघर्ष को अपनी सबसे बड़ी राजनीतिक पूंजी बनाया। जिस जुझारूपन से उन्होंने कभी वाम मोर्चा की दशकों पुरानी सत्ता को चुनौती दी थी, उसने उन्हें भारतीय लोकतंत्र में एक अलग पहचान दी। लेकिन राजनीति केवल संघर्ष का नाम नहीं; वह समय के साथ भूमिका बदलने की कला भी है। सत्ता तक पहुँचने का साहस जितना महत्वपूर्ण होता है, सत्ता से बाहर होने की गरिमा उससे कम महत्वपूर्ण नहीं होती। लोकतंत्र नदी की तरह है–वह किसी एक तट की स्थायी संपत्ति नहीं होता। 2011 में ह्लपरिवर्तनह्व का जो ज्वार बंगाल की गलियों में उठा था, वह इसी लोकतांत्रिक प्रवाह की अभिव्यक्ति था। पर यदि वही परिवर्तन आज जनादेश को स्वीकारने में संकोच करने लगे, तो इतिहास उसे विडंबना की तरह याद करता है। ममता बनर्जी को यह समझना होगा कि जनादेश केवल विजय का उत्सव नहीं, पराजय की विनम्र स्वीकृति भी है। विपक्ष में बैठना लोकतंत्र की हार नहीं, बल्कि उसकी परिपक्वता का प्रमाण होता है। यदि शिकायतें हैं, तो उनके समाधान के लिए संविधान और न्यायिक संस्थाएँ मौजूद हैं; लेकिन राजनीतिक जिद लोकतांत्रिक नैतिकता का विकल्प नहीं बन सकती। बंगाल ने हमेशा विचार, प्रतिरोध और आत्ममंथन की संस्कृति को जन्म दिया है। इसलिए शायद आज इस भूमि को सबसे अधिक आवश्यकता किसी विजेता की नहीं, बल्कि उस राजनीतिक विनम्रता की है, जो यह स्वीकार सके कि सत्ता क्षणभंगुर है, पर लोकतंत्र शाश्वत। यह पूरा घटनाक्रम केवल एक राजनीतिक विवाद नहीं था; यह भारतीय लोकतंत्र में ह्लजनादेश बनाम जिदह्व का दुर्लभ उदाहरण बन गया। विपक्ष इसे लोकतांत्रिक परंपराओं के विरुद्ध सत्ता से चिपके रहने की कोशिश बता रहा था, जबकि समर्थकों का तर्क था कि चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता ही संदिग्ध थी। लेकिन लोकतंत्र का संकट यहीं पैदा होता है कि जब हार को राजनीतिक षड्यंत्र और सत्ता को व्यक्तिगत अधिकार मान लिया जाता है।

भारतीय लोकतंत्र की शक्ति केवल संविधान की धाराओं में नहीं, बल्कि उन अलिखित परंपराओं में भी निहित है, जो सत्ता परिवर्तन को शांतिपूर्ण और वैध बनाती हैं। यदि हर पराजित सरकार जनादेश को अस्वीकार कर संवैधानिक संस्थाओं पर अविश्वास जताने लगे, तो लोकतंत्र चुनावी प्रक्रिया से अधिक स्थायी संघर्ष में बदल जाएगा। यह संकट एक गहरी चेतावनी भी है कि लोकतंत्र में जनादेश अंतिम होता है, और संवैधानिक संस्थाओं की विश्वसनीयता उसी समय तक सुरक्षित रहती है, जब तक राजनीतिक नेतृत्व अपनी सीमाओं को स्वीकार करता है। क्योंकि सत्ता अस्थायी हो सकती है, पर संविधान की आत्मा स्थायी होती है। वर्तमान भारतीय राजनीति एक ऐसे संक्रमणकाल से गुजर रही है, जहाँ लोकतंत्र का नैतिक संतुलन लगातार सत्ता, प्रतिरोध और अराजकता के बीच झूलता दिखाई देता है। राजनीति अब केवल विचारधारा या जनसेवा का माध्यम नहीं रह गई; वह धीरे-धीरे अस्तित्व की लड़ाई, भावनात्मक ध्रुवीकरण और शक्ति-प्रदर्शन का अखाड़ा बनती जा रही है। यही कारण है कि संसद और विधानसभाओं में शुरू होने वाले संघर्ष अंततः सड़कों पर उतर आते हैं, जहाँ संवाद की जगह नारों का शोर और लोकतांत्रिक असहमति की जगह प्रतिशोध की मानसिकता ले लेती है। पश्चिम बंगाल की वर्तमान परिस्थितियाँ इसी गहरे संकट का सबसे तीखा उदाहरण बनकर उभरी हैं। समस्या केवल किसी एक दल या नेता की नहीं है; यह पूरे राजनीतिक चरित्र के बदलने का संकेत है। सत्ता पक्ष हर असहमति को अस्थिरता और षड्यंत्र की तरह देखने लगता है, जबकि विपक्ष हर निर्णय को दमन और लोकतंत्र के अंत की तरह प्रस्तुत करता है। परिणामस्वरूप, राजनीति संवाद की कला खो देती है और संघर्ष स्थायी मनःस्थिति बन जाता है। सबसे खतरनाक स्थिति तब पैदा होती है, जब जनता भी इस टकराव को लोकतंत्र का स्वाभाविक रूप मानने लगती है। धीरे-धीरे राजनीतिक हिंसा सामान्य प्रतीत होने लगती है, संस्थाओं पर भरोसा कमजोर पड़ता है और सड़क ही अंतिम न्यायालय बन जाती है। बंगाल की घटनाएँ इसी भयावह संभावना की ओर संकेत करती हैं–जहाँ लोकतंत्र का तापमान इतना बढ़ जाता है कि संवैधानिक मयार्दाएँ भी भावनात्मक उन्माद के सामने कमजोर पड़ने लगती हैं। लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति उसकी सहमति बनाने की क्षमता होती है, न कि स्थायी टकराव की। यदि राजनीति केवल सत्ता बचाने और सत्ता छीनने की जिद में बदल जाए, तो अंततः हार किसी दल की नहीं, लोकतंत्र की होती है।

(लेखक का निजी विचार)

तमिलनाडु: हिंदू बहुसंख्यक राज्य में भी द्रविड़ राजनीति क्यों पड़ती है भारी?

– डॉ. प्रियंका सौरभ

भारत की राजनीति को अक्सर सरल समीकरण में समझने की कोशिश की जाती है- जहाँ हिंदू आबादी अधिक होगी, वहाँ भारतीय जनता पार्टी स्वतः मजबूत होगी। लेकिन तमिलनाडु इस धारणा को चुनौती देता है। तमिलनाडु में हिंदू आबादी लगभग 85 प्रतिशत से अधिक है। राज्य मंदिरों, परंपराओं और धार्मिक आस्थाओं के लिए प्रसिद्ध है, फिर भी भाजपा यहाँ अब तक वैसी राजनीतिक सफलता हासिल नहीं कर पाई जो उसे उत्तर और पश्चिम भारत के कई राज्यों में मिली। सवाल यह है कि आखिर ऐसा क्यों है? क्या तमिलनाडु की राजनीति धर्म से अलग किसी और आधार पर चलती है? या भाजपा राज्य की सामाजिक और सांस्कृतिक मानसिकता को अब तक पूरी तरह समझ नहीं पाई? तमिलनाडु को समझने के लिए सबसे पहले उसके राजनीतिक इतिहास को समझना जरूरी है। यह राज्य केवल चुनावी राजनीति से नहीं बल्कि एक बड़े सामाजिक आंदोलन से प्रभावित रहा है। बीसवीं सदी में ई. वी. रामासामी यानी पेरियार के नेतृत्व में द्रविड़ आंदोलन शुरू हुआ। इस आंदोलन का मुख्य उद्देश्य ब्राह्मणवादी वर्चस्व, जातिगत ऊँच-नीच और उत्तर भारतीय प्रभुत्व का विरोध था। पेरियार ने तर्कवाद, सामाजिक न्याय और क्षेत्रीय अस्मिता को राजनीति का केंद्र बनाया। बाद में इसी विचारधारा से डीएमके और एआईएडीएमके जैसी शक्तिशाली पार्टियाँ उभरीं। यही वह बिंदु है जहाँ तमिलनाडु की राजनीति बाकी भारत से अलग हो जाती है। उत्तर भारत में जहाँ धार्मिक पहचान अक्सर चुनावी राजनीति का बड़ा आधार बनती है, वहीं तमिलनाडु में ह्लतमिल पहचानह्व अधिक महत्वपूर्ण रही। यहाँ भाषा, संस्कृति और क्षेत्रीय गर्व को राजनीति के केंद्र में रखा गया। लोगों के भीतर यह भावना गहरी रही कि दिल्ली की राजनीति तमिल समाज की विशिष्टता को पूरी तरह नहीं समझती। भाजपा को कई बार इसी कारण उत्तर भारतीय पार्टी के रूप में देखा गया। तमिलनाडु में हिंदी विरोध का इतिहास भी भाजपा के लिए बड़ी चुनौती बना। 1960 के दशक में जब हिंदी को राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ावा देने की कोशिश हुई, तब तमिलनाडु में बड़े आंदोलन हुए। लोगों को लगा कि उनकी भाषा और संस्कृति पर खतरा है। यही आंदोलन द्रविड़ दलों को मजबूत बनाने का कारण बना। आज भी तमिल पहचान और भाषा का मुद्दा यहाँ बेहद संवेदनशील है। भाजपा भले हिंदी थोपने से इनकार करे लेकिन उसके राष्ट्रीय विमर्श को कई लोग हिंदी और उत्तर भारतीय संस्कृति के प्रभाव से जोड़कर देखते हैं। यह कहना गलत होगा कि तमिलनाडु में हिंदू धर्म का प्रभाव नहीं है। राज्य में प्रसिद्ध मंदिरों की लंबी परंपरा है- मीनाक्षी अम्मन मंदिर, रामनाथस्वामी मंदिर और बृहदीश्वर मंदिर जैसे धार्मिक स्थल केवल पूजा के केंद्र नहीं बल्कि तमिल संस्कृति और गौरव का हिस्सा भी हैं। लेकिन तमिलनाडु में धार्मिक आस्था का अर्थ हमेशा राजनीतिक हिंदुत्व नहीं रहा। यहाँ लोग मंदिरों में गहरी श्रद्धा रखते हैं लेकिन वोट देते समय क्षेत्रीय हित, सामाजिक न्याय और स्थानीय नेतृत्व को प्राथमिकता देते हैं। भाजपा की सबसे बड़ी चुनौती यह रही कि वह लंबे समय तक तमिलनाडु में मजबूत स्थानीय नेतृत्व तैयार नहीं कर पाई। उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ, गुजरात में नरेन्द्र मोदी और मध्य प्रदेश में शिवराज सिंह चौहान समय-समय पर भाजपा की क्षेत्रीय ताकत का चेहरा बने। लेकिन तमिलनाडु में दशकों तक पार्टी के पास ऐसा कोई जनाधार वाला नेता नहीं था जो आम तमिल मतदाता से भावनात्मक जुड़ाव बना सके। हाल के वर्षों में के. अन्नामलाई ने भाजपा को नई ऊर्जा दी है लेकिन अभी भी पार्टी का संगठन राज्य के ग्रामीण और पिछड़े इलाकों में उतना मजबूत नहीं जितना द्रविड़ दलों का है। तमिलनाडु की राजनीति में सामाजिक न्याय और आरक्षण का मुद्दा बेहद महत्वपूर्ण है। द्रविड़ आंदोलन ने पिछड़े वर्गों और गैर-ब्राह्मण समुदायों को राजनीतिक शक्ति दी। यही कारण है कि राज्य में सामाजिक न्याय की राजनीति बहुत गहराई से स्थापित हो चुकी है। भाजपा की छवि लंबे समय तक अलग रही है। हालाँकि भाजपा ने अब पिछड़े वर्गों और दलित समुदायों तक पहुँच बढ़ाने की कोशिश की है लेकिन तमिलनाडु में द्रविड़ दलों की सामाजिक पकड़ अब भी ज्यादा मजबूत है। इसके अलावा तमिलनाडु में कल्याणकारी राजनीति का मॉडल भी दूसरे दलों के लिए चुनौतीपूर्ण है। मुफ्त राशन, महिला सहायता योजनाएँ, छात्रवृत्तियाँ, स्वास्थ्य सेवाएँ और सब्सिडी जैसी योजनाओं ने द्रविड़ दलों को जनता से गहराई से जोड़े रखा। यहाँ मतदाता केवल वैचारिक मुद्दों पर नहीं, बल्कि रोजमर्रा की सुविधाओं और राज्य सरकार की योजनाओं के आधार पर भी वोट करते हैं। भाजपा का राष्ट्रीय विकास मॉडल लोगों को आकर्षित करता है लेकिन तमिलनाडु में स्थानीय कल्याणकारी राजनीति की पकड़ बहुत मजबूत है। एक और महत्वपूर्ण पहलू यह है कि तमिलनाडु में राजनीति का भावनात्मक केंद्र ह्लक्षेत्रीय स्वाभिमानह्व रहा है। यहाँ लोग खुद को पहले तमिल मानते हैं- हालाँकि इसका अर्थ अलगाववाद नहीं बल्कि सांस्कृतिक गर्व है। भाजपा का राष्ट्रवादी विमर्श कई बार इस क्षेत्रीय अस्मिता से टकराता दिखाई देता है। द्रविड़ दल इस भावना को लगातार मजबूत करते रहे हैं कि वे 'तमिल हितों' के असली रक्षक हैं। यह भी सच है कि भाजपा पूरी तरह कमजोर नहीं है। पिछले कुछ वर्षों में उसका वोट प्रतिशत बढ़ा है। शहरी क्षेत्रों, शिक्षित युवाओं और कुछ मध्यमवर्गीय समूहों में पार्टी ने अपनी उपस्थिति मजबूत की है। सोशल मीडिया और राष्ट्रवादी मुद्दों के माध्यम से भाजपा ने राज्य में नई राजनीतिक जगह बनाने की कोशिश की है। लेकिन वोट प्रतिशत बढ़ना और सत्ता तक पहुँचना दोनों अलग बातें हैं। तमिलनाडु में द्रविड़ दलों का संगठनात्मक नेटवर्क, बूथ स्तर की पकड़ और दशकों पुरानी राजनीतिक संस्कृति भाजपा के लिए बड़ी बाधा बनी हुई है। इसके साथ ही गठबंधन की राजनीति भी एक महत्वपूर्ण कारण है। तमिलनाडु में चुनाव अक्सर बड़े गठबंधनों के आधार पर लड़े जाते हैं। द्रविड़ दलों ने समय-समय पर राष्ट्रीय पार्टियों को अपने साथ जोड़कर चुनावी समीकरण मजबूत किए। भाजपा कभी एआईएडीएमके के साथ रही लेकिन यह गठबंधन उसे व्यापक जनसमर्थन में तब्दील नहीं करा पाया। कई मतदाता भाजपा को सहयोगी पार्टी के रूप में स्वीकार करते हैं लेकिन मुख्य शक्ति के रूप में नहीं। तमिलनाडु की राजनीति यह भी दिखाती है कि भारत केवल धार्मिक पहचान से नहीं चलता। यहाँ भाषा, संस्कृति, जातीय संरचना, सामाजिक न्याय और क्षेत्रीय भावनाएँ मिलकर राजनीति को आकार देती हैं।

(लेखक का निजी विचार)

मारवाड़ी युवा मंच ने पक्षियों एवं पशुओं के संरक्षण का संदेश दिया

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

झुमरीतिलैया। आज आधुनिकता और विकास की दौड़ में मानव निरंतर प्रकृति से दूर होता जा रहा है। बड़े-बड़े भवनों, पेड़ों की अंधाधुंध कटाई, बढ़ते प्रदूषण एवं जल संकट के कारण पक्षियों का प्राकृतिक आवास समाप्त होता जा रहा है। परिणामस्वरूप कई पक्षियों की संख्या लगातार कम होती जा रही है। ऐसे समय में विश्व पक्षी दिवस हमें यह संदेश देता है कि केवल विकास ही नहीं, बल्कि प्रकृति और जीवों का संरक्षण भी हमारी जिम्मेदारी है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी युवा मंच द्वारा 16 अप्रैल से 16 मई तक जीव अमृत धारा उत्सव का आयोजन जारी है। इस विशेष अभियान के अंतर्गत झारखंड की 82 शाखाओं से पशु-पक्षियों के लिए सेवा कार्य किया जारहा है। उत्सव के दौरान विभिन्न स्थानों पर पक्षियों के लिए पानी के पात्र एवं दाना की व्यवस्था की जाएगी, वहीं पशुओं के लिए चारा एवं पानी उपलब्ध कराया जाएगा। गर्मी के इस मौसम में यह पहल न केवल जीवों के लिए राहत का कार्य करेगी, बल्कि समाज में जीव दया एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता भी बढ़ाएगी। जीवदया संयोजक सारिका लड्ढा ने कहा कि पक्षियों की चहचहाहट प्रकृति की सुंदरता है। यदि पक्षी सुरक्षित रहेंगे, तभी पर्यावरण का संतुलन भी बना रहेगा। उन्होंने सभी नागरिकों से अपने घरों एवं आसपास पानी के छोटे पात्र रखने तथा जीवों के प्रति संवेदनशील बनने की अपील की, और कहा कि पक्षियों का संरक्षण और उनके आवासों की रक्षा के लिए समाज के अंतिम व्यक्ति तक जागरूकता फैलाने का कार्य किया जा रहा है। इस वर्ष का थीम हर पक्षी मायने रखता है आपके अवलोकन से ही आसमानों में उड़ने वाले पक्षियों की रक्षा हो सकती है। इसके लिए समाज, छात्र-छात्राओं को शपथ लेने की जरूरत है। पशु पक्षियों की रक्षा के लिए आगे आने की जरूरत है और अपने घर, आंगन, छतों और गली मोहल्ले में मिट्टी के शिकोरे, नाद रखकर उनकी सेवा का संकल्प ले। मंच के द्वारा पक्षियों के लिए मिट्टी के बर्तन, पशुओं के लिए पानी के टब एवं नाद की व्यवस्था तथा गौशालाओं में जल सेवा एवं चारा वितरण आदि के आयोजन करने के लिए लोगों को आग्रह किया गया है।

ब्लड डोनेशन कैंप के अभाव का दंश झेल रहा चतरा ब्लड बैंक

खुद की पहचान और रक्त मित्र समूह के भरोसे जरूरतमंदों की बच रही जान

चतरा। जिले का ब्लड बैंक इन दिनों रक्तदान शिविरों के अभाव का गंभीर दंश झेल रहा है। जिले में नियमित रूप से ब्लड डोनेशन कैंप नहीं लगने के कारण जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराना बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। ऐसे हालात में ब्लड बैंक अपनी पहचान, रक्त मित्र समूह और कुछ साहसी रक्तवीरों के सहयोग से किसी तरह व्यवस्था संभाल रहा है। चतरा में लगभग 60 से 70 मरीज थैलेसीमिया जैसी गंभीर बीमारी से पीड़ित हैं। इन मरीजों को प्रत्येक माह नियमित रूप से निःशुल्क रक्त की आवश्यकता होती है। विशेष बात यह है कि इनसे न तो ब्लड लिया जा सकता है और न ही ब्लड जांच का प्रोसेसिंग चार्ज लिया जाता है। इसके अलावा कैंसर पीड़ित मरीजों, आदिम जनजाति बिरहोर परिवारों सहित अन्य जरूरतमंदों को भी निःशुल्क रक्त उपलब्ध कराया जाता है। ऐसे में कई बार स्थिति इतनी गंभीर हो जाती है कि जरूरतमंदों को रक्त मुहैया कराना मुश्किल प्रतीत होने लगता है। हालांकि इस संकट की घड़ी में रक्त मित्र समूह के सदस्य, सामाजिक पहचान के माध्यम से जुड़े लोग और रक्तदान के प्रति समर्पित युवा आगे आते हैं।

डीसी ने स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक की

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

कोडरमा। उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता की अध्यक्षता में आज जिला स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में निमार्णाधीन करमा मेडिकल कॉलेज एवं सदर अस्पताल से संबंधित विभिन्न निर्माण कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक के दौरान उपायुक्त ने संबंधित कार्य एजेंसियों एवं अधिकारियों से निर्माण कार्यों की वर्तमान स्थिति की जानकारी लेते हुए कार्यों को निर्धारित समयसीमा के भीतर पूर्ण करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ी परियोजनाएं जनहित से सीधे जुड़ी हुई हैं, इसलिए सभी निर्माण कार्य गुणवत्ता एवं समयबद्धता के साथ पूर्ण किए जाएं। उपायुक्त ने करमा मेडिकल कॉलेज के निर्माण कार्य में तेजी लाने, परिसर में विद्युत सब-स्टेशन की स्थापना सुनिश्चित करने तथा सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए चहारदीवारी निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्माण कार्यों की नियमित निगरानी करते हुए मासिक प्रगति प्रतिवेदन उपलब्ध कराने को कहा। बैठक में स्वास्थ्य विभाग एवं संबंधित निर्माण एजेंसियों के अधिकारियों को आपसी समन्वय स्थापित कर कार्यों में आ रही समस्याओं का त्वरित समाधान करने का निर्देश दिया गया, ताकि परियोजनाओं को निर्धारित अवधि में पूर्ण कर आमजनों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें। बैठक में उप विकास आयुक्त रवि जैन, सिविल सर्जन, स्वास्थ्य विभाग के पदाधिकारी, संबंधित निर्माण एजेंसियों के प्रतिनिधि एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण, कई दुकानों पर कार्रवाई

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

कोडरमा। खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी कोडरमा, अभिषेक आनंद ने आज बागीटांड़ स्थित विभिन्न लाइन होटल, रेस्टोरेंट, किराना दुकानों एवं ठेला-खोमचा का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान सुरेश होटल में अत्यधिक गंदगी पाई गई, जिसके कारण अर्थदंड अधिरोपित करने की कार्रवाई की जा रही है। निरीक्षण के दौरान पंजाबी ढाबा, यादव लाइन होटल, किशोर होटल, फ्रेंडशिप कैफे, सुरेश होटल, राजकमल होटल, होटल कोडरमा इन, मनोज होटल, सिकंदर स्टोर एवं साईं स्टोर में फूड लाइसेंस नहीं पाया गया। सभी संबंधित प्रतिष्ठानों को नियमानुसार 14 दिनों के भीतर फूड लाइसेंस प्राप्त करने का निर्देश दिया गया है, अन्यथा अगली जांच में अर्थदंड अधिरोपित किया जाएगा। सभी मिष्ठान भंडार, फूड स्टॉल, होटल, रेस्टोरेंट, ढाबा एवं ठेला-खोमचा संचालकों को स्वच्छता एवं हाइजीन का पालन करते हुए गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री के विक्रय का निर्देश दिया गया। साथ ही सभी खाद्य कारोबारियों को अपने प्रतिष्ठानों से एक्सपायरी, बासी अथवा सड़ी-गली खाद्य सामग्री को तत्काल नष्ट करने का सख्त निर्देश दिया गया। खाद्य कारोबारियों को यह भी निर्देशित किया गया कि वे स्थानीय विक्रेताओं से प्राप्त पैकेज्ड खाद्य सामग्री, जैसे मसाला, नमकीन, मिक्सचर, लड्डू, सॉस, केंडी, पानी की बोतल एवं कोल्ड ड्रिंक्स आदि का उपयोग एवं विक्रय तभी करें, जब उस पर लाइसेंस नंबर, निर्माण तिथि, एक्सपायरी तिथि एवं निमार्ता का पूर्ण पता अंकित हो तथा संबंधित सामग्री का पक्का बिल उपलब्ध हो। सभी होटल, रेस्टोरेंट, ढाबा एवं फूड स्टॉल संचालकों को पनीर एवं खोआ केवल भरोसेमंद एवं फूड लाइसेंस प्राप्त प्रतिष्ठानों से पक्का बिल लेकर खरीदने एवं उपयोग करने का निर्देश दिया गया। निमार्णाधीन खाद्य पदार्थों में केवल गुणवत्तापूर्ण सामग्री एवं एफएसएसएआई प्रमाणित फूड कलर का निर्धारित मात्रा में उपयोग करने का निर्देश दिया गया।

चतरा में रात के अंधेरे में मवेशी चोरी, दो घरों से दो बैल गायब

चतरा। जिले के वशिष्ठ नगर (जोरी) थाना क्षेत्र अंतर्गत निंजरा गांव से मवेशी चोरी का सनसनीखेज मामला सामने आया है। बीती रात अज्ञात चोरों ने गांव के दो अलग-अलग घरों को निशाना बनाते हुए दो बैलों की चोरी कर ली। घटना के बाद पशु मालिकों के साथ-साथ पूरे गांव में हड़कंप मच गया है। मिली जानकारी के अनुसार, निंजरा गांव निवासी उदय कुमार यादव और रूपेश कुमार यादव ने अपने-अपने बैलों को रोज की तरह शाम में चराकर घर लाया और खूंटे में बांध दिया था। लेकिन सुबह जब परिवार के लोग उठे और मवेशियों को देखने पहुंचे, तो दोनों बैल गायब मिले। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन और ग्रामीण बैलों की खोजबीन में जुट गए। पूरे दिन आसपास के गांवों, खेतों और संभावित रास्तों पर तलाश की गई, लेकिन देर शाम तक बैलों का कोई सुराग नहीं मिल पाया। पशु मालिकों का कहना है कि बैल खेती-किसानी का अहम सहारा थे। चोरी की इस घटना से उन्हें आर्थिक और मानसिक दोनों तरह की परेशानी झेलनी पड़ रही है। ग्रामीणों ने आशंका जताई है कि संगठित गिरोह इलाके में सक्रिय हो सकता है, जो रात के अंधेरे में मवेशियों को निशाना बना रहा है। ग्रामीणों ने प्रशासन और पुलिस से मामले की जांच कर जल्द से जल्द चोरी हुए बैलों की बरामदगी की मांग की है। वहीं गांव में लगातार बढ़ रही चोरी की घटनाओं को लेकर लोगों में आक्रोश भी देखा जा रहा है।

भाजपा नगर कमिटी की बैठक में संगठन का विस्तार

कोडरमा। गुरुवार को कोडरमा नगर मंडल अंतर्गत गुरु कृपा भवन में प्रदेश के निर्देशानुसार महीने की पहली बैठक संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता नगर अध्यक्ष संजय पासवान एवं संचालन नगर महामंत्री संदीप गुप्ता ने की। बैठक के प्रभारी जिला अध्यक्ष अनूप जोशी, जिला उपाध्यक्ष राजकुमार यादव उपस्थित रहे। बैठक में संगठन को और मजबूत बनाने के लिए कई बिंदु पर विस्तार से चर्चा हुई। भाजपा कोडरमा नगर मंडल कमेटी का विस्तार कर जिला अध्यक्ष नव नियुक्त मंडल पदाधिकारी को माला पहनाकर सम्मानित किया और बधाई देते हुए सभी नवनियुक्त मंडल पदाधिकारी को मेहनत और ईमानदारी से कार्य करने को कहा गया।

चतरा में रफ्तार का कहर: मॉर्निंग वॉक पर निकली महिला को ट्रक ने रौंदा, गया-चतरा मार्ग पर आक्रोशित ग्रामीणों का चक्का जाम

चतरा। जोरी थाना क्षेत्र में आज सुबह रफ्तार का कहर देखने को मिला। काली मंदिर के समीप मॉर्निंग वॉक पर निकली एक 50 वर्षीय महिला को तेज रफ्तार ट्रक ने कुचल दिया, जिससे उनकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। इस घटना के बाद पूरे इलाके में तनाव का माहौल है। घटना शुक्रवार अहले सुबह की है, जब जोरी निवासी प्रेम साव की माता अंजू देवी सड़क किनारे टहल रही थीं। इसी बीच एक अनियंत्रित ट्रक उन्हें रौंदते हुए तेजी से फरार हो गया। हादसे से गुस्साए ग्रामीणों ने गया-चतरा मुख्य पथ को पूरी तरह जाम कर दिया है। सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गई हैं। आक्रोशित ग्रामीण मृतक के परिजनों के लिए मुआवजे और फरार ट्रक चालक की तत्काल गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि जनप्रतिनिधि केवल सांत्वना देने आते हैं, सड़क सुरक्षा की समस्याओं पर कोई ठोस कदम नहीं उठाते। मौके पर पहुँची जोरी थाना पुलिस फिलहाल लोगों को समझाने और स्थिति को नियंत्रण में करने का प्रयास कर रही है।

रेलवे कंपनियों का बढ़ेगी मुश्किलें, फिर होगा मुकदमा दर्ज

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

टंडवा। रेलवे ट्रेक निर्माण कार्य में लगे कंपनियों का अब मुश्किलें बढ़ने वाली है। वन विभाग के जांच में यह पुष्टि हो चुका है कि वन भूमि का अतिक्रमण एवं क्षति करते हुए सैकड़ो पौधों को नष्ट रेलवे कंपनियों के द्वारा किया गया है तथा अवैध मिट्टी का उत्खनन किया गया है जिसमें चतरा दक्षिणी वन प्रमंडल पदाधिकारी मुकेश कुमार के निर्देश पर वन क्षेत्र टंडवा अंतर्गत रेलवे कंपनियों के ऊपर मुकदमा दर्ज किया जाएगा। वन विभाग के अधिकारी ने बताया कि कंपनियों के द्वारा वन भूमि अतिक्रमण एवं पौधों को नष्ट करते हुए मिट्टी खनन का मामला सही पाया गया है जिसमें भारतीय वन अधिनियम के नियमानुसार मुकदमा दर्ज करते हुए रेलवे अधिकारी के साथ-साथ रेलवे के कंपनियां अधिकारियों का गिरफ्तारी जल्द करने हेतु एक छापामारी दल का गठन किया गया है एवं गाड़ियों को भी जप्त करने का निर्देश दिया गया है।

कौन है सुरेंद्र जो करवा रहा है अवैध मिट्टी उत्खनन

वन भूमि अतिक्रमण मामले में सुरेंद्र नमक प्रोजेक्ट इंचार्ज का नाम सामने आया है ग्रामीणों ने बताया कि सुरेंद्र ही लोगों को गलत तरीके से गुमराह कर अवैध मिट्टी का उत्खनन गांव में कर रहा है जिसकी चर्चा गांव से लेकर अधिकारियों के कार्यालय तक पहुंच चुका है अब देखना दिलचस्प होगा कि सुरेंद्र के नाम पर मुकदमा के बाद गिरफ्तारी किया जाता है या नहीं।

चान्हो में पीएनबी का मेगा कृषि आउटरीच कार्यक्रम सफल

17 महिला समूहों को 93 लाख रुपये के ऋण स्वीकृति पत्र वितरित

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

चान्हो। प्रखंड परिसर में आज पंजाब नेशनल बैंक की ओर से मेगा कृषि आउटरीच प्रोग्राम का आयोजन किया गया, जो सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम में करीब 300 महिला एवं पुरुषों ने भाग लिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पीएनबी हेड ऑफिस दिल्ली से महाप्रबंधक संजीव कुमार दुबे रहे। साथ ही मंडल प्रमुख राकेश कुमार, तीन सहायक महाप्रबंधक, कई मुख्य प्रबंधक, चान्हो शाखा के शाखा प्रबंधक रमई बोदरा, उप शाखा प्रबंधक रौनक कुमार, कृषि प्रबंधक चेतन सुमन समेत प्रखंड प्रशासन एवं कृषि विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बैंक एवं प्रखंड के अधिकारियों ने किसानों और महिला समूहों को कृषि ऋण से जुड़ी विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। इस दौरान पीएनबी चान्हो शाखा द्वारा 17 महिला स्वयं सहायता समूहों को कुल 93 लाख रुपये के ऋण स्वीकृति पत्र वितरित किए गए। अंत में महिला समूहों की दीदियों एवं उपस्थित लोगों के लिए बैंक की ओर से जलपान एवं चाय की व्यवस्था की गई। आयोजन को सफल बनाने में बैंक मित्रों का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा।

एक नजर

मदर्स डे को लेकर मॉडर्न पब्लिक स्कूल में लगा रक्तदान शिविर

झुमरीतिलैया। मदर्स डे को लेकर पावन अवसर पर मॉडर्न पब्लिक स्कूल झुमरीतिलैया में शुक्रवार को माँ के नाम रक्तदान महाअभियान का आयोजन किया गया। सोनित फाउंडेशन रांची तथा सह सहयोगी आरोग्यं हॉस्पिटल हजारीबाग के सहयोग से लगे इस शिविर में 30 यूनिट रक्त संग्रह कर एक नया कीर्तिमान बनाया गया। विद्यालय की निर्देशिका संगीता शर्मा ने कहा, माँ वो है जो बिना शर्त जीवन देती है। आज मदर्स डे पर रक्तदान कर हम उसी ममता को आगे बढ़ा रहे हैं। हमारा एक यूनिट खून किसी माँ की गोद सूनी होने से बचा सकता है। इस अवसर पर कक्षा 1 से 4 तक के बच्चों के बीच ग्रीटिंग कार्ड एक्टिविटी कराई गई। जबकि कक्षा 6 से 8 तक के बच्चों के बीच इंग्लिश स्पीच कंपटीशन कराया गया। जिसमें हंसिका न्यूटन सदन से प्रथम स्थान पर,स्वास्ति द्वितीय और सादिया तृतीय स्थान पर रही। जबकि कक्षा 9 से 12 के छात्र-छात्राओं के बीच पोएट्री राइटिंग कंपटीशन कराया गया। शिविर की खास बात रही कि सभी रक्तदाताओं को मेरी माँ, मेरी प्रेरणा का बैच पहनाया गया। सबसे पहले स्कूल प्राचार्य स्थित साथ 15 शिक्षकों ने रक्तदान कर अभियान शुरू किया। ब्लड बैंक प्रभारी डॉ. एस के सिंह ने बताया कि संग्रहित रक्त का 60% हिस्सा थैलेसीमिया और एनीमिया से पीड़ित बच्चों के लिए आरक्षित रहेगा। शिविर में 4 टेक्नीशियन और एक सुपरवाइजर उपस्थित रहे। ओम प्रकाश सिंह (सुपरवाइजर) ने विद्यालय की इस पल पर अपार हर्ष व्यक्त की। विद्यालय के प्राचार्य ने ने बताया, हमने 10 दिन पहले वन स्टूडेंट, वन डोनर कैपेन चलाया था। हर बच्चे ने अपने परिवार से एक रक्तदाता लाने का संकल्प लिया था। आज 30 यूनिट का आंकड़ा उसी का नतीजा है। शिविर में 18 से 55 वर्ष के कुल 50 लोगों ने पंजीकरण कराया, जिनमें से 30 लोग फिट पाए गए। सभी को प्रमाण-पत्र, डोनर कार्ड,और जूस-फल दिया गया। प्राचार्य गुरुचरण वर्मा ने कहा, मदर्स डे पर केक काटना आसान है, पर किसी की माँ को उसका बच्चा लौटाना असली उत्सव है। यह रक्तदान उन सभी माताओं को समर्पित है जो अस्पतालों में अपने बच्चों के लिए हर दिन संघर्ष करती हैं।

जमीन विवाद में जानलेवा हमला, आरोपी को 8 साल की सजा

कोडरमा। जमीन विवाद में मारपीट कर गंभीर रूप से घायल करने के मामले में रामाकांत मिश्रा की अदालत ने आरोपी को दोषी करार देते हुए 8 वर्ष सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही अदालत ने आरोपी पर 5 हजार रुपये का जुमार्ना भी लगाया है। जुमार्ना राशि अदा नहीं करने पर अतिरिक्त तीन माह की सजा भुगतनी होगी। प्राप्त जानकारी के अनुसार एसटी संख्या 34/2022 में सुनवाई करते हुए अदालत ने डोमचांच निवासी 35 वर्षीय विक्रम रजक को भारतीय दंड संहिता की धारा 307 के तहत दोषी पाया। इसके अलावा धारा 323, 504 एवं 506 के तहत भी सजा सुनाई गई। हालांकि सभी सजाएं साथ-साथ चलेंगी। मामला वर्ष 2020 का है। पानी बहाने को लेकर हुए जमीन विवाद के बाद डोमचांच थाना में दीपक रजक द्वारा थाना कांड संख्या 109/2023 दर्ज कराया गया था। मामले में अभियोजन पक्ष की ओर से लोक अभियोजक प्रवीण कुमार सिंह ने पैरवी की तथा गवाहों का परीक्षण कराया। उन्होंने अपराध की गंभीरता को देखते हुए न्यायालय से कड़ी सजा देने की मांग की। वहीं बचाव पक्ष की ओर से अधिवक्ता अनवर हुसैन ने आरोपी का पक्ष रखा। सभी गवाहों एवं साक्ष्यों के अवलोकन के बाद अदालत ने आरोपी को दोषी पाते हुए सजा एवं जुमार्ना निर्धारित किया।

पानी और बिजली को लेकर भाजपा ने किया प्रदर्शन

कोडरमा। भीषण गर्मी में झारखंड की जनता पानी की भारी किल्लत और लगातार बिजली कटौती से त्रस्त है। गांव हो या शहर, हर जगह आमजन मूलभूत सुविधाओं के लिए संघर्ष करने को मजबूर हैं। जनता की इसी पीड़ा और हेमंत सरकार की विफल नीतियों के खिलाफ आज भारतीय जनता पार्टी, कोडरमा जिला द्वारा आयोजित आक्रोश प्रदर्शन में शामिल होकर कार्यकताओं ने जनसमस्याओं के समाधान की मांग को बुलंद किया। इस दौरान प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश प्रसाद, जिला अध्यक्ष अनूप जोशी सहित पार्टी के वरिष्ठ नेता, पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्त्तागण उपस्थित रहे।

अनुशासन, नेतृत्व और राष्ट्रभक्ति का पाठ पढ़ा रहा एनसीसी शिविर

कोडरमा। बागीटांड़ स्थित राजकीय पॉलिटेक्निक परिसर में 45 झारखंड बटालियन एनसीसी द्वारा आयोजित 10 दिवसीय संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर के चौथे दिन कैडेटों में उत्साह, अनुशासन और राष्ट्रसेवा की भावना का अद्भुत संगम देखने को मिला। एनसीसी ग्रुप हेड क्वार्टर हजारीबाग के अंतर्गत संचालित इस शिविर में विभिन्न जिलों से आए लगभग 650 एनसीसी कैडेट भाग ले रहे हैं। शिविर का संचालन कमांडिंग ऑफिसर विजय कुमार के नेतृत्व में किया जा रहा है। शिविर के चौथे दिन की शुरूआत प्रातःकालीन वार्म-अप, स्ट्रेचिंग एवं ड्रिल अभ्यास से हुई। इसके बाद थल सेना चयन प्रक्रिया के तहत कैडेटों को फायरिंग, फील्ड क्राफ्ट, बैटल क्राफ्ट, टेंट पिचिंग, ऑप्टिकल ट्रेनिंग एवं सैन्य अनुशासन से जुड़ी गतिविधियों का गहन प्रशिक्षण दिया गया। विशेषज्ञ प्रशिक्षकों ने कठिन परिस्थितियों में कार्य करने की तकनीक और टीम भावना के महत्व से भी अवगत कराया। प्रशिक्षण के उपरांत कैडेटों के बीच प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी, जिसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों का चयन थल सेना कैंप के लिए किया जाएगा। इस अवसर पर कमांडिंग ऑफिसर विजय कुमार ने कैडेटों को संबोधित करते हुए कहा कि अनुशासन जीवन की सबसे बड़ी शक्ति है। उन्होंने कहा कि एनसीसी युवाओं में नेतृत्व क्षमता, जिम्मेदारी, एकता और राष्ट्रभक्ति की भावना विकसित करती है। संगठित होकर कार्य करने वाले युवा हर चुनौती का सामना कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि एनसीसी कैडेटों की पहचान उनके आत्मविश्वास, विनम्र व्यवहार और जिम्मेदार कार्यशैली से होती है, जो उन्हें भविष्य में एक आदर्श नागरिक बनने की दिशा में आगे बढ़ाती है। शिविर के सफल संचालन में सूबेदार मेजर जी.के. चौधरी, डिप्टी कैंप कमांडेंट संतोष कुमार, ट्रेनिंग जेसीओ बलविंदर सिंह, जेने एलिस मिंज, सेकंड ऑफिसर नवीन चौधरी, अमलेश कुमार, अभय नारायण, ललिता कुमारी, गर्ल्स कैडेट इंस्ट्रक्टर शिवानी शर्मा एवं उर्वशी सहित बटालियन के कई अधिकारियों एवं जवानों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

कोडरमा में चला वाहन चेकिंग अभियान

कोडरमा। कोडरमा थाना के समीप शुक्रवार को एसपी कुमार शिवाशीष के निर्देश पर थाना प्रभारी विकास पासवान के नेतृत्व में वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान दो पहिया वाहन चालकों के कागजात, ट्रिपल लोड, बिना हेलमेट नहीं पहने लोगों की जांच की गई। जांच के दौरान वाहनों के कागजात और हेलमेट नहीं मिलने के कारण कई वाहनों को कोडरमा थाना में जब्त किया गया। साथ ही आगे की कार्रवाई के लिए जिला परिवहन विभाग को रिपोर्ट कर दिया गया है। थाना प्रभारी विकास पासवान ने बताया कि वाहन जांच अभियान आगे भी जारी रहेगा। उन्होंने बताया कि बिना कागजात के वाहन चलाने वाले पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मौके पर पुलिस के कई जवान मौजूद थे।

आयुष्मान खुराना ने पति-पत्नी और
वो की बताई खासियत

आयुष्मान खुराना की फिल्म पति-पत्नी और वो दो 15 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है. मूवी दर्शकों को कैसी लगेगी, इसपर एक्टर ने बात की है. आयुष्मान खुराना एक बार फिर अपने दमदार अंदाज में दर्शकों को एंटरटेन करने के लिए तैयार हैं. जल्द ही उनकी कॉमेडी फिल्म 'पति-पत्नी और वो दो' सिनेमाघरों में दस्तक देगी. मूवी में वामिका गिब्बी, सारा अली खान और रकुल प्रीत सिंह जैसा कलाकार हैं. आयुष्मान खुराना ने मूवी को लेकर बात की.

कैसी फिल्म है पति पत्नी और वो दो

फिल्म पर अपने विचार शेयर करते हुए आयुष्मान ने एक इंटरव्यू में कहा कि 'पति पत्नी और वो दो' एक सिचुएशनल कॉमेडी है, जो साफ-सुथरी और क्लासिक रूप में है. उन्होंने आगे कहा, 'इसका आइडिया संजीव कुमार की विरासत से प्रेरित है, मैं उनके काम का बहुत बड़ा फैन रहा हूं. उस दौर की फिल्मों की कॉमेडी गलतफहमियों, सही समय और किरदारों के आपसी तालमेल से उपजता था. मैंने हमेशा से ही कहानी कहने की उस शैली को काफी पसंद किया है. '

आयुष्मान बोले- दर्शकों को पसंद आएगी फिल्म

आयुष्मान ने आगे बताया कि 'पड़ोसन', 'चुपके-चुपके', 'अंगूर' और 'गोलमाल' जैसी फिल्मों ने उन्हें हमेशा प्रभावित किया है, क्योंकि उनमें सादगी के साथ जबरदस्त कॉमेडी देखने को मिलता है. उनका मानना है कि 'पति-पत्नी और वो दो' भी दर्शकों को उसी तरह का एंटरटेनमेंट दे सकती है. फिल्म के निर्देशक मुदस्सर अजीज की तारीफ करते हुए एक्टर ने कहा कि उन्होंने इस कहानी को बेहद समझदारी से तैयार किया है और इसे एक मजेदार 'कॉमेडी ऑफ एरर्स' के रूप में पेश किया है.

कंगना रनौत फिर दिखाएंगी

अपना जलवा

अभिनेत्री कंगना रनौत एक बार फिर बड़े पर्दे पर देश के नायकों की कहानी लेकर आ रही हैं। उनकी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' की रिलीज डेट का ऐलान बुधवार को हो गया। मेकर्स ने इंस्टाग्राम पर फिल्म का पोस्टर जारी करते हुए लिखा, 'साधारण लोगों की एक असाधारण कहानी। उस रात की कहानी, जब इंसानियत डर से भी बड़ी बन गई। जब जिम्मेदारी ने बलिदान का रूप लिया, जब एकता हमारा फर्ज बन गई और हिम्मत ने कई जिंदगियां बचाईं। भारत के असली हीरोज की अनसुनी कहानी। फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' 12 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।' यह फिल्म उन नायकों की कहानी को सामने लाती है, जिनका जिक्र इतिहास के पन्नों में कहीं दबकर रह गया। सच्ची घटनाओं से प्रेरित यह फिल्म हथियारों और हिंसा के बजाय मानवीय इरादों और नैतिक साहस पर रोशनी डालती है। फिल्म की कहानी मुख्य रूप से सरकारी अस्पतालों के गलियारों और वार्डों के इर्द-गिर्द घूमती है। 26 नवंबर 2008 की रात जब मुंबई आतंक की आग में जल रही थी, तब कामा अस्पताल के भीतर एक अलग ही जंग लड़ी जा रही थी। बाहर आतंकी गोलियां बरसा रहे थे, लेकिन अस्पताल के अंदर निहत्थे स्टाफ ने अपनी जान जोखिम में डालकर लगभग 400 मरीजों और उनके परिजनों की जान बचाई थी। यह फिल्म अस्पताल के हर उस कर्मचारी को सम्मान देती है, जिसमें नर्सें, वार्ड बॉय, सफाईकर्मी, लिफ्ट ऑपरेटर, सुरक्षा गार्ड और प्रशासनिक कर्मचारी शामिल थे। उस रात उनके पास वहां से भाग जाने का विकल्प था, लेकिन उन्होंने रुककर अपना फर्ज निभाना चुना। फिल्म में अभिनेत्री कंगना रनौत नर्स की भूमिका में नजर आएंगी। अपने किरदार और फिल्म के विषय पर बात करते हुए उन्होंने कहा, 'अक्सर हम बहादुरी के केवल उन कामों का जश्न मनाते हैं, जो बहुत नाटकीय होते हैं, लेकिन असली हिम्मत अक्सर शांत होती है। फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' उन आम लोगों की कहानी है, जो आतंक और जिंदगी के बीच ढाल बनकर खड़े रहे। यह देशभक्ति का सबसे सच्चा रूप है, जहां फर्ज कर्म में बदल जाता है। मुझे इस कहानी का हिस्सा होने पर गर्व है, जो उन लोगों को श्रद्धांजलि देती है, जिन्होंने शहर को उसके सबसे मुश्किल पलों में एकजुट रखा। मैं 12 जून को दर्शकों के साथ इसे बड़े पर्दे पर देखने के लिए उत्साहित हूं। ' पेन स्टूडियोज के प्रमुख और फिल्म के निर्माता जयंतीलाल गडा ने फिल्म के महत्व पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, 'हमें मनोज तापड़िया के विजन और कंगना के अभिनय पर पूरा भरोसा है। यह फिल्म देश की उस अटूट भावना को दर्शाती है, जो उसके आम लोगों में बसती है। वहीं, फिल्म के लेखक और निर्देशक मनोज तापड़िया ने इसे एक भावनात्मक और रोमांचक थ्रिलर बताया। उन्होंने कहा, 'यह फिल्म डर पर हिम्मत की और अफरा-तफरी पर करुणा की जीत है। 12 जून को दर्शक देखेंगे कि कैसे महिलाओं और आम कर्मचारियों ने मौत के सामने खड़े होकर असाधारण फैसले लिए। यह फिल्म हमें याद दिलाती है कि सच्ची बहादुरी अक्सर सबसे साधारण जगहों से निकलकर आती है। डॉ. जयंतीलाल गाड़ा (पेन स्टूडियोज) द्वारा प्रस्तुत फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' का निर्माण पेन स्टूडियोज, मणिकर्णिका फिल्म्स और परम हंस क्रिएशन्स ने मिलकर किया है। इसमें यूनोइया फिल्म्स एलएलपी और फ्लोटिंग रॉक्स एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड का भी सहयोग है।

बोमन ईरानी सुनाई दिल छू लेने वाली कहानी

मेरी ममी मुझे 11 साल की उम्र में ही फिल्में देखने भेज देती थीं

मुंबई वेटरन एक्टर और किस्सागो बोमन ईरानी ने हाल ही में सप्यारल बाउंड की कामयाबी का जश्न मनाया। ये उनका शुरू किया हुआ एक ऐसा इनिशिएटिव है जो राइटर्स को पंख देता है और कहानियों को अपनी आवाज़। आज ये सिर्फ प्लेटफॉर्म नहीं, बल्कि एक ऐसी कम्युनिटी बन चुका है जहां लोग खुद को एक्सप्रेस करना, कॉन्फिडेंस बनाना और स्टोरीटेलिंग के जरिए जुड़ना सीखते हैं। इस खास शाम पर माहौल तब और इमोशनल हो गया जब बोमन ने अपनी जर्नी की जड़ें शेयर कीं -एक ऐसी शुरुआत, जो बहुत सिंपल थी... लेकिन बेहद गहरी, और जिसकी असली हीरो थीं उनकी मां। उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, 'मुझे 11 साल की उम्र में ही फिल्मों के बारे में वो सब पता था जो शायद उस उम्र में नहीं पता होना चाहिए! मेरी मां एक दुकानदार थीं, विधवा थीं... दिनभर दुकान में मेहनत करती थीं... लेकिन फिर भी ये पक्का करती थीं कि मैं फिल्में देख रहा हूं। अपने पिता की यादों को फिल्मों से जोड़ते हुए उन्होंने बताया, 'वो मुझे पापा की फेवरेट फिल्मों की कहानियां सुनाती थीं – अपने बचपन की तस्वीर खींचते हुए उन्होंने कहा कि 'ग्रांट रोड पर एक नॉवेल्टी सिनेमा था... वहां हमने बहुत शानदार फिल्में देखीं। मैं तो अपनी दुकान की दीवार से कान लगाकर भी फिल्में सुनता था, क्योंकि थिएटर उससे जुड़ा हुआ था! और 11 साल की उम्र में, मैं एक 70 साल के अंकल को श्वद्य ष्ट्वस्त्र दिखाने ले गया... फिल्म चल रही थी और मैं उनके पास बैठकर हर सीन, हर मोमेंट उन्हें समझा रहा था...

इंडस्ट्री में काम करने के तरीके पर बोलीं सई मांजरेकर

'ट्रेंड नहीं, बल्कि मजबूत कहानियों पर मेरा फोकस

मनोरंजन की दुनिया में अक्सर देखा जाता है कि कलाकार तेजी से सफलता पाने और ट्रेंड के साथ चलने की कोशिश करते हैं। लेकिन एक्ट्रेस सई मांजरेकर इससे बिल्कुल उलट सोच रखती हैं। उनका मानना है कि एक अच्छा कलाकार बनने के लिए समय देना जरूरी होता है और हर प्रोजेक्ट सोच-समझकर चुनना चाहिए, ताकि उनका काम लंबे समय तक लोगों के दिलों में बना रहे। सई मांजरेकर ने अपने काम करने के तरीके को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने कहा, ''अब मुझे यह समझ में आ गया है कि एक एक्टर के तौर पर खुद को समय देना बहुत जरूरी होता है। मैं आजकल के ट्रेंड के पीछे भागने में विश्वास नहीं रखती, बल्कि ऐसे काम करना चाहती हूं, जो एक कलाकार के रूप में मुझे आगे बढ़ने में मदद करें। मेरा मानना है कि जब कोई काम दिल से किया जाता है, तो वह लोगों पर गहरी छाप छोड़ता है और लंबे समय तक याद रखा जाता है।'' सई ने आगे कहा, ''मैं हर प्रोजेक्ट के साथ खुद को बेहतर बनाना चाहती हूं। जल्दबाजी में काम करने के बजाय अपने ही तरीके से आगे बढ़ना पसंद करती हूं। मेरे लिए करियर में लंबा टिके रहना तभी संभव है, जब मैं अपने काम के प्रति ईमानदार रहूंगी और वही कहानियां चुनूंगी, जिनसे मैं खुद भी जुड़ाव महसूस करती हूं।'' उन्होंने कहा कि इस सोच के साथ वह अपने हर किरदार में सच्चाई और गहराई लाने की कोशिश करती हैं। बता दें कि सई मंजरेकर इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'इंडिया हाउस' को लेकर चर्चा में है। यह फिल्म आज़ादी से पहले के दौर की कहानी पर आधारित है, जिसमें उस समय के सामाजिक और सांस्कृतिक पहलुओं को बड़े स्तर पर दिखाया जाएगा। इस फिल्म को राम चरण अपने प्रोडक्शन हाउस के जरिए प्रोड्यूस कर रहे हैं, और यह उनका पहला प्रोडक्शन प्रोजेक्ट भी है।

ब्लेक लाइवली और जस्टिन बाल्डोनी के बीच सेटेलमेंट !

अगस्त 2024 में हॉलीवुड एक्ट्रेस ब्लेक लाइवली ने साल 2024 में रिलीज हुई फिल्म 'इट एंड्स विद अस' के को-स्टार और डायरेक्टर जस्टिन बाल्डोनी पर यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए थे। इसके बाद से ही यह विवाद दुनियाभर में चर्चा में रहा। हालांकि, बीते 4 मई को दोनों कलाकारों ने इस मामले पर कोर्ट के बाहर सेटलमेंट कर लिया है।

बिना किसी लेन-देन हुआ समझौता: बीते दिनों ब्लेक और जस्टिन के बीच चल रहे इस कानूनी विवाद में एक महत्वपूर्ण मोड़ आया। रिपोर्ट्स के मुताबिक दोनों पक्षों के बीच अब समझौता हो चुका है। इस समझौते में किसी तरह का कोई वित्तीय मुआवजा नहीं दिया गया है। हालांकि, कानूनी लड़ाई अभी पूरी तरह खत्म नहीं हुई है। मामले से जुड़े एक सूत्र ने यह भी कहा है कि अगर कोई इस समय गोपनीय समझौते की शर्तों की पुष्टि करता है तो वह गुमराह कर रहा है। इस गोपनीय समझौते के बारे में अधिक जानकारी आने वाले दिनों में अदालत के रिकॉर्ड में होगी।

तीन दावे वापस लेने पर लाइवली ने जताई सहमति : मामले में पिछले महीने ही कोर्ट ने लाइवली के कई दावे किए जिनमें यौन उत्पीड़न का दावा भी शामिल था, जिसे बाद में खारिज कर दिया गया।

ब्लेक लाइवली ने अदालत में यौन उत्पीड़न के आलावा तीन और दावे पेश किए थे। मगर इस सप्ताह की शुरुआत में उन्होंने अपने तीनों दावे वापस ले लिए। इनमें से कुछ दावे उन्होंने बाल्डोनी की सह-स्थापित प्रोडक्शन कंपनी वेफेयर स्टूडियोज और उसके प्रचारकों की टीम के खिलाफ किए थे।

अगर पेड़ WIFI देते ना, तो इंसान उन्हें रिचार्ज प्लान समझकर बचा के रखते: शहनाज़ गिल

मुंबई एक्ट्रेस शहनाज़ गिल ने हाल ही में ट्री प्लांटेशन ड्राइव को सिर्फ इवेंट नहीं, इमोशन बना दिया। उन्होंने अपने दादा प्यारा सिंह की याद में एक पौधा लगाया – और इस छोटे से कदम में ढेर सारी मोहब्बत छुपी थी। दिल से बात करते हुए शहनाज़ ने ऐसा डायलॉग मारा जो सीधा दिल और दिमाग दोनों में सेव हो गयाः 'अगर पेड़ WiFi दे रहा होता ना, तो कोई उसे काटता ही नहीं! लेकिन पेड़ ऑक्सीजन दे रहा है, इसलिए सबको प्रॉब्लम है। फल खाओ, मजे से खाओ... पर जड़ मत काटो। सुनो जी, ध्यान रखो - पेड़ लगाओ, बहुत जरूरी है! और घरवालों को भी बोलो... जो दिनभर पड़ोसियों के साथ 'गॉसिप सम्मेलन' करते हैं, वो मिलकर पेड़ लगाएं। अपना आस-पास ठीक करो, एनवायरनमेंट खुद ही सेट हो जाएगा!' अपनी सिग्नेचर देसी सच्चाई और फुल-ऑन रियल वाइब के साथ, शहनाज़ ने वो सच्चाई बोल दी जो हम सब जानते हैं... पर इग्नोर करते हैं। ऑक्सीजन फ्री है, इसलिए उसकी वैल्यू नहीं समझते – ये सीधा ताना भी था और मीठा रिमाइंडर भी। उनकी बातों और इस प्यारे ट्रिब्यूट ने इस ड्राइव को सिर्फ 'पेड़ लगाने का प्रोग्राम' नहीं रहने दिया, बल्कि एक ऐसा मैसेज बना दिया जो घर-घर तक पहुंचना चाहिए – बदलाव बड़ी स्पीच से नहीं, छोटे-छोटे कामों से शुरू होता है। वर्क फ्रंट की बात करें तो शहनाज़ गिल जल्द ही इश्कनामा में नजर आने वाली हैं – और फैंस का एक्साइटमेंट तो पहले से ही फुल चार्ज है!

मंत्रियों को सौंपा गया दायित्व, निशांत को मिला स्वास्थ्य विभाग

एजेंसी

पटना। सम्राट चौधरी सरकार के मंत्रिमंडल विस्तार के बाद देररात विभागों का बंटवारा हो गया। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने गृह विभाग, सामान्य प्रशासन, निगरानी सहित कई महत्वपूर्ण विभाग अपने पास ही रखे हैं। शिक्षा विभाग हमेशा जदयू कोटे में हुआ करता था और स्वास्थ्य विभाग भाजपा के पास। इस बार दोनों बदल गए हैं। स्वास्थ्य विभाग जदयू के खाते में और शिक्षा विभाग भाजपा के कोटे में चला गया है। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पुत्र निशांत कुमार को स्वास्थ्य विभाग का दायित्व सौंपा गया है। भाजपा के मिथिलेश तिवारी को शिक्षा मंत्री बनाया गया है। बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा को कृषि मंत्री बनाया गया है। नीतीश मिश्रा को नगर विकास एवं आवास विभाग सौंपा गया है। दिलीप जायसवाल को राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग दिया गया है। रामकृपाल यादव को सहकारिता

विभाग की जिम्मेदारी दी गई है। बुलो मंडल को ऊर्जा मंत्री बनाया गया है। इंजीनियर शैलेन्द्र कुमार पथ निर्माण मंत्री बनाया गया है। विजय कुमार चौधरी को जल संसाधन और संसदीय कार्य मंत्री बनाया गया है। लेशी सिंह को भवन निर्माण मंत्री की जिम्मेदारी दी गई है। श्रवण कुमार का विभाग यथावत रहा, उन्हें ग्रामीण विकास मंत्रालय का जिम्मा सौंपा गया है। दामोदर रावत परिवहन मंत्री बनाए गए हैं। संजय सिंह टाइगर को उच्च शिक्षा और विधि विभाग मिला है। अशोक चौधरी को खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण की जिम्मेदारी दी गई है। भगवान सिंह कुशवाहा को योजना एवं विकास मंत्रालय का जिम्मा सौंपा गया है। मदन सहनी को मद्य निषेध उत्पाद एवं निबंधन, संतोष कुमार सुमन को लघु जल संसाधन, रमा निषाद को पिछड़ा एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग की जिम्मेदारी दी गई है। रत्नेश सदा को आपदा प्रबंधन, शीला मंडल को विज्ञान, प्रावैधिकी एवं तकनीकि शिक्षा विभाग की जिम्मेदारी दी गई है। केदार प्रसाद गुप्ता को पर्यटन, सुनील कुमार को ग्रामीण कार्य, श्रेयसी सिंह को उद्योग एवं खेल मंत्री बनाया गया है।एक मात्र अल्पसंख्यक मंत्री मो. जमा खान को अल्पसंख्यक कल्याण, नंद किशोर राम को डेयरी, मतस्य पशु संसाधान, प्रमोद कुमार को खान एवं भूतत्व-कला एवं संस्कृति विभाद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। स्वेता गुप्ता को समाज कल्याण, दीपक प्रकाश को पंचायती राज, संजय कुमार को गन्ना उद्योग, संजय कुमार सिंह को लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण और रामचंद्र प्रसाद को पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन की जिम्मेदारी दी गई है।

मंत्रिमंडल विस्तार के बाद नीतीश कुमार से मिल मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी

एजेंसी

पटना,। बिहार मेंराज्य मंत्रिमंडल विस्तार और विभागों का बंटवारा किये जाने के बाद शुक्रवार को मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने पूर्व मुख्यमंत्री और जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार से शिष्टाचार मुलाकात की। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी शुक्रवार को नीतीश कुमार के आवास 7 सर्कुलर रोड पहुंचे। यहां दोनों की मुलाकात हुई और लगभग आधे घंटे तक दोनों एक दूसरे के साथ बैठे। माना जा रहा है कि विभागों से जुड़े बंटवारे और अन्य सियासी मुद्दों को लेकर नीतीश कुमार और सम्राट चौधरी ने अहम बात हुई। दोनों के बीच करीब 30 मिनट की मुलाकात हुई। मंत्रिमंडल विस्तार में नीतीश कुमार के बेटे निशांत को भी मंत्री बनाया गया है। उन्हें स्वास्थ्य विभाग का जिम्मा दिया गया है। इसके अतिरिक्त जदयू कोटे के कई अन्य मंत्रियों को प्रमुख विभाग दिया गया है। इन सब मुद्दों को लेकर नीतीश कुमार और सम्राट चौधरी में अह्म चर्चा होने की खबर है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी मुख्यमंत्री बनने के बाद कुछ दिनों के अंतराल में हमेशा पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मिलते रहे है। पिछले दिनों दिल्ली से मंत्रिमंडल की सूची लेकर पटना लौटने पर उन्होंने वहां से आते ही नीतीश कुमार से मुलाकात की थी उनके साथ ललन सिंह भी उस वक्त मौजूद थे। ऐसा माना जा रहा है कि बिहार में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार को पूरी तरह बैलेस कर सम्राट चौधरी चल रहे है।

नालंदा जिले के धरमपुर में सयाजी 1018 मक्का की बम्पर पैदावार देख उत्साहित हुए किसान

एजेंसी

नालंदा। नालंदा जिले के नूरसराय प्रखंड के बाराखुर्द पंचायत अंतर्गत धरमपुर गांव में शुक्रवार को सयाजी सीड्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा 1018 मक्का की फसल प्रदर्शनी एवं क्रॉप कटिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में किसान एवं बीज विक्रेताओं ने भाग लेकर मक्का की उन्नत खेती की जानकारी प्राप्त की।कार्यक्रम में कंपनी के क्षेत्रीय सेल्स प्रबंधक शम्भू कुमार एवं विपणन पदाधिकारी श्रीनिवास कुमार उपस्थित रहे। प्रगतिशील किसान संजय यादव के खेत में लगे सयाजी 1018 मक्का की क्रॉप कटिंग की गई, जिसमें अन्य कंपनियों की तुलना में अधिक उत्पादन एवं बेहतर गुणवत्ता देखने को मिली। बम्पर पैदावार को देखकर किसानों में काफी उत्साह देखा गया। क्षेत्रीय सेल्स प्रबंधक शम्भू कुमार ने किसानों को वैज्ञानिक एवं तकनीकी तरीके से खेती करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि संतुलित मात्रा में खाद का प्रयोग तथा जिंक का उपयोग करने से उत्पादन में वृद्धि होती है। उन्होंने बताया कि सयाजी 1018 मक्का की खेती में लागत कम आती है और उत्पादन अधिक होता है। इसका दाना नारंगी, वजनदार तथा कम नमी वाला होता है, जिससे बाजार में इसकी अच्छी कीमत मिलती है।वहीं विपणन पदाधिकारी श्रीनिवास कुमार ने कहा कि सयाजी 1018 मक्का कम पानी एवं अधिक गर्मी को सहन करने में सक्षम है। उन्होंने किसानों से सयाजी सीड्स का 2023 धान लगाने की अपील करते हुए अधिक उपज प्राप्त करने की बात कही।

किशनगंज भवन निर्माण विभाग में फिर उठा टेंडर मैनेज का मामला

एजेंसी

किशनगंज। जिले के भवन निर्माण विभाग में टेंडर प्रक्रिया को लेकर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। विभाग पर पहले कार्य कराने और बाद में कागजी प्रक्रिया पूरी करने के लिए निविदा निकालने का आरोप लगा है। मामला 7 मई को जारी अल्पकालीन निविदा संख्या-03/2026-27 से जुड़ा है, जिसमें शामिल पांच कार्यों में से तीन काम पहले ही पूरा किए जाने की चर्चा है। हालांकि भवन निर्माण विभाग के कार्यपालक अभियंता पंकज कुमार ने सभी आरोपों को बेबुनियाद बताते हुए कहा कि टेंडर प्रक्रिया नियमानुसार पूरी की गई है। जानकारी के अनुसार संबंधित तीनों कार्य विभाग के एक करीबी संवेदक द्वारा करीब चार महीने पहले ही पूरे कर लिए गए थे। इसके बावजूद विभाग की ओर

से अब निविदा प्रकाशित किए जाने पर सवाल उठ रहे हैं। आरोप है कि पूर्व में कराए गए कार्यों को वैध रूप देने और भुगतान प्रक्रिया को पूरा करने के लिए बाद में टेंडर निकाला गया। विभाग में लंबे समय से टेंडर मैनेज का खेल चल रहा है। आरोप है कि विभागीय अधिकारियों की मिलीभगत से पहले चुनिंदा ठेकेदारों को कार्य दे दिया जाता है और बाद में नियमों का पालन दिखाने के लिए निविदा प्रक्रिया पूरी की जाती है। इससे सरकारी कार्यों में पारदर्शिता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। मामला सामने आने के बाद भवन निर्माण विभाग की कार्यशैली एक बार फिर सवालों के घेरे में है। जानकारों का कहना है कि यदि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए तो कई बड़े खुलासे हो सकते हैं। अब निगाहें जिला प्रशासन की कार्रवाई पर टिकी हैं। शुक्रवार को जिला परिषद सदस्य ई नासिक नादिर ने भवन निर्माण विभाग पर टेंडर प्रक्रिया में बड़े पैमाने पर अनियमितता का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि विभागीय पदाधिकारी अपने चहेते ठेकेदारों से पहले ही कार्य पूरा करवा लेते हैं और बाद में औपचारिकता निभाने के लिए टेंडर निकाला जाता है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह पूरा खेल सरकारी राशि की निकासी और कमीशनखोरी के लिए किया जा रहा है, जिससे पारदर्शिता समाप्त हो रही है। जिप सदस्य ने कहा कि इस व्यवस्था के कारण छोटे ठेकेदारों को काम नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने जिलाधिकारी से मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी अधिकारियों एवं ठेकेदारों पर कार्रवाई की मांग की है। साथ ही चेतावनी दी कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो जनहित में आंदोलन शुरू किया जाएगा।

कोसी बराज पर बढ़ते जल दबाव से निपटने की बड़ी तैयारी, 3.04 करोड़ का सेंट्रल पायलट चैनल 15 मई से होगा सक्रिय

एजेंसी

सुपौल। कोसी बराज पर लगातार बढ़ते जल दबाव और संभावित बाढ़ खतरे को देखते हुए जल संसाधन विभाग ने बड़ी तकनीकी पहल शुरू की है। वर्ष 2024 और 2025 में कोसी बराज पर रिकॉर्ड 6.61 लाख क्यूसेक जलप्रवाह दर्ज होने के बाद सेंट्रल हाई लेवल कमेटी ने बराज की स्थिति पर गंभीर चिंता जताई थी। इसके बाद अब कोसी नदी की मुख्य धारा को नियंत्रित करने और पूर्वी तटबंध पर बढ़ते दबाव को कम करने के लिए सेंट्रल पायलट चैनल तैयार किया गया है। विभागीय अनुमति मिलते ही इसे आगामी 15 मई से सक्रिय किया जाएगा। कोसी बराज के 28 फाटकों के बीच बनाए गए इस विशेष चैनल का निर्माण 3 करोड़ 4 लाख रुपये की लागत से कराया गया है। चैनल की लंबाई

करीब 2.5 किलोमीटर, चौड़ाई 30 मीटर और गहराई नदी के बेड लेवल से लगभग दो मीटर रखी गई है। विशेषज्ञों के अनुसार यह चैनल तेज जलधारा को नियंत्रित कर उसे नदी के मध्य भाग की ओर प्रवाहित करेगा, जिससे दोनों तटबंधों और स्परों पर पड़ने वाला अतिरिक्त दबाव कम किया जा सकेगा। कोसी योजना के अभियंताओं की टीम ने निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने बताया कि परियोजना का कार्य लगभग पूरा हो चुका है और विभागीय आदेश मिलते ही चैनल को चालू कर दिया जाएगा। निरीक्षण के दौरान एसडीओ प्रशांत कुमार, जूनियर इंजीनियर संजय कुमार, मुकेश कुमार तथा निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधि बसंत भगत मौजूद रहे।कोसी योजना के चीफ इंजीनियर ने बताया कि यह एक वैकल्पिक तकनीकी व्यवस्था है, जिसका मुख्य उद्देश्य नदी की मुख्य धारा को बराज के मध्य भाग में बनाए रखना है। उन्होंने कहा कि अत्यधिक जलप्रवाह के दौरान नदी की धारा किसी एक तटबंध की ओर दबाव बनाती है, जिससे कटाव और संरचनात्मक क्षति का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में यह चैनल दोनों तटबंधों को सुरक्षित रखने में अहम भूमिका निभा सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यह प्रयोग सफल रहा तो भविष्य में कोसी नदी के कटाव, तटबंधों पर दबाव और बाढ़ के खतरे को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकेगा। हर वर्ष बाढ़ की गंभीर समस्या झेलने वाले कोसी क्षेत्र के लिए यह परियोजना काफी महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

छपरा-सीवान हाईवे पर सड़क हादसे में तीन की मौत, आधा दर्जन घायल

एजेंसी

सारण। सुबह सुबह छपरा सीवान एनएच पर दाउदपुर थाना क्षेत्र के बनवार फ्लाईओवर के समीप एक अनियंत्रित ट्रक और पिकअप वैन के बीच आमने-सामने की जोरदार भिड़ंत हो गई। इस दुर्घटना में पिकअप सवार तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि आधा दर्जन से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। जानकारी के अनुसार पिकअप वैन में आर्केस्ट्रा पार्टी के कलाकार सवार थे जो रसूलपुर से खैरा की ओर जा रहे थे। इसी दौरान बनवार फ्लाईओवर के पास सामने से ट्रक से पिकअप की टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि पिकअप के परखच्चे उड़ गए। बताया जा रहा है कि पिकअप पर दो बाराती भी सवार थे जो इस हादसे का शिकार हुए हैं। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलते ही 112 की पुलिस टीम मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को पिकअप से बाहर निकाला। घायलों को एकमा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, जहां उनका प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल कुछ लोगों को बेहतर इलाज के लिए छपरा सदर अस्पताल रेफर किए जाने की खबर है। दुर्घटना में घायल होने वालों में आर्केस्ट्रा पार्टी की महिला और पुरुष कलाकार शामिल हैं। पुलिस मृतकों की पहचान करने में जुटी है। पुलिस ने आवश्यक कागजी कार्रवाई करते हुए मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल छपरा भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

कामरेड सुरेश चौधरी की श्रधांजलि सभा

शाम्हो बेगुसराय। शाम्हो लधौना के भाकपा नेता कामरेड सुरेश चौधरी के श्राद्ध कर्म पर गुरुवार को देर शाम श्रद्धांजलि सह संकल्प सभा का आयोजन किया गया । अध्यक्षता अवकाश प्राप्त शिक्षक कां शंभू पासवान एवं संचालन प्रोफेसर रामकुमार सिंह ने किया । अपने संबोधन में प्रोफेसर सिंह ने कहा कि कामरेड सुरेश चौधरी पार्टी के एक निष्ठावान व समर्पित कार्यकर्ता थे । पार्टी के फैसले को लागू करने में वो हमेशा आगे रहते थे । लधौना भूमि संघर्ष में इन्होंने अग्रगणिय भूमिका निभाई । समझौता बिहीन संघर्ष के वाहक थे । कां सुरेश चौधरी के निधन से पार्टी को अपूर्णीय छती पहुंचा है । मुख्य वक्ता भाकपा नेता कामरेड अनिल कुमार अंजान ने कहा कि इस फिसलन भरी दौर में भी आजीवन लाल झंडा का सिपाही बने रहना अपने आप में बहुत कुछ कहता है । आज की राजनीति से नीति शब्द को अलग कर दिया गया है । राजनीति का सौदागर आज सत्ता प्राप्ति के लिए कुछ भी करने को तैयार है । बिहार, बंगाल सहित दूसरे राज्यों के ताजा घटना क्रम से यह स्पष्ट हो चुका है । नीतीश के नाम पर जनादेश लेना और फिर सम्राट चौधरी जैसे विवादास्पद व्यक्ति को मुख्यमंत्री बनाना, परिवार बाद के नाम पर राजद को गाली देना और फिर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के अयोग्य पुत्र को मंत्री बनाना अपने आप में यह दशार्ता है कि हमाम में सब नंगे हैं । बंगाल में चुनाव से पहले और फिर बाद की घटना से ऐसा लगता है कि आने वाले समय में हमें मताधिकार के अधिकार से भी वंचित किया जा सकता है। देश व जनतंत्र से प्यार करने वाले हर व्यक्ति को कामरेड सुरेश चौधरी के बताएं रास्ते का अनुसरण करते हुए भाजपा हटाओ देश बचाओ नारे के साथ हमें एक नई जंग के लिए आगे आना होगा।

ऑर्केस्ट्रा में फरमाइशी गीत पर विवाद, दूल्हे के चाचा की चाकू मारकर हत्या

एजेंसी

सीवान। जिले के चैनपुर थाना क्षेत्र के नगई गांव में गुरुवार की रात एक शादी समारोह उस वक्त खूनी संघर्ष में बदल गया, जब ऑर्केस्ट्रा में फरमाइशी गीत बजाने को लेकर बारातियों और गांव के युवकों के बीच विवाद हो गया। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि चाकूबाजी शुरू हो गई, जिसमें दूल्हे के चाचा की मौत हो गई। घटना के बाद पूरे इलाके में तनाव व्याप्त है और गांव में भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। मृतक रघुनाथपुर थाना क्षेत्र के है। हरनाथपुर लक्ष्मीपुर निवासी ओम प्रकाश शाह के पुत्र मनीष कुमार साह के रूप में हुई है। बताया जाता है कि मनीष कुमार अपने भतीजे की बारात लेकर नगई गांव स्थित रिशुन साह के घर

पहुंचे थे। जानकारी के अनुसार, द्वार पूजा के बाद जानवासे में ऑर्केस्ट्रा कार्यक्रम चल रहा था. रात करीब साढ़े बारह बजे फरमाइशी गीत बजाने को लेकर बारातियों और गांव के कुछ युवकों के बीच कहासुनी हो गई। हालांकि उस समय मामला शांत करा दिया गया, लेकिन थोड़ी देर बाद गांव के कुछ मनचले युवक फिर पहुंचे और बारातियों पर चाकू से हमला बोल दिया। हमले में मनीष कुमार साह गंभीर रूप से घायल हो गए. आनन-फानन में उन्हें इलाज के लिए ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही चैनपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इधर, हत्या की घटना से दूल्हा पक्ष में भारी आक्रोश है। पोस्टमार्टम के बाद परिजन शव को लेकर नगई गांव पहुंच गए हैं। परिजनों की मांग है कि आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी हो।बताया जा रहा है कि आक्रोशित लोग आरोपी के दरवाजे पर ही मृतक का अंतिम संस्कार करने की तैयारी में हैं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए नगई गांव में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।अधिकारी लगातार परिजनों और ग्रामीणों को समझाने-बुझाने में जुटे हैं ताकि माहौल और न बिगड़े।

एक नजर

राघोपुर में छठ घाट निर्माण में अनियमितता का आरोप, जांच शुरू

सुपौल। जिले के राघोपुर प्रखंड अंतर्गत घरहरा पंचायत स्थित बाबा भीमशंकर महादेव मंदिर परिसर के शिव गंगा में बन रहे सीढ़ीनुमा छठ घाट निर्माण कार्य में अनियमितता का मामला सामने आया है। ग्रामीणों ने निर्माण कार्य में घटिया सामग्री उपयोग करने और बिना सूचना पट्ट लगाए काम कराने का आरोप लगाया है। स्थानीय लोगों के अनुसार ग्राम पंचायत की 15वीं वित्त योजना मद से करीब 15 लाख रुपये की लागत से छठ घाट का निर्माण कराया जा रहा है, लेकिन कार्य स्थल पर अब तक योजना संबंधी कोई सूचना पट्ट नहीं लगाया गया है। ग्रामीणों का आरोप है कि निर्माण कार्य में लोकल उजला बालू और घटिया ईंट का इस्तेमाल किया जा रहा है। शुक्रवार को स्थानीय ग्रामीण प्रदीप चौधरी समेत कई लोग योजना स्थल पर पहुंचे और प्राक्कलन के अनुरूप कार्य कराने की मांग की। ग्रामीणों ने कहा कि योजना स्थल पर सूचना पट्ट लगाया जाए और गुणवत्ता मानकों का पालन सुनिश्चित किया जाए। विरोध के दौरान निर्माण कार्य करा रहे कुछ स्थानीय लोगों और ग्रामीणों के बीच विवाद की स्थिति भी उत्पन्न हो गई। ग्रामीणों का कहना है कि योजना के अभिकर्ता पंचायत सचिव अर्जुन कुमार हैं, लेकिन वे कार्य स्थल पर नहीं पहुंचते हैं। इसके बावजूद निर्माण कार्य लगातार जारी है। लोगों ने आरोप लगाया कि घरहरा पंचायत में कई योजनाएं अधूरी हैं, जबकि उनकी राशि की निकासी पहले ही कर ली गई है। मामले को लेकर ग्रामीणों ने लोक शिकायत निवारण कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई है। लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी के निर्देश पर शुक्रवार को राघोपुर प्रखंड कार्यालय के जेई नवीन कुमार जांच के लिए योजना स्थल पर पहुंचे। ग्रामीणों ने बताया कि इस संबंध में राघोपुर बीडीओ को लिखित और मौखिक रूप से सूचना दी गई थी, लेकिन इसके बावजूद निर्माण कार्य नहीं रोका गया। इस मामले में राघोपुर बीडीओ सतेंद्र यादव ने बताया कि योजना के अभिकर्ता पंचायत सचिव हैं। उन्होंने कहा कि पंचायत सचिव फिलहाल हड़ताल पर हैं, ऐसे में किस आधार पर निर्माण कार्य कराया जा रहा है, इसकी जांच की जाएगी। बीडीओ ने कहा कि वे स्वयं योजना स्थल पर पहुंचकर पूरे मामले की जांच कर रहे है।

जिला क्रिकेट संघ की कोषाध्यक्ष नेहा यादव के निधन पर शोक सभा आयोजित

सारण। जिला क्रिकेट संघ की कोषाध्यक्ष नेहा यादव के असामयिक निधन से जिले के खेल एवं सामाजिक गलियारों में शोक की लहर व्याप्त है। उनके सम्मान में आज राजेंद्र स्टेडियम में एक शोक सभा का आयोजन किया गया, जिसमें खेल जगत के दिग्गजों, राजनीतिज्ञों और खिलाड़ियों ने भारी मन से उन्हें विदा किया। नेहा यादव लंबे समय से गंभीर बीमारी से जूझ रही थीं। उनका उपचार दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में चल रहा था, जहाँ इलाज के दौरान उन्होंने अंतिम सांस ली। शोक सभा के दौरान उपस्थित सभी लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। श्रद्धांजलि सभा में सारण जिला क्रिकेट संघ के अध्यक्ष इंदु कुमारी, उपाध्यक्ष उज्ज्वल मिश्रा, संयुक्त सचिव धर्मजय कुमार, डॉ सुरेश प्रसाद सिंह सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे। साथ ही, भारतीय जनता पार्टी के महामंत्री विवेक सिंह, प्रवक्ता बलवंत सिंह, मंत्री सुनीता देवी एवं पूनम सिंह ने भी उपस्थित होकर शोक व्यक्त किया। वक्ताओं ने उनके निधन को खेल जगत के लिए एक अपूरणीय क्षति बताया और ईश्वर से शोक संतप्त परिवार को यह दुख सहने की शक्ति प्रदान करने की कामना की।

297 नेपाली शराब के साथ बाइक पर सवार तस्कर गिरफ्तार

अररिया। एसएसबी 56 वीं वाहिनी की बाह्य सीमा चौकी फुलकाहा की विशेष गश्ती टीम ने शुक्रवार को मानिकपुर के पास बाइक पर सवार एक तस्कर को 297 लीटर नेपाली शराब के साथ गिरफ्तार किया।फुलकाहा के मानिकपुर में भारतीय बोर्डर भारत-नेपाल सीमा स्तंभ संख्या 188/4 के नजदीक भारत साइड में लगभग पांच सौ मीटर पर यह कार्रवाई एसएसबी के द्वारा की गई। तस्करी का जब्त नेपाली शराब।990 बोतल बोरा में कार्टन में लेकर तस्कर जा रहा था।कुल 297 लीटर शराब पकड़ा गया।शराब को तीन अलग अलग मोटरसाइकिल पर लेकर तस्कर आ रहा था।जिसमें से एसएसबी की कार्रवाई के दौरान दो तस्कर मोटरसाइकिल छोड़कर भाग निकला,जबकि एक मोटरसाइकिल पर सवार तस्कर को गिरफ्तार कर लिया गया। एसएसबी की कार्रवाई में शराब की ढुलाई में उपयोग में लाए गए तीन मोटरसाइकिल को भी जब्त किया है।गिरफ्तार तस्कर मानिकपुर वार्ड संख्या 12 निवासी 31 वर्षीय छोटु यादव उम्र पिता देव नारायण यादव है,जिसे आवश्यक कागजी कार्रवाई के बाद के बाद आबकारी विभाग अररिया के सुपुर्द कर दिया गया।

एसएसबी की बड़ी सफलता, भारत-नेपाल सीमा पर 40 किलो गांजा बरामद

सुपौल। जिले में भारत-नेपाल सीमा पर तैनात सशस्त्र सीमा बल को बड़ी सफलता मिली है। सीमा क्षेत्र में चलाए गए विशेष जांच अभियान के दौरान जवानों ने करीब 40 किलो गांजा बरामद किया है। कार्रवाई के दौरान दो तस्करों को भी गिरफ्तार किया गया। जानकारी के अनुसार, सीमा पार से मादक पदार्थों की तस्करी की सूचना मिलने के बाद एसएसबी द्वारा सघन वाहन एवं संदिग्ध व्यक्तियों की जांच की जा रही थी। इसी दौरान जवानों ने संदिग्ध गतिविधि देख कार्रवाई करते हुए गांजा की बड़ी खेप जब्त कर ली। गिरफ्तार दोनों तस्करों से पूछताछ की जा रही है। सुरक्षा एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि तस्करी नेटवर्क में और कौन-कौन लोग शामिल हैं। बरामद गांजा की अनुमानित कीमत लाखों रुपये बताई जा रही है। एसएसबी अधिकारियों ने कहा कि भारत-नेपाल सीमा पर अवैध गतिविधियों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है और आगे भी इस तरह की कार्रवाई जारी रहेगी।

रेड क्रॉस के संस्थापक हेनरी डुनॉट की जयंती पर विश्व मानवता की सेवा का संकल्प

नवादा। रेड क्रॉस के संस्थापक हेनरी डुनॉट की जयंती पर मनायाा जाने वाले विश्वव रेड क्रॉस दिवस पर शुक्रवार को रेड क्रॉस भवन में समारोह का आयोजन कर विश्व मानवता की सेवा का संकल्प लिया गया। रेड क्रॉस के सदस्यों ने विश्व में युद्ध की विभिषिका को देखते हुए प्रस्ताव पारित कर जेनेवा भेजकर रेड क्रॉस नवादा के सदस्य युद्ध विराम की मांग की है। सदस्यों ने यह भी कहा कि रेड क्रॉस को विश्व मानव समुदाय की युद्ध की परेशानियों को देखते हुए युद्ध स्थगित करने के लिए प्रस्ताव संबंधित देशों को भेजा जाना चाहिए। अध्यक्ष डॉ राजेंद्र प्रसाद साहू ने कहा कि शांति स्थापित करने तथा मानव समुदाय की सेवा के उदेश्य रेड क्रॉस संस्थान विश्व में सराहनीय कार्य की है। आगे भी हम सब समाज की सेवा करते रहेंगे। इस अवसर पर उपाध्यक्ष गोपाल प्रसाद, सचिव प्रिया शंकर सिंहा, कोषाध्यक्ष विजय कुमार, कार्यकारिणी सदस्य विनय कुमार सिन्हा, राजेंद्र प्रसाद ,सुरेश बर्मन, सदस्य वजीर प्रसाद नित्यानंद प्रसाद ,नवीन सिन्हा, पंकज सिंहा ,कृष्ण मोहन प्रसाद उपस्थित रहे । सदस्यों ने सर हेनरी दुनंत के जन्म दिवस पर मनाए जाने वाले विश्व रेड क्रॉस दिवस के अवसर पर पुष्पांजलि अर्पित किए सदस्यों ने जिलाधिकारी से रेड क्रॉस भवन हेतु भूमि उपलब्ध कराने के लिए आग्रह की । साथ ही साथ जनप्रतिनिधि से एक एंबुलेंस की मांग रखने की बात कही एवं एक दिन इस अवसर को यादगार बनाने के लिए ब्लड डोनेशन कैंप आयोजित करने का निर्णय लिया गया।

थ्रोबोआंगाइटिस ओलिटरन्स का लक्षण हो सकता है हाथ पैर की झनझनाहट

पहले लोगों को तंबाकू के सेवन से कैंसर होता था लेकिन अब तंबाकू के अधिक सेवन से एक दुर्लभ बीमारी की पहचान हो गई है। इस बीमारी का नाम है बुर्जर रोग। बुर्जर की बीमारी को थ्रोम्बोआंगाइटिस ओब्लिटरन्स भी कहा जाता है। यह एक ऐसी बीमारी है जिसमें हाथों और पैरों की रक्त वाहिकाएं सूज जाती हैं और बाद में यह ब्लॉक हो जाती हैं।

नसों के ब्लॉक होने से हाथ-पैर की उंगलियों तक खून की सप्लाई रुक जाती है। ऐसा होने से आपके हाथ-पैरों में झनझनाहट या सुन्नता महसूस हो सकती है। आपको उंगलियों में पीलापन नजर आ सकता है। यह ऐसी खतरनाक बीमारी है जिसमें उंगलियां काम करना बंद कर देती हैं और किसी काम की नहीं रहती हैं। ऐसा माना जाता है कि यह बीमारी उन लोगों को ज्यादा होती है, जो स्मोकिंग करते हैं। जिन रोगियों को यह बुर्जर की बीमारी है, वे स्मोकिंग करने वाले हैं या किसी भी रूप में तंबाकू का उपयोग कर रहे हैं। इससे बचने का सबसे आसान तरीका स्मोकिंग की लत से छुटकारा पाना है। इसके अलावा कुछ रक्त वाहिकाओं और खून को पतला करने वाली दवाओं का इस्तेमाल किया जाना चाहिए। गंभीर मामलों में हाथ-पैर की उंगलियां काटने की जरूरत हो सकती है। चलिए जानते हैं कि इस बीमारी के क्या कारण और लक्षण हैं और इसका किसको ज्यादा खतरा है।

क्या है बुर्जर की बीमारी

क्लीवलैंड क्लिनिक के अनुसार, जिन रोगियों को यह बुर्जर की बीमारी है, वे स्मोकिंग करने वाले हैं या किसी भी रूप में तंबाकू का उपयोग कर रहे हैं। इससे बचने का सबसे आसान तरीका स्मोकिंग की लत से छुटकारा पाना है। इसके अलावा कुछ रक्त वाहिकाओं और खून को पतला करने वाली दवाओं का इस्तेमाल किया जाना चाहिए। गंभीर मामलों में हाथ-पैर की उंगलियां काटने की जरूरत हो सकती है। चलिए जानते हैं कि इस बीमारी के क्या कारण और लक्षण हैं और इसका किसको ज्यादा खतरा है।

बुर्जर की बीमारी के कारण

ऐसा माना जाता है कि स्मोकिंग करने वालों में बुर्जर रोग विकसित होने का सबसे अधिक खतरा होता है। यह रोग भांग और तंबाकू का सेवन करने वालों में पाया गया है। यह एक दुर्लभ विकार है जो उन देशों में कम देखा गया है, जिन देशों में तंबाकू का कम सेवन किया जाता है।

बुर्जर की बीमारी के संकेत और लक्षण

- चलने से आपके निचले पैरों या पैरों में दर्द या जलन होना
- आपके हाथों या कलाइयों में दर्द या झनझनाहट
- रक्त में थक्के
- हाथ-पैर की उंगलियों पर अल्सर
- हाथ-पैर की उंगलियों पर त्वचा के रंग में पीला, लाल और कभी-कभी नीला पड़ जाना

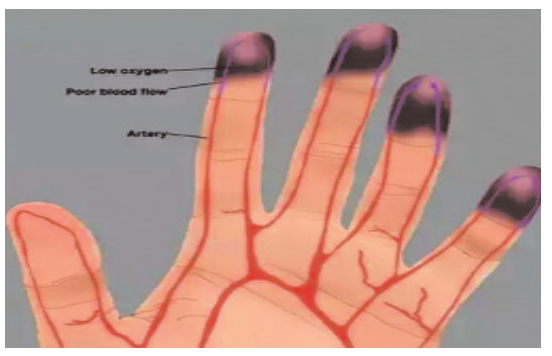

कॉफी पीने से 30 प्रतिशत घटती है मौत की आशंका

हाल ही में किए गए एक अध्ययन के अनुसार कॉफी पीने से मौत का खतरा 30 प्रतिशत कम हो जाता है। इसके साथ ही कॉफी पीने से तीव्र गुर्दे की चोट में भी फायदा होता है। रिपोर्ट के अनुसार, किडनी इंटरनेशनल रिपोर्ट्स जर्नल में प्रकाशित निष्कर्ष बताते हैं कि जो लोग हर दिन किसी भी मात्रा में कॉफी पीते थे, उनमें एकेआई का 15 प्रतिशत कम जोखिम था, जो कि पीने वाले समूह में सबसे बड़ी कमी देखी गई थी।

शोधकर्ताओं ने पाया है कि कॉफी पीने से मृत्यु की आशंका घटती है। एनल्स ऑफ इंटर्नल मेडिसिन में प्रकाशित रिसर्च का निष्कर्ष है कि जिन लोगों ने एक चम्मच शुगर के साथ डेढ़ से लेकर साढ़े तीन कप कॉफी प्रतिदिन पी थी, उन लोगों के कॉफी ना पीने वालों की तुलना में मरने का खतरा 30 प्रतिशत कम रहा। शोधकर्ताओं ने ब्रिटेन में बड़े मेडिकल डेटा बेस यूके बायोबैंक से कॉफी पीने के आंकड़ों का विश्लेषण किया है। उन्होंने सात वर्ष तक 37 से 73 वर्ष की आयु के बीच एक लाख 70 हजार लोगों की जीवनशैली, खानपान से सम्बन्धित जानकारी पर नजर डाली है।

शोध के अनुसार कैफीन युक्त और बिना कैफीन की कॉफी पीने वालों में मौत का खतरा कम पाया गया है। हार्वर्ड मेडिकल स्कूल में मेडिसिन की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ.क्रिस्टीना वी कहती हैं, ऐसी बहुत कम चीजें हैं जो मौत का खतरा 30 प्रतिशत घटाती हैं। पहले भी कई शोधों में कॉफी पीने से स्वास्थ्य को कई फायदों के संकेत मिले हैं। हम पहले से ही जानते हैं कि नियमित रूप से कॉफी पीने से टाइप 2 मधुमेह, हृदय रोग और यकृत रोग सहित पुरानी और अपक्षयी बीमारियों की रोकथाम के साथ जुड़ा हुआ है। कॉफी पीने से मृत्यु कम होने के साथ बुढ़ापे की बीमारी पार्किंसंस, दिल की बीमारियों, टाइप-2 डायबिटीज, लिवर प्रोस्टेट कैंसर सहित कई बीमारियों की आशंका घटती है। विशेषज्ञों का कहना है कि कॉफी में एंटीऑक्सीडेंट अधिक होने से शरीर की कोशिकाओं का नुकसान रुकता या कम होता है।

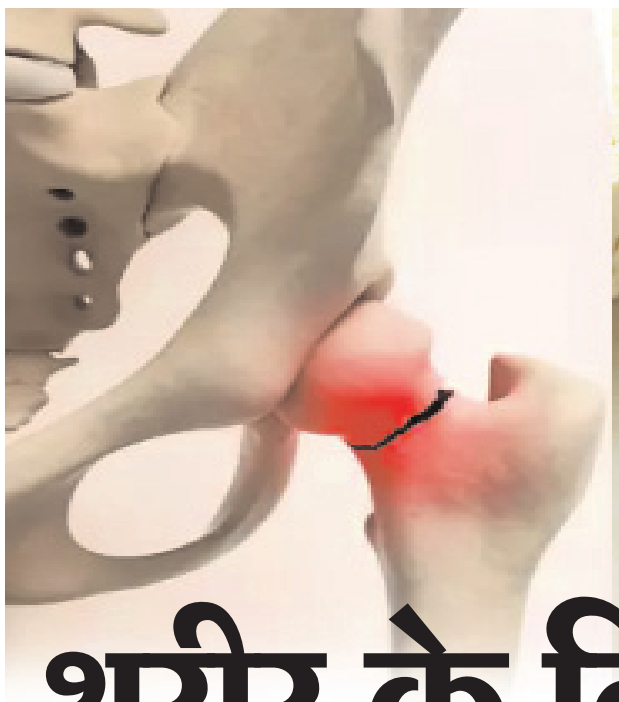

शरीर के लिए महत्वपूर्ण पोषक तत्व है विटामिन डी

विटामिन डी एक महत्वपूर्ण पोषक तत्व है। जो हमारे दिमाग से लेकर इम्यून सिस्टम के लिए जरूरी होता है। इसकी कमी होने से शरीर का कामकाज बिगड़ जाता है। धूप को इसका सबसे बढ़िया सोर्स माना जाता है, लेकिन कुछ लोगों के लिए यह रास्ता काम नहीं करता है। जिसकी वजह से इस विटामिन की कमी होने लगती है।

विटामिन डी की कमी से होने वाले रोग?

यह विटामिन हड्डी, नाखून, दांत के लिए काफी जरूरी होता है। इसके कम होने पर हड्डी में दर्द, जोड़ हटना, मसल्स में दर्द, बार-बार बीमार पड़ना, ऑस्टियोपोरोसिस कैल्शियम की कमी, डिप्रेशन के लक्षण आदि परेशान कर सकते हैं। इसलिए इसे बॉडी में कभी कम ना होने दें।

धूप में क्यों नहीं रहते लोग?

धूप को विटामिन-डी का बेस्ट सोर्स माना जाता है। लेकिन कुछ जगह धूप बहुत कम आती है या फिर कुछ लोगों की स्किन इसे ढंग से ग्रहण नहीं कर पाती है। वहीं, सेंसिटिव स्किन के लोग भी धूप से दूर रहते हैं। ऐसे में इन लोगों के लिए विटामिन डी लेने का अकेला रास्ता फल, सब्जियां, जूस, सप्लीमेंट खाना बच जाता है।

विटामिन डी की कमी का इलाज मशरूम

शाकाहारी लोगों में मशरूम से विटामिन डी की कमी खत्म की जा सकती है। एक स्टडी के अनुसार

इंसानों की तरह मशरूम भी धूप से विटामिन डी बनाता है। जिसे खाकर फायदा उठाया जा सकता है।

दूध, पनीर, दही

दूध और उससे बने पनीर, दही आदि में कैल्शियम होता है। इसके साथ आपको काफी विटामिन डी मिलता है। ये दोनों पोषक तत्व हड्डियों, दांत और नाखून को मजबूत बनाने के काम आते हैं। आप पनीर की भुर्जी बनाकर भी खा सकते हैं।

विटामिन डी बढ़ाएं - अंडा

प्रोटीन से भरा अंडा विटामिन डी भी देता है। इसके पीले हिस्से में फैटी एसिड, फैट और विटामिन डी होता है। आप इसे खाकर विटामिन डी की कमी पूरी कर सकते हैं।

विटामिन डी फल फोर्टिफाइड फूड

कुछ खाद्य पदार्थों में विटामिन डी अलग से डाला जाता है। आप मार्केट से संतरे का जूस, सीरियल, ओटमील, दूध आदि खरीद सकते हैं, जिसमें आर्टिफिशियल विटामिन डी डला हुआ हो।

धरती पर विभिन्न तरह के फल पाए जाते हैं और हर फल के अपने अलग-अलग फायदे हैं। फलों में विभिन्न तरह के पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो शरीर के बेहतर कामकाज के लिए जरूरी हैं। फलों के नियमित से विभिन्न बीमारियों से बचने में मदद मिलती है। ऐसा ही एक जबरदस्त फल है अनार, जिससे सेहत को अनगिनत फायदे मिलते हैं। हार्वर्ड मेडिकल एक्सपर्ट्स इस बात पर चिंता जाहिर करते हैं कि अमेरिका में बहुत से लोगों को अनार के बारे में नहीं पता है और न ही खाया है।

क्लीवलैंड क्लिनिक की डाइटीशियन जूलिया जम्पानो ने बताया है कि अनार में न सिर्फ कम कैलोरी होती है बल्कि विभिन्न पोषक तत्वों से भरपूर यह फल कई रोगों का इलाज कर सकता है। एक अध्ययन में हार्वर्ड के डॉक्टरों ने भी माना है कि अनार एक एक शक्तिशाली फल है, जिसे खाने और इसका रस पीने से हाई ब्लड प्रेशर, कोलेस्ट्रॉल, कैंसर और दिल से जुड़े रोगों से बचने में मदद मिल सकती है। चलिए जानते हैं कि रोजाना अनार खाने से आपको क्या-क्या फायदे हो सकते हैं।

एंटीऑक्सिडेंट और कैंसर से लड़ने वाले गुण

जम्पानो कहती हैं कि अनार में एंटीऑक्सिडेंट होते हैं जो कोशिकाओं को विषाक्त पदार्थों से बचाने में मदद करते हैं और डीएनए को डैमेज होने से बचाते हैं, जिससे कैंसर हो सकता है।

कोलेस्ट्रॉल और हाई ब्लड प्रेशर का पक्का इलाज है अनार

गंदे कोलेस्ट्रॉल को करता है बाहर

हार्वर्ड की रिपोर्ट बताती है कि अध्ययनों से पता चलता है कि अनार का रस हानिकारक एलडीएल यानी गंदे कोलेस्ट्रॉल के लेवल को कम करने और हाई ब्लड प्रेशर को कम करने में मदद कर सकता है।

पाचन को बनाता है मजबूत

अनार की फाइबर सामग्री पाचन को स्वस्थ रखने में मदद करती है। आपको इसका रस पीने के बजाय पूरा फल खाना चाहिए। आधा कप अनार के दानों में 72 कैलोरी, 35 ग्राम फाइबर और 12 ग्राम शुगर होती है।

प्रोस्टेट को रखता है दुरुस्त

अनार के रस को प्रोस्टेट कैंसर वाले पुरुषों में प्रोस्टेट-स्पेसिफिक एंटीजन लेवल को स्थिर करने के लिए जाना जाता है। कुछ शोधों में पाया गया है कि अनार के रस में मौजूद घटक कैंसर कोशिकाओं के प्रसार को बढ़ावा देने वाले रासायनिक तत्वों को कमजोर करके उनकी गति को रोकने में मदद कर सकते हैं।

दिल को स्वस्थ रखने में मददगार

अनार के लाल दानों में मौजूद एलाजिक एसिड और एंथोसायनिन जैसे एंटीऑक्सिडेंट यौगिक हाई ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल लेवल को कम कर सकते हैं । इतना है नहीं यह धमनी की दीवारों पर जमा फैट, कोलेस्ट्रॉल और अन्य गंदे पदार्थों को हटा सकते हैं, जो रक्त वाहिकाओं को बंद करते हैं। एक दिन में एक कप अनार का रस

ब्रीदिंग एक्सरसाइज को कहा जाता है योग का खजाना

ब्रीदिंग एक्सरसाइज को योग का खजाना कहा जाता है। इसे करने से न सिर्फ हार्मोनल इंबैलेंस बल्कि पाचन से जुड़ी कई दिक्कतें भी दूर हो सकती हैं। ऐसी ही एक एक्सरसाइज का नाम है कपालभाति। आइए जानते हैं कपालभाति प्राणायाम करने से शरीर को मिलते हैं कौन से फायदे।

डाइजेस्टिव सिस्टम को बनाएं मजबूत

कपालभाति डाइजेस्टिव सिस्टम को मजबूत बनाकर गैस, एसिडिटी, कब्ज जैसी समस्याओं में भी राहत देता है।

दिल के लिए अच्छा

कपालभाति प्राणायाम फेफड़ों, स्प्लीन, लीवर, पैनक्रियाज के साथ-साथ दिल के कार्य में सुधार करता है। यह न केवल कोलेस्ट्रॉल को कम करता है बल्कि धमनी के अवरोध को दूर करने में भी मददगार है।

नर्वस सिस्टम

यह नवर्स सिस्टम यानि तंत्रिका तंत्र के लिए भी बहुत अच्छा प्राणायाम माना जाता है। इसे करते समय होने वाली पंपिंग से ब्रेन के सेल्स में ऑक्सीजन का लेवल बढ़ जाता है। कई महिलाओं को कपालभाति करते समय बीच में उबासी आती है। उबासी आने का मतलब यह है कि ब्रेन के सेल्स बहुत थके हुए हैं और जब ऑक्सीजन जाता है तब वह रिलैक्स हो जाते हैं।

हार्मोंस बैलेंस

यह रिप्रोडक्टिव सिस्टम के लिए भी बहुत अच्छा होता है। इसके नियमित अभ्यास करने से ब्लड की सप्लाई यूट्रस, फैलोपियन ट्यूब और ओवरीज में बढ़ती है, जहां पर साफ-सफाई का काम हो जाता है। जैसे कि पीसीओडी होने पर सिस्ट बन जाते हैं। यह सिस्ट हार्मोनल इंबैलेंस के कारण बनते हैं। लेकिन जब कपालभाति प्राणायाम किया जाता है तब इससे हार्मोंस बैलेंस होते हैं।

ग्लोइंग त्वचा

कपालभाति शरीर से विषाक्त पदार्थों को निकालने में मदद करता है। जिससे आपकी त्वचा के स्वास्थ्य में सुधार होता है और त्वचा ग्लोइंग बनती है।